@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 7 सितंबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 298 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राजस्थान में हाईवे बहा, उदयपुर में कॉलोनियां डूबीं

● दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़; भोपाल में बड़ा तालाब ओवरफ्लो, भदभदा डैम के गेट खुले

नई दिल्ली/चंडीगढ़/श्रीनगर/लखनऊ। राजस्थान में बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। जयपुर में दोपहर बाद तेज बारिश हुई। राजसमंद के रिछेड़ क्षेत्र में तेज बारिश से नेशनल हाईवे-162 (राजसमंद-जोधपुर) का आधा हिस्सा बह गया। उदयपुर में आयड़ नदी का पानी कई कॉलोनियों में घुस गया। कई घर डूब गए हैं, लोग घरों की छतों पर फंसे हुए हैं।

दिल्ली में शनिवार को भी यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मॉनेस्ट्री मार्केट, यमुना बाजार, वासुदेव घाट, निगम बोध घाट, मयूर विहार और कश्मीरी गेट समेत शहर के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

शुक्रवार को सिविल लाइंस के स्वामीनारायण मंदिर परिसर में 5 फीट तक पानी भर गया था।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में 20 से ज्यादा कॉलोनियों में यमुना का पानी घुस गया है। आगरा में ताज महल की बाउंड्री तक यमुना का पानी पहुंच गया है। इसके पीछे बना पार्क डूब गया है। शुक्रवार को शहर में तेज बारिश से 50 से ज्यादा सड़कों पर 4 फीट तक पानी भर गया। इससे बाइक-कार डूब गईं।

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के तोरणमाल में बारिश के चलते भूस्खलन हुआ है। पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें आकर सड़क पर गिर गई हैं। इसके कारण सड़क जाम हो गई। वहीं, भोपाल के बड़ा तालाब ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते भदभदा डैम के गेट सीजन में पहली बार खुले हैं।

अन्य राज्यों में बारिश के हालात...

● **पंजाब:** 23 जिलों के 2000 गांव लगभग 12 दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 3.84 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में अब तक 43 लोगों की जान जा चुकी है। करीब 1.72 लाख हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हो गई है। पंजाब में अगले 4 दिनों तक बारिश का अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत की संभावना है।

● **जम्मू-कश्मीर:** लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग और सिंथन रोड वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं। कठुआ से कश्मीर तक करीब 3700 से ज्यादा वाहन फंस गए हैं। श्रीनगर और बडगाम में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा लगातार 11 दिन से बंद है। 26 अगस्त को हुए भूस्खलन के बाद यात्रा स्थगित कर दी गई थी।

● **गुजरात:** सूरत और वडोदरा जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नर्मदा और किम नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

रामलीलाओं और दुर्गापूजा को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ऐतिहासिक घोषणाएं

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 6 सितंबर। दिल्ली की रेखा सरकार ने इस बार रामलीलाओं व दुर्गापूजा को और अधिक भक्तिभाव और आस्था से परिपूर्ण व निर्बाध आयोजन व मंचन के लिए विशेष निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि अब रामलीला और दूर्गापूजा समितियों को सिंगल विंडो सिस्टम से सभी अनुमति व एनओसी उपलब्ध कराई जाएंगे। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि प्रत्येक प्रत्येक समिति को अब आयोजन के लिए 1200 यूनिट तक मुफ्त बिजली भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा सरकार की ओर से सफाई, पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि भी उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने आयोजकों से यह भी अपील की है कि वे अपने इस धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों में सामाजिक संदेश भी फैलाएं ताकि लोगों में जागरुकता आए और वे दिल्ली को लेकर एक पॉजिटिव अप्रोज रखें।

मुख्यमंत्री ने आयोजकों से यह भी अपील की कि वे अपने आयोजन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े से भी जोड़ें। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में एक विशेष बैठक आयोजित की, जिसमें पूरी दिल्ली की रामलीला व दूर्गापूजा समितियों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में बिजली मंत्री आशीष सूद, कला व संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा के अलावा कई विधायक, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एमसीडी कमिश्नर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की रामलीलाएं और दुर्गा पूजा न केवल धार्मिक आस्था का उत्सव हैं बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता के प्रतीक भी हैं। ये पर्व हमारे सामाजिक ताने-बाने, एकता और भाई-चारे का भी प्रतीक हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

यह मुलाकात प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में जापान और चीन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। पीएम मोदी ने 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तिआनजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 25वीं बैठक में हिस्सा लिया था। इस शिखर सम्मेलन में एससीओ की विकास रणनीति, वैश्विक शासन सुधार, आतंकवाद-निरोध, शांति और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय सहयोग तथा सतत विकास जैसे अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

ईडी ने की कर्नाटक के कांग्रेस विधायक वीरेंद्र के बैंक खातों की जांच

एजेंसी
चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक के.सी. वीरेंद्र 'पप्पी' को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और झटका दिया है। ऑनलाइन सट्टेबाजी और अवैध धन शोधन के आरोपों के मद्देनजर ईडी ने शनिवार को चित्रदुर्ग के चल्लकेरे शहर में स्थित कई बैंकों पर छापेमारी की है, जिनमें वीरेंद्र के खाते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के 10 से अधिक अधिकारी चल्लकेरे पहुंच कर विधायक के.सी. वीरेंद्र 'पप्पी' के बैंकों खातों की जांच कर रहे हैं। शहर में कोटक महिंद्रा, एक्सिस, फ़ेडरल और कर्नाटक बैंक समेत कई शाखाओं में उनके खातों की जांच की जा रही है। ईडी के अधिकारी विधायक वीरेंद्र से जुड़े 17 बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज़ इकट्ठा कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विधायक के बैंक लॉकर भी खंगाले जा रहे हैं। दरअसल, विधायक वीरेंद्र पर पिछले 15 दिनों में ईडी की यह तीसरी छापेमारी है। ईडी ने 22 और 23 अगस्त को सुबह 5 बजे से वीरेंद्र के आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान आधी रात तक दस्तावेजों की जांच की गई और करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति और नकदी और लग्जरी वाहन जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि विधायक के. सी. वीरेंद्र 'पप्पी' को प्रवर्तन निदेशालय ने सिक्किम से गिरफ्तार किया है। उन्हें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी के मामले में हुई है।

गुजरात के पावागढ़ शक्तिपीठ में गुड्स रोपवे टूटा, 6 की मौत

● मरने वालों में लिफ्ट ऑपरेटर और मजदूर शामिल; कई लोग घायल

एजेंसी
पंचमहाल। गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को गुड्स (सामान ले जाने वाले) रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जानकारी के मुताबिक, रोपवे का तार टूटने की वजह से ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

री-एजेंट घोटाले में ईडी की कार्रवाई

दो लग्जरी वाहनों के साथ 40 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी
रायपुर। री-एजेंट प्रोक्योरमेंट घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने दो लग्जरी गाड़ियों समेत 40 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्ति जब्त कर ली। प्रवर्तन निदेशालय के रायपुर जोनल ऑफिस ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत शशांक चोपड़ा और अन्य से जुड़े 'री-एजेंट प्रोक्योरमेंट घोटाले' में तलाशी अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान पीएमएलए 2002 की धारा 17(1) के तहत दो लग्जरी वाहन (एक पोर्श केयेन कूप और एक मर्सिडीज-बेंज) जब्त किए गए, जो मोक्षित कॉर्पोरेशन के हैं। यह फर्म शशांक चोपड़ा और उनके पिता शांतिलाल चोपड़ा के नाम पर पंजीकृत है। रायपुर की एसीबी और ईओडब्ल्यू ने मोक्षित कॉर्पोरेशन और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) तथा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के लिए एफआईआर दर्ज की थी। इसके आधार पर ईडी ने जांच शुरू की। एफआईआर में एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा एक आरोप पत्र भी दायर किया गया है। एफआईआर और चार्जशीट के अनुसार, शशांक चोपड़ा, डीएचएस और सीजीएमएससीएल के अधिकारियों और अन्य ने कथित तौर पर निविदा प्रक्रियाओं में हेरफेर करने, मनगढ़ंत मांग करने और सीजीएमएससीएल को बढ़ी हुई कीमतों पर चिकित्सा उपकरण और री-एजेंट की आपूर्ति करने के लिए एक आपराधिक साजिश रची, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और खुद को भी लाभ हुआ। विभाग द्वारा 30 जुलाई को आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी और जब्ती कार्रवाई की गई। लग्जरी गाड़ियों के साथ 40 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले में ईडी की आगे की जांच जारी है।

● विभाग द्वारा 30 जुलाई को आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी और जब्ती कार्रवाई की गई।

बिहार में पढ़ाई, कमाई, सिंचाई की हालत बदतर : तेजस्वी यादव

'भाजपा-जदयू की हालत खराब है'

एजेंसी
पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को एनडीए सरकार पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि 20 वर्षों से भाजपा और जदयू सत्ता में हैं, फिर भी बिहार में शिक्षा, रोजगार और सिंचाई की हालत बदतर है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन की बैठक के संबंध में कहा कि हम लोग नेताओं से मिलते रहते हैं, बातचीत चलती रहती है। यह प्रक्रिया है, चलती रहती है।

उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बिहार में 20 साल से एनडीए सत्ता में है, लेकिन बिहार में क्या है? बिहार में अपराध बढ़ गया है, भ्रष्टाचार चरम पर है। बिहार में न दवाई है, न पढ़ाई है, न सिंचाई है। उन्होंने कहा कि देश में बिहार प्रति व्यक्ति आय में सबसे फिसड्डी है। किसानों की आय के मामले में बिहार पीछे है। कोई उद्योग धंधा नहीं है। अब जब चुनाव का समय आया है, तो ये हमारी नकल कर रहे हैं। एक उद्योग कारखाना क्यों नहीं है? पहले ये लोग बात क्यों नहीं करते थे? माई बहिन योजना के फॉर्म को लेकर फर्जीवाड़ा कहने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग स्वेच्छा से फॉर्म भर रहे हैं। इसमें क्या गलत है? भाजपा-जदयू की हालत खराब है, ये लोग हिले हुए हैं। इससे पहले, राजद नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एनडीए की सरकार पर पिछले 20 वर्षों में राज्य की दो पीढ़ियों को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए दस सवाल पूछे। तेजस्वी यादव ने एनडीए पर हमला करते हुए कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री के 20 वर्षों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी 11 वर्षों की डबल इंजन सरकार ने बिहार की दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद किया है।

जीएसटी में सुधार से देश के 140 करोड़ देशवासियों को बड़ी राहत: अश्विनी वैष्णव

● प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्यम वर्ग के प्रति काफी निष्ठा है: वैष्णव

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को 140 करोड़ देशवासियों के लिए बड़ी राहत पहुंचाने वाला बताया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्यम वर्ग के प्रति काफी निष्ठा है जो समय-समय पर हम सभी को दिखाई देती है। उन्होंने करों में बड़ा सुधार करके 12 लाख रुपये तक की आय वाले मध्यम वर्गीय परिवारों को छूट देकर और अब बड़े पैमाने पर जीएसटी में सुधार करके मध्यम वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत और तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में जिस तरह के सुधार हुए हैं उनसे देश के 140 करोड़ देशवासियों को बड़ी राहत मिली है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए वैष्णव ने कहा कि 2014 से पहले करों का मकड़जाल फैला था जिसके कारण हर वस्तु पर कई तरह के कर लगाकर एक साधारण परिवार , आम आदमी और मध्यम वर्गीय परिवार पर बड़ा बोझ डाल दिया गया था। मंत्री ने कहा, आज जीएसटी में सुधार से देश के जन-जन पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा और उन्हें राहत मिलेगी। जरुरत की सारी वस्तुओं पर जीएसटी कम किया गया है। इससे रोटी, कपड़ा और मकान तीनों पर करों का बोझ कम हुआ है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, आज इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की कई तरह की चीजें हर घर में उपयोग में लाई जाती हैं और सोलर पैनल से लेकर मोबाइल फोन जैसी वस्तुओं पर जिसतरह से जीएसटी करों में सुधार हुआ है उससे इन वस्तुओं पर खर्च से लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से देश को विश्वास दिलाते हुए जो संकल्प लिया था उसे उन्होंने वास्तविक रूप में पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि 22 तारीख का पहला नवरात्र देश के 140 करोड़ लोगों के लिए नई खुशी लेकर आएगा। इसी दिन से जीएसटी करों में सुधार लागू होंगे।

देश की आर्थिक मजबूती में मारवाड़ी समाज की अहम भूमिका: विजेंद्र गुप्ता

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली ,6 सितम्बर। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कल नई दिल्ली के छतरपुर स्थित अध्यात्म साधना केंद्र में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 28वें राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि मारवाड़ी समाज ने देश के विभिन्न हिस्सों में ट्रेड और कॉमर्स के माध्यम से भारत की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है और जिन विदेशी देशों में वे प्रवासी हैं, वहां भी खुशहाली के नए युग का प्रारंभ किया है। उन्होंने मारवाड़ी समाज से देश को विकसित राष्ट्र के निर्माण और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि 19 वीं शताब्दी में दिल्ली ,पंजाब ,जयपुर और बीकानेर के राजाओं ने अपने राज्यों में आर्थिक समृद्धि के लिए मारवाड़ी समुदाय को अनेक रियायतें देकर निवेश के लिए आमंत्रित किया, वे जानते थे कि मारवाड़ियों के बिना उनके राज्य में आर्थिक सम्पन्नता नहीं आ सकती। मारवाड़ी ईमानदारी का व्यवसाय करते हैं और अपनी संस्कृति और मूल्यों के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। मारवाड़ी समुदाय के लोग जहां भी बसे उन्होंने वहां पूरे समाज का उत्थान किया है। वर्ष 1911 में बंगाल में 11,000 मारवाड़ी बसे थे और उन्होंने मुम्बई और हैदराबाद में कालीन उद्योग में गहरी पकड़ स्थापित की ।मारवाड़ी समाज ने आर्थिक संपन्नता के साथ साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी अमिट छाप छोड़ी है । साथ ही उन्होंने अस्पताल, स्कूल, सहित समाज कल्याण के लिए अनेक संस्थानों की स्थापना की जिससे समाज के सभी वर्गों को फायदा मिला। गुप्ता ने 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य है विकसित भारत का निर्माण, और इस दिशा में मारवाड़ी समाज जैसी अनुशासित और दूरदर्शी समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है, और इस यात्रा में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देकर, लघु उद्योगों का सहारा बनकर, हरित उद्योगों और डिजिटल नवाचार को अपनाकर मारवाड़ी समाज एक बार फिर भारत के आर्थिक नेतृत्व में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

शेष पृष्ठ 3 पर

भिवंडी में रंगाई फैक्ट्री में लगी भीषण आग

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भिवंडी में एक रंगाई फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री से धुआं उठता देख आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। दमकल विभाग ने बताया कि आग काफी फैल चुकी है और इस बुझाने के लिए और गाड़ियां बुलाई गई हैं। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल सका है, आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री के अंदर रखे रसायनों के कारण आग फैल गई।

होशियारपुर में भीषण हादसा : एम्बुलेंस गहरी खाई में गिरने से तीन की मौत, दो घायल

होशियारपुर (एजेंसी)। हिमाचल-पंजाब सीमा के समीप शनिवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। टांडा मेडिकल कॉलेज से डीएमसी लुधियाना जा रही एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर पंजाब क्षेत्र के मंगूवाल में गहरी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा शनिवार सुबह करीब 4 बजे हुआ था। दरअसल बरसात के चलते सड़क का हिस्सा टूटा हुआ है, जगह-जगह गड्ढे हो गए, जिस कारण वाहनों को चलाने में असुविधा हुई है। यहां से गुजर रही एम्बुलेंस का चालक संतुलन खो बैठा और वाहन गहरी खाई में जा गिरा। बताया गया कि कांगड़ा के पठियार से एक मरीज को रेफर कर परिवार सहित डीएमसी लुधियाना ले जाया जा रहा था। इस दुर्घटना में मृत हुए लोगों की पहचार कर ली गई है। मृतकों में संजीव कुमार सोनी (55) निवासी पठियार, ओंकार चंद (84) निवासी मरण्डा और रमेश चंद (45) निवासी नूरपुर (कांगड़ा) शामिल हैं। घायलों में रेणुवाला और एम्बुलेंस चालक बॉबी को सिविल हॉस्पिटल होशियारपुर में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार रेणुवाला खतरे से बाहर है, लेकिन चालक की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे की खबर लगते ही स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पंजाब पुलिस के अनुसार, हादसे की वजह सड़क का टूटा हिस्सा और चालक की असावधानी दोनों मानी जा रही हैं। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

सपा विधायक के बाग पर चला बुलडोजर, सरकारी जमीन को कराया कब्जा मुक्त

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शनिवार को प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए समाजवादी पार्टी के विधायक नवाब इकबाल महमूद के बाग पर बुलडोजर चला सरकारी भूमि को मुक्त कराया। अधिकारियों के अनुसार, विधायक ने अपने बाग में करीब साढ़े 3 बीघा सरकारी जमीन भी शामिल कर ली थी, जिसे मुक्त कराया गया है। जानकारी अनुसार शनिवार सुबह एसडीएम विकास चंद्र, नायब तहसीलदार और राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मंडलाई गांव पहुंची। नलकूप विभाग और वन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में पैमाइश कर कब्जाई जमीन की पहचान की गई। इसके बाद बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया गया। इस कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई पूरी तरह राजस्व रिकॉर्ड और सरकारी पैमाइश के आधार पर की गई है।

बुलडोजर कार्रवाई पर सपा खेमे में नाराजगी

इस कार्रवाई से समाजवादी पार्टी समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। हालांकि प्रशासन ने कहा कि यह कदम सिर्फ सरकारी भूमि को कब्जे से मुक्त कराने के लिए उठाया गया है और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं सपा नेताओं ने इसे राजनीतिक विद्वेश के तहत की गई कार्रवाई बताया है।

तकनीकी खराबी के चलते दो घंटे आसमान में घूमता रहा इंडिगो का विमान

-180 यात्रियों की सांसें अटकीं, अबू धाबी के लिए भरी थी उड़ान, वापस लौटा

कोच्चि (एजेंसी)। इंडिगो का एक विमान दो घंटे से ज्यादा समय तक आसमान में उड़ान भरने के बाद शुक्रवार देर रात कोच्चि लौट आया यह वितान अबू धाबी जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विमान में 180 से ज्यादा यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। इंडिगो की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि उड़ान 6ई-1403 शुक्रवार रात 11.10 मिनट पर कोच्चि से अबू धाबी के लिए रवाना हुई और तकनीकी खराबी के कारण रात करीब 1:44 बजे वापस कोच्चि लौट आई। उन्होंने बताया कि रात लगभग साढ़े तीन बजे यात्रियों को एक अन्य विमान से अबू धाबी भेजा गया। उड़ान 6ई1403 का संचालन ए320 नियो विमान से किया गया था। एक दूसरी घटना में दिल्ली-कोलकाता इंडिगो की एक उड़ान में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक शराबी वकील ने विमान में हर हर महादेव जैसे धार्मिक नारे लगाने शुरु कर दिए और साथी यात्रियों से भी नारा लगाने का कहना लगा। जब उसे नारे लगाने के लिए मना किया तो वह एयरलाइन क्रू के साथ विवाद करने लगा। सूत्रों के मुताबिक यह घटना सोमवार को 6ई 6571 पर हुई जब उड़ान ज्यादा समय तक पार्किंग बे में रुकी रही। इंडिगो ने कहा कि 31डी में बैठा वकील केबिन क्रू के साथ दुर्व्यवहार करता और शराब के नशे में बाकी यात्रियों को परेशान करता पाया गया। यात्री, जो एक बोतल में शराब ले जा रहा था, उसने एक क्रू सदस्य पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। बाद में उस यात्री को कोलकाता एयरपोर्ट पर सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया गया।

फिर मुसीबत में घिरीं सांसद महुआ मोइत्रा, अब सीएम ममता के दरबार में लगेगी क्लास

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा का विवाद पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। मोइत्रा एक बार फिर विवादों में घिरती दिख रही हैं। उनकी एक कथित विवादित टिप्पणी को लेकर अखिल भारतीय मतुआ महासंघ ने नाराज़गी जताई है। महासंघ की ओर से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर मामले में दखल देकर कार्रवाई की मांग की गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम ममता बनर्जी उनकी क्लास ले सकतीं हैं।

दरअसल, 31 अगस्त को नदिया ज़िले में एक सभा को संबोधित करते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा था कि 'साल भर तृणमूली और चुनाव के समय सनातनी बनने का खेल क्यों? हर एससी बूथ पर जहां एक सामान्य जाति की महिला को 1000 रुपये मिलते हैं, वहां एससी महिला को 1200 रुपये मिलते हैं। फिर भी एससी, नामशूद्र, मतुआ बूथों पर बीजेपी को 100 में से 85 वोट मिलते हैं। काम के वक्त ममता, सड़क के वक्त ममता, और जब लाभ लेने की बात आती है तो कंठमाला पहन कर सब आ जाते हैं। सच्चाई हमेशा कड़वी होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, महासंघ की ओर से 3 सितंबर को भेजे गए इस पत्र में महासचिव सुकेश चंद्र चौधरी ने लिखा है कि महुआ मोइत्रा की टिप्पणी से मतुआ समुदाय आहत और क्रोधित है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वह 'एक अभिभावक की तरह कदम उठाकर समुदाय का दर्द कम करें। हालांकि पत्र के लेटरहेड पर महासंघ की अध्यक्ष और तृणमूल की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर का नाम है, लेकिन उस पर हस्ताक्षर महासचिव चौधरी के हैं। ममता बाला ठाकुर ने इस मुद्दे पर कहा, 'यह उनकी (महुआ की) व्यक्तिगत राय है। यह धार्मिक मुद्दा है, इसमें मैं बतौर सांसद क्यों बोलूं? संगठन ने निर्णय लिया है। जो कुछ कहा गया वह अपमानजनक है, और मैं इस पर ज़्यादा शब्द बर्बाद नहीं करना चाहती।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह महुआ मोइत्रा से इस विषय पर बात करेंगी तो उन्होंने पलटकर कहा, 'क्यों करूं?' मोइत्रा की इस टिप्पणी पर भाजपा ने भी कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी नेता दिपंकर सरकार ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कहा, उन्होंने एससी/एसटी महिलाओं और मतुआ समुदाय का अपमान किया है। न केवल आस्था पर टिप्पणी की, बल्कि महिलाओं का भी अपमान किया। अब उन्हें अदालत में पेश होकर सफाई देनी होगी। इधर, केंद्रीय मंत्री और मतुआ नेता शांतनु ठाकुर, जो ममता बाला ठाकुर के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माने जाते हैं, के लिए यह विवाद अपने घरेलू मतभेदों से राहत का मौका बन सकता है। शांतनु का अपने बड़े भाई और विधायक सुब्रत ठाकुर तथा मां छबी रानी ठाकुर के साथ धार्मिक प्रमाणपत्रों के मुद्दे पर टकराव जारी है।

जेपी नड्डा ने रद्द की एनडीए सांसदों को दी जाने वाली डिनर पार्टी, बाढ़ आपदा को बताया वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को अपने आवास पर होने वाली एनडीए सांसदों की डिनर पार्टी को रद्द कर दिया है। यह निर्णय देशभर में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया। पंजाब समेत कई राज्यों में बाढ़ का कहर जारी है और हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

यह डिनर पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के तहत आयोजित होनी थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत एनडीए सांसदों को आमंत्रित किया गया था। अब इसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। गौरतलब है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है और एनडीए की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद हो रहा है। धनखड़ ने 21 जुलाई की रात स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद छोड़ा था। संसद में सांसदों के संख्याबल के आधार पर कहा जा सकता है कि एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन स्पष्ट बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक अंतिम समय तक समर्थन जुटाने की कोशिशों में लगा है।

भारत-अमेरिका रिश्तों पर जयशंकर ने कहा- साझेदारी को महत्व देते हैं पीएम मोदी और ट्रंप....

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका संबंधों में हाल के दिनों में टैरिफ नीति को लेकर तनाव के बाद अब माहौल बदलता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोस्त और महान नेता बताया है। इसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हुए भारत-अमेरिका रिश्तों के सकारात्मक मूल्यांकन का पूर्ण समर्थन किया। इस पर भारतीय विदेश मंत्री ने अहम बयान देते हुए दोनों नेताओं के संबंधों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका के प्रति दिखाए गए रुख पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, कि मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी निश्चित रूप से दोनों देशों की साझेदारी को अत्यधिक महत्व देते हैं। जहां तक राष्ट्रपति ट्रंप की बात है, प्रधानमंत्री का उनका व्यक्तिगत संबंध हमेशा से बहुत अच्छा रहा है। हम लगातार अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं। यही इस समय की सच्चाई है। गौरतलब है कि ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक मतभेद बढ़ रहे थे, लेकिन अब बातचीत और सहयोग से रिश्तों को मजबूती देने के संकेत मिल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यक्तिगत स्तर पर मोदी-ट्रंप की नजदीकी ने राजनीतिक और आर्थिक मतभेदों को कम करने में मदद की है। अमेरिका का बदला हुआ सुर और भारत की सकारात्मक प्रतिक्रिया दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक सहयोग का संकेत है। रक्षा, ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी आगे और मजबूत हो सकती है।

मुंबई को मानव बम से उड़ाने की धमकी देने वाला अश्विनी नोएडा से गिरफ्तार

-दोस्त को फंसाने रची साजिश, पुलिस ने मोबाइल, सिम, मेमोरी कार्ड किए बरामद

नोएडा (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज भेजकर पूरे शहर में हड़कंप मचाने वाले अश्विनी कुमार को नोएडा के सेक्टर-79 से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की पूछताछ में अश्विनी ने धमकी देने की अजीब वजह बताई। उसने बताया कि उसने दोस्त से बदला लेने की सनक में यह खतरनाक खेल खेला। पटना के पाटलिपुत्र का रहने वाला अश्विनी अपने पुराने दोस्त फिरोज के खिलाफ दिल में गहरी नफरत पाले था। बात 2023 की है, जब फिरोज ने अश्विनी के खिलाफ पटना के फुलवारी शरीफ थाने में केस दर्ज करवाया था। इस केस की वजह से अश्विनी को तीन महीने जेल में रहना पड़ा था। बस, यहीं से बदले की आग भड़की।

अश्विनी कुमार ने फिरोज को सबक सिखाने के लिए एक खतरनाक प्लान बनाया। उसने मुंबई पुलिस को फिरोज के नाम से एक फर्जी बम धमकी भेज दी, ताकि दोस्त को फंसाया जा सके। शुक्रवार को मुंबई पुलिस को एक मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया था कि शहर में 34 गाड़ियों में 400 किलो आरडीएक्स के साथ ह्यूमन बम तैयार किए गए हैं, जो पूरे शहर को हिलाकर रख देंगे। इस मैसेज ने मुंबई को हाई अलर्ट पर ला दिया था।

पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और पता चला कि यह धमकी नोएडा से भेजी गई थी। देर रात मुंबई पुलिस ने नोएडा के सेक्टर 79 में छापा मारकर अश्विनी को धर दबोचा। जांच में पता चला कि अश्विनी पिछले पांच साल से नोएडा में रह रहा था और ज्योतिषी के रूप में काम कर रहा था। पढ़ा-लिखा होने के बावजूद, उसने इस सनसनीखेज साजिश को अंजाम दिया। अश्विनी ने मास्टर्स की डिग्री हासिल की है और उसके पिता सुरेश कुमार शिक्षा विभाग से रिटायर्ड हैं, लेकिन पारिवारिक झगड़ों ने भी उसकी जिंदगी में आग लगाई थी। उसकी पत्नी ने घरेलू विवाद के चलते उसे छोड़ दिया था।

पुलिस ने अश्विनी के कब्जे से सात मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड, छह मेमोरी कार्ड होल्डर, दो डिजिटल कार्ड कार्ड बरामद किए हैं। ये सामान देखकर लगता है कि अश्विनी छोटा-मोटा खिलाड़ी नहीं, बल्कि अपनी साजिश को अंजाम देने के लिए पूरी तैयारी में था। नोएडा के एडिशनल सीपी ने बताया कि अश्विनी को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर किया गया और कागजी कार्रवाई के बाद उसे मुंबई भेज दिया गया। अब मुंबई पुलिस इस बम मास्टरमाइंड से पूछताछ कर रही है, ताकि इस साजिश के और भी राज खुल सकें।

जम्मू-कश्मीर के सांसद पर तिहाड़ जेल में किन्नरों ने किया हमला

-आरोप : जानबूझकर किन्नरों को उनके साथ रखा, हमले के लिए उकसाया

नई दिल्ली (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर रशीद पर तिहाड़ जेल में हमले का आरोप लगाया गया है। इंजीनियर रशीद का दावा है कि जेल में किन्नरों के एक गुट ने उन पर घातक हमला किया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सांसद को मामूली चोटें आईं हैं। बारामूला के सांसद इंजीनियर रशीद 2019 से ही तिहाड़ जेल में बंद हैं। तिहाड़ जेल प्रशासन की ओर से इस पर आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इंजीनियर रशीद की पार्टी आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने सांसद पर हमले को लेकर आक्रोश जाहिर किया है। पार्टी का कहना है कि इंजीनियर रशीद ने अपने वकील जावेद हूब्बी से मुलाकात के दौरान उन पर हुए हमले की बात कही है। वकील के मुताबिक रशीद ने बताया कि तिहाड़ जेल प्रशासन ने कश्मीरी कैदियों को प्रताड़ित करने के लिए नए तरीके अपनाए हैं। जानबूझकर किन्नरों को उनके साथ जेल में रखा गया है। उन्हें हमले के लिए उकसाया जाता है। वकील ने रशीद के हवाले से आरोप लगाया कि पुरुष किन्नरों के एक हमले में रशीद बाल-बाल बच गए। दावा किया गया है कि रशीद को किन्नरों के एक समूह ने धक्का दिया और गेट उनके ऊपर फेंका। अगर यह गेट सीधा लगता तो रशीद की जान भी जा सकती थी। इंजीनियर रशीद का आरोप है कि उनसे पहले कश्मीरी कैदियों अयूब पठान, बिलाल मीर और अमीर गोजरी पर भी किन्नर हमला कर चुके हैं। रशीद का कहना है कि ये किन्नर एचआईवी पॉजिटिव घोषित किए गए हैं और जानबूझकर उन्हें कश्मीरी कैदियों के साथ रखा गया है। पिछले लोकसभा चुनाव में इंजीनियर रशीद ने जम्मू-कश्मीर के मौजूदा सीएम उमर अब्दुल्ला और सज्जाद गनी लोन को हराया था। 2 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीतने वाले सांसद रशीद को हाल ही में मॉनसून सत्र में हिस्सा लेने के कस्टडी पेरोल पर भेजा गया था।

सांबा में अहम प्रतिष्ठानों के ऊपर नजर आया पाक ड्रोन, सेना का तलाशी अभियान शुरू

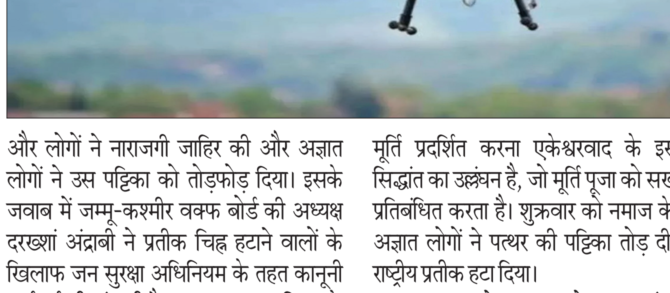

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल चप्पे चप्पे की निगरानी कर रहे हैं। किसी भी तरह से आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए सेना पूरी तरह तैयार है। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अहम प्रतिष्ठानों के ऊपर एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे जाने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार रात करीब 9.35 बजे बारी ब्राह्मणा इलाके में सैन्य छावनी के ऊपर पश्चिम से पूर्व की ओर 700 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर ड्रोन नजर आया। तत्काल अलर्ट जारी कर किया गया और सेना की टीम सक्रिय कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को भी सूचित किया गया और एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया कि ड्रोन से कहीं हथियार या मादक पदार्थ तो नहीं गिराए गए हैं।

वहीं इससे पहले एक अन्य घटना में श्रीनगर की मशहूर हज़रतबल मस्जिद में नवीनीकरण पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इससे स्थानीय नेताओं और लोगों ने नाराजगी जाहिर की और अज्ञात लोगों ने उस पट्टिका को तोड़फोड़ दिया। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने प्रतीक चिह्न हटाने वालों के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना उस मस्जिद के हाल में जीर्णोद्धार के बाद हुई जिसमें पैगंबर मोहम्मद साहब के पवित्र चिह्न रखे हैं।

मस्जिद के अंदर लगे पत्थर की उद्घाटन पट्टिका पर राष्ट्रीय प्रतीक अंकित था, जिसकी मुस्लिम समुदाय ने आलोचना की। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) समेत राजनीतिक नेताओं और लोगों ने तर्क दिया कि इबादतगाह में मूर्ति प्रदर्शित करना एकेश्वरवाद के इस्लामी सिद्धांत का उल्लंघन है, जो मूर्ति पूजा को सख्ती से प्रतिबंधित करता है। शुक्रवार को नमाज के बाद अज्ञात लोगों ने पत्थर की पट्टिका तोड़ दी और राष्ट्रीय प्रतीक हटा दिया।

इस कृत्य से स्पष्ट रूप से नाराज अंद्राबी ने मस्जिद में एक प्रेस वार्ता आयोजित की और पट्टिका को तोड़ने वालों को आतंकवादी और गुंडा करार दिया। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। पीएसए एक कठोर कानून है, जो बिना सुनवाई के किसी आरोपी को दो साल तक हिरासत में रखने की इजाजत देता है।

ओडिशा में मजदूर ने बोली बंगाली भाषा तो भीड़ ने पीटते हुए तोड़ दिया हाथ और लूट लिए रुपये

-टीएमसी बोलीं- यह है बीजेपी की घृणा की असली तस्वीर

कोलकाता (एजेंसी)। कटवा के कारजग्राम के रहने वाले प्रवासी मजदूर तरजन शेख ने आरोप लगाया है कि ओडिशा में पिछले रविवार को उन्हें बंगाली भाषा बोलने पर भीड़ ने बुरी तरह पीटा और उनकी हाथ की हड्डी तोड़ दी और उन्हें 'बांग्लादेशी' कहकर अपमानित किया। तरजन इस समय अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को कटवा थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तरजन शेख पिछले पांच साल से ओडिशा के जलेश्वर इलाके में फेरी लगाकर सामान बेचते हैं। वह साइकिल पर स्टील के घरेलू बर्तन बेचकर गुजारा करते थे और राजपुर क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने बताया कि यह घटना लक्ष्मणडिही क्षेत्र के पास हुई। शेख ने बताया कि रास्ते में कुछ लोगों ने उनसे ओड़िया भाषा में उनके ठिकाने के बारे में पूछा। जब उन्होंने बंगाली में जवाब दिया और अपनी पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड व मतदाता पहचान पत्र दिखाया तो भीड़ ने उनके कागजों को ''फर्जी'' बताकर बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान उनके पास मौजूद हजारों रुपए भी लूट लिए। वह किसी तरह जान बचाकर वहां से भागे और अगले दिन अपने पैतृक स्थान कटवा आ गए। इस घटना को टीएमसी ने गंभीर बताते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि देश कब तक बीजेपी की नफरत और बंटवारे की राजनीति झेलेगा? ओडिशा में एक युवा फेरीवाले को केवल बंगाली बोलने पर दिनदहाड़े भीड़ ने पीटा। बीजेपी समर्थित गुंडों ने उन्हें 'बांग्लादेशी' बताकर उनका हाथ तोड़ दिया, उनकी कमाई लूट ली और गरिमा छीन ली।

पार्टी ने कहा कि यही है बीजेपी की घृणा की असली तस्वीर, जहां भाषाओं का अपमान किया जाता है, संस्कृतियों को कलंकित किया जाता है और पहचान को नफरत के बोझ तले कुचला जाता है। यह लोगों को बांटने का काम कर रही है। स्थानीय पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इधर कैश की किल्लत थी उधर चीनी मिल खरीदने के लिए 450 करोड़ नगद गिन रहीं थी शशिकला

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। सीबीआई ने एक एफआईआर में आरोप लगाया है कि नोटबंदी के दौरान शशिकला ने 450 करोड़ रुपये नकद देकर कांचीपुरम स्थित एक शुगर मिल खरीदी थी। यह सौदा नोटबंदी के दौरान उस समय हुआ जब पूरे देश में कैश की भारी किल्लत थी। गौरतलब है कि जयललिता की मृत्यु के बाद एआईएडीएमके में ससिकला को बड़ा नेता माना जाने लगा था। हालांकि, भ्रष्टाचार के मामलों में जेल जाने के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका सीमित हो गई। अब इस ताजा खुलासे से उनकी मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं।

एफआईआर में इनकम टैक्स विभाग के 2020 के एक आदेश का भी जिक्र है। आदेश में कहा गया था कि नवंबर 2017 में बेनामी एक्ट के तहत शशिकला और उनके सहयोगियों की संपत्तियों पर छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए थे। इन दस्तावेजों से खुलासा हुआ था कि 2016 की नोटबंदी के दौरान पटेल ग्रुप की एक मिल को खरीदने के लिए 450 करोड़ रुपये नकद में दिए गए थे। यह मामला पद्मादेवी शुगर्स लिमिटेड से जुड़ा है। कंपनी के निदेशकों पर इंडियन ओवरसीज बैंक को करीब 120 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। इस मामले की जांच सीबीआई की बैंकिंग, सिक्योरिटीज और फ्रॉड शाखा (बेंगलुरु) कर रही है। जुलाई में दर्ज हुई इस एफआईआर के बाद अगस्त में चेन्नई, त्रिची और तेनकासी में सीबीआई की टीमों ने छापेमारी की थी।

सीबीआई के मुताबिक, पद्मादेवी शुगर्स लिमिटेड के निदेशकों पर बैंक से धोखाधड़ी करने का आरोप है और यह सौदा भी उसी संदर्भ में जांच के घेरे में है। एजेंसी का कहना है कि वह इस मामले में मिले दस्तावेजों और गवाहियों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब राजनीतिक हलकों में पहले से ही तमिलनाडु की राजनीति में ससिकला की संभावित वापसी की चर्चाएं चल रही थीं। अब देखना होगा कि इस नए विवाद का उनकी सियासी संभावनाओं पर क्या असर पड़ता है।

देश की आर्थिक मजबूती में मारवाड़ी समाज की अहम भूमिका: विजेंद्र गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि यह समय है कि पारंपरिक व्यापारिक कौशल को आधुनिक तकनीक और नवाचार के साथ जोड़ा जाए, ताकि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाया जा सके। गुप्ता ने मारवाड़ी समाज के युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, आपकी विरासत केवल संपत्ति नहीं, बल्कि मूल्य भी है। आपके पूर्वजों ने ऐसे संस्थान खड़े किए, जो आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के स्तंभ बने हुए हैं। अब आपकी जिम्मेदारी है कि इस धरोहर को तकनीक, सतत विकास, सामाजिक उद्यमशीलता और वैश्विक व्यापार जैसे नए क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं के उपक्रम केवल लाभ के लिए नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और स्वास्थ्य जैसी राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान भी प्रस्तुत करें। ऐसा करके, आप न केवल अपने पूर्वजों का सम्मान करेंगे, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने में भी अहम योगदान देंगे। मारवाड़ी सम्मेलन की सराहना करते हुए माननीय अध्यक्ष ने कहा, यह सम्मेलन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। यह न केवल सामुदायिक बंधन को सुदृढ़ करता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति उसकी विविध समुदायों की सामूहिक शक्ति पर आधारित है, और मारवाड़ी समाज इसमें एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट योगदान देता है। गुप्ता ने मारवाड़ी समाज को भारत की प्रगति में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए नमन करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में इस समाज की भूमिका अहम होगी। उन्होंने आह्वान किया कि इस समृद्ध धरोहर को और अधिक संकल्प और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाते हुए, एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करें जो समृद्ध, आत्मनिर्भर, संवेदनशील और एकजुट हो। श्री गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि मारवाड़ी समाज सदा उद्यम, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बना रहेगा तथा यह सम्मेलन आत्मनिर्भर और विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में नई प्रेरणा देगा।

खतरे के निशान से ऊपर यमुना, कैराना और चौसाना में हजारों बीघा फसल डूबी, दहशत में किसान

कौमी पत्रिका

शामली। हथिनीकुंड बैराज से सोमवार सुबह छोड़े गए 3 लाख 29 हजार क्यूसेक पानी का असर मंगलवार को यमुना में दिखा। यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से आधा मीटर ऊपर पहुंच गया। उफनती लहरें और शोर मचाता पानी आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर रहा है। कैराना व चौसाना क्षेत्र में हजारों बीघा सब्जी, गन्ना और चारे की फसलें जलमग्न हो गईं। किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया और अब उनकी नजर सरकार व प्रशासन की ओर है (सोमवार सुबह 9 बजे पानी का दबाव बढ़ने पर हथिनीकुंड बैराज के सभी गेट खोल दिए गए थे। इसके चलते यमुना का जलस्तर 232 मीटर तक पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 231.5 मीटर है। हालांकि, रात तक डिस्चार्ज घटकर ढाई लाख क्यूसेक से भी कम रह गया। इसके बावजूद तेज़ बहाव के कारण हालात चिंताजनक बने हुए हैं (यमुना पुल के पास बने केंद्रीय जल आयोग कार्यालय के चारों ओर बाढ़ का पानी भर गया, जिससे कर्मचारी ऊंचाई वाले स्थान पर बैठने को मजबूर हो गए। पुल के पास बने शिव मंदिर में भी बाढ़ का पानी भर गया। नदी और तटबंध के बीच हजारों बीघा फसलें जलमग्न हो चुकी हैं। यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए उपजिलाधिकारी निधि भारद्वाज ने तटबंध का निरीक्षण किया। उन्होंने बाढ़ चौकियों को अलर्ट रहने और गांवों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। ग्रामीणों का कहना है कि यमुना की उफान मारती लहरें 2013 की बाढ़ का भयावह मंजर याद दिला रही हैं, जब मवी के पास तटबंध टूटने से दर्जनों गांव तबाह हो गए थे, सैकड़ों घर ढह गए थे और यूपी-हरियाणा का संपर्क टूट गया था। मामौर निवासी तालिब ने बताया कि उसकी 8 बीघा मिर्च की फसल और पोपलर के पेड़ डूब गए। नुकसान के कारण परेशानी होगी। मवी निवासी मेहराज ने कहा कि 150 बीघा पर लगे अमरूद, नाशपाती के बाग और धान-ज्वार की फसलें जलमग्न हो गईं। चौसाना क्षेत्र के भड़ी, मुस्तफाबाद, लक्ष्मीपुरा, साल्हापुर, सकौती, नाई नगला और मंगलौरा समेत दर्जनों गांवों में सैकड़ों बीघा खेत डूब गए। सबसे ज्यादा नुकसान गन्ना, धान, ज्वार और उड़द की फसलों को हुआ। ग्रामीणों ने बांध पर रातभर गश्त की ताकि हालात बिगड़ने पर तुरंत निपटा जा सके। तेज बहाव से यमुना किनारे जमीन कट रही है, जिससे किसानों की उपजाऊ जमीन बहने लगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कटान रोकने के ठोस उपाय करने और फसल का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

लीक से हटकर गणेश विसर्जन की दसवीं वर्षगांठ !

नई दिल्ली, (न्यूज वार्ता) वकीलों द्वारा जारी है गणेश विसर्जन की अनूठी परंपरा, रोहिणी कोर्ट में वकीलों द्वारा गणपति विसर्जन की दसवीं वर्षगांठ धूम धाम से मनाई गई । गणेश विसर्जन, जिसे गणपति विसर्जन के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो मुख्य रूप से भारत में मनाया जाता है और दस दिनों तक चलने वाले गणेश चतुर्थी उत्सव के समापन का प्रतीक है। यह त्योहार ज्ञान, समृद्धि और सौभाग्य के देवता, भगवान गणेश के जन्म का उत्सव मनाता है। विसर्जन समारोह में गणेश की मूर्तियों को जल निकायों, आमतौर पर नदियों, झीलों या समुद्रों में विसर्जित किया जाता है। भक्त भगवान गणेश की विस्तृत रूप से निर्मित मूर्तियों को संगीत, नृत्य और मंत्रोच्चार के साथ जीवंत जुलूस में ले जाते हैं। जब लोग अपने प्रिय देवता को विदाई देते हैं । यह विसर्जन भगवान गणेश के अपने दिव्य निवास के लिए प्रस्थान का प्रतीक है, जो उनके पृथ्वी प्रवास के अंत और अगले वर्ष उनके पुनः आगमन के वादे का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि विसर्जन के दौरान, भगवान गणेश अपने भक्तों के दुर्भाग्य और बाधाओं को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें आशीर्वाद और समृद्धि प्रदान करते हैं। गणेश विसर्जन देश भर से करोड़ों भक्तों को आकर्षित करता है। हाल के वर्षों में, इस त्योहार के दौरान पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए हैं, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए जैव-निम्नीकरणीय मूर्तियों और जैविक सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।

गणेश विसर्जन मुख्य रूप से भारत में मनाया जाता है, लेकिन इसने दुनिया के अन्य हिस्सों में भी लोकप्रियता हासिल की है, जहाँ हिंदू रहते हैं। यह त्योहार सामुदायिकता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को बढ़ावा देता है, और अपने प्रतिभागियों के बीच एकता और भक्ति की भावना को मूर्त रूप देता है। लॉयर्स यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री द्वारा विसर्जन की अनूठी परंपरा के तहत चंद्र पाल सिंह गुसांई को गणेश प्रतिमा जिसकी पूजा पूरे दस दिन की गई भेंट स्वरुप दिए गए । श्री अग्निहोत्री का कहना है श्री गणेश भगवान ने कभी नहीं कहा उनको नदियों,झीलों तालाबों में विसर्जित किया जाये । अधिवक्ता चंद्र पाल सिंह गुसांई ने कहा यह मेरा सौभाग्य है कि प्रतिमा मुझे दी गई, पर्यावण प्रेमी हूँ और गणेश भक्त भी । श्री अग्निहोत्री ने कहा यह ज़रूरी है कि हम इस त्यौहार को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण की ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए मनाएँ । अधिवक्ता अजीत कुमार, विचित्र कुमार , बबिता अहलावत , वेद परकाश , प्रेम प्रकाश वशिष्ट , एम् सुब्रमनयम , देवेंद्र सिंह बिष्ट कमलेश गुप्ता, संतोष कुमार सिंह , अशोक शर्मा, विवेक वर्मा , हरदेव चड्ढा आदि ने हिस्सा लिया ।

दिल्ली में बारिश से आफत: सड़कें डूबी ट्रैफिक की थमी रफ्तार, पेड़ भी गिरे

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। तेज बारिश से दिल्ली और नोएडा के कई हिस्सों में जलभराव हो गया है। लगातार बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटे तक लगातार बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। दिल्ली के वसंत कुंज, आरके पुरम, कनॉट प्लेस और मिंटो ब्रिज जैसे इलाकों में तेज बारिश हो रही है। सुबह से ही लगातार हो रही बारिश के कारण पंचकुइयां मार्ग पर जलभराव की खबर है। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के कारण एम्स के पास यातायात ठप हो गया है। राजधानी में भारी बारिश के बाद बारापुला पुल के पास वाहनों की धीमी गति और जाम देखा गया। मूसलाधार बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव हो गया है। मध्य दिल्ली के पटेल नगर इलाके में बारिश के कारण जलभराव हो गया है। जलभराव की वजह से लोगों का रास्ते पर चलना मुश्किल हो गया है। वहीं बाइक-स्कूटी वाले यात्री रेंगते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज रक्षा बंधन का पर्व मनाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में शनिवार सवेरे से तेज बरसात से दादरी ओर ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर जलभराव हो गया। दादरी के रेलवे रोड़, तिलपता, 130 मीटर, मकौड़ा, बोड़ाकी समेत कई स्थानों पर बने अंडरपास पर पानी भरने से आवागमन बंद हो गया। इनसे बचने के लिए लोगों को सूरजपुर से जाना पड़ा। यातायात बाधित होने पर जाम लगा रहा। बरसात से

दादरी नगर ओर देहात समेत कई इलाकों की बिजली गुल हो गयी। सूरजपुर कासना रोड पर जगत फार्म के सामने मैन रोड पर बहुत ज्यादा बारिश का पानी भरा हुआ है। जलभराव की वजह से वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार को हल्की बारिश का अनुमान जताया था। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक, मानसून ट्रफ वर्तमान में दिल्ली के उत्तर की ओर खिसक गई है, जिसके कारण दिल्ली-एनसीआर में अच्छी बारिश की संभावना कम हो गई है। इस वजह से बारिश ज्यादातर पहाड़ी इलाकों तक सीमित है। अगले हफ्ते के मध्य से बारिश के तेज होने की उम्मीद है। तब तक सप्ताह भर में एक-दो बार हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, शुक्रवार से सोमवार (8-10 अगस्त) के बीच मानसून ट्रफ के उतार-चढ़ाव के कारण एक-दो बार मध्यम बारिश भी हो सकती है। मध्य दिल्ली के रामा रोड पर बारिश के कारण आज सुबह एक पेड़ अचानक से गिर गया। हालांकि राहत की बात यह है कि इसमें कोई भी जान या माल का नुकसान नहीं हुआ। मौके पर निगम कर्मी गिरे हुए पे? हटा रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेक-इन-मानसून की स्थिति को खत्म करने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवाती सिस्टम बनना जरूरी है। विभाग के अनुसार, 11-12 अगस्त 2025 को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो अगले 24 घंटों में मजबूत होकर देश के अंदरूनी हिस्सों में बढ़ेगा। इससे मानसून ट्रफ दक्षिण की ओर खिसकेगी, जिससे ब्रेक मानसून की स्थिति खत्म होगी और दिल्ली-एनसीआर में सामान्य बारिश शुरू हो जाएगी। अगले हफ्ते के मध्य से बारिश के तेज होने की उम्मीद है। तब तक सप्ताह भर में एक-दो बार हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, शुक्रवार से सोमवार (8-10 अगस्त) के बीच मानसून ट्रफ के उतार-चढ़ाव के कारण एक-दो बार मध्यम बारिश भी हो सकती है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार अगस्त को आशीष अपने दोस्तों के साथ वाल्मीकि मार्ग पर पार्टी करने के लिए गया था। पार्टी के दौरान आशीष और उसके दोस्तों में झगड़ा हो गया, जिसके बाद सभी दोस्तों ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे वहीं पर छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने के बाद जब तक पुलिस घटनास्थल तक पहुंची तब तक आशीष के परिजन उसे जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे।

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया। इससे 64 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। उसने बताया कि वह सुहैल को ड्रग्स की सप्लाई करता है। टोबी डेको ने बताया कि सिंडिकेट का सरगना नाइजीरिया में रहता है और उसे दिल्ली में रहने वाली अफ्रीकी महिला के जरिए डिलीवरी मिलती है। टोबी डेको की निशानदेही पर दिल्ली के छतरपुर इलाके में उसके किराए के कमरे से 865 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। इसके बाद बेंगलुरू से फातिमा उर्फ नेहा और मोहम्मद ज़हीद उर्फ फिरोज को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने ग्रेनो के सेक्टर-1 से चिकवाडो नाके किंग्सले को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में पता लगा कि वह डेड ड्रॉप्स का इस्तेमाल करते थे। ये ड्रग्स को झाड़ियों या सड़क किनारे किसी सुनसान जगह पर गिरा देते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए प्राप्तकर्ता के साथ तस्वीर और स्थान साझा किया जाता था। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए गैर-व्यावसायिक मात्रा (50 ग्राम से कम) में बेचते थे। 2024 में उसके सिंडिकेट के कई तस्करों को केरल पुलिस ने 3 अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया था। आरोपी टोबी डेको ने खुलासा किया कि वह 2018 में छात्र के रूप में भारत आया था और बेंगलुरु में ड्रग्स बेचने लगा था।

मां को गाली हर मां का अपमान – बक्शी

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वर्गीय मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने के विरोध में आज पश्चिमी जिला में पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जोरदार प्रचंड प्रदर्शन सुभाष नगर मोड़ पैसिफिक मॉल के सामने किया गया इस अवसर पर पश्चिमी जिला अध्यक्ष चन्द्रपाल बक्शी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता जी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना बहुत ग़लत है उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को इस का खमियाजा भुगतना पड़ेगा और जनता इन्हें दंडित करेगी उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां को गाली देना हर मां का अपमान है इस अवसर पर पश्चिमी जिला प्रभारी विजय सोलंकी ने कहा कि राहुल गांधी को और समुची कांग्रेस पार्टी को इस घटना के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए,इस अवसर पर पश्चिमी जिला के पूर्व अध्यक्ष सचिन भसीन ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को गाली देने पर रोष है और देश की जनता जगह जगह प्रदर्शन कर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार कर रही है इस अवसर पर निगम पार्षद शशि तलवार, सुमन त्यागी, शिल्पा कौर बिट्टू आदि मौजूद थे पश्चिमी जिला से महामंत्री श्वेता सैनी कुनाल साहनी एवं जिला की टीम से उपाध्यक्ष, संदीप जैन,रविन्द्र सिंह सोनू, मीडिया प्रभारी अमरजीत सिंह अमर,प्रदेश भाजपा से सी.एल. मीणा, चरणजीत सिंह लवली मोजूद रहे,वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष आर्य ने भी सभी का मार्ग दर्शन किया,सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष अपनी टीम के साथ रोष प्रदर्शन में शामिल रहे,स्वाती शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्षा अपनी टीम के साथ राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाती दिखी, युवा मोर्चा की टीम सौरभ खरवाल की अध्यक्षता में मौजूद रही इस अवसर पर एक पुतले का भी दहन किया गया और राहुल गांधी होश में आओ, राहुल गांधी देश से माफी मांगो के नारे लगाए गये, सभी प्रदर्शनकारी लोगों के हाथों में आक्रोश भरे नारे लिखी तख्तियां भी थी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुभाष नगर मोड़ पर चक्का जाम भी किया व्यवस्था की जिम्मेदारी अमित कोहली द्वारा की गई।

रामलीलाओं और दुर्गापूजा को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ऐतिहासिक घोषणाएं

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने कहा कि लिए हमारी सरकार की जिम्मेदारी है कि सभी आयोजन पूर्ण आस्था व भक्तिभाव, सुचारू और सुरक्षित ढंग से पूरे हों। इसलिए उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि नागरिक पूरी श्रद्धा और आनंद के साथ उत्सव का हिस्सा बन सकें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि यह प्रभु श्रीराम की कृपा है कि 27 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में बनी है। यह सरकार जनता की आशाओं-अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि रामलीला व दुर्गापूजा के अयोजन के लिए जिला स्तर पर डीएम कार्यालय में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया जाए, जहां सभी आयोजकों को सभी प्रकारी की अनुमति व एनओसी उपलब्ध होंगे। इसके लिए उन्हें अलग-अलग विभागों में नहीं घूमना पड़ेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक रामलीला व दुर्गापूजा आयोजन के लिए 1200 यूनिट तक निशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा बिजली मीटर लगाने के लिए मात्र 25 प्रतिशत सिक्युरिटी ही जमा करानी होगी। यानि पिछले साल जितनी सिक्युरिटी थी, अब उसका एक चौथाई ही जमा करने के बाद बिजली का कनेक्शन मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि आयोजन स्थलों पर सफाई, फॉगिंग, पानी के टैंकर, स्वास्थ्य सुविधाएं, एंबुलेंस, शौचालय, फायर टेंडर और पुलिस व्यवस्था के भी सुचारू इंतजाम किए जाएंगे। ट्रैफिक व्यवस्था और पार्किंग की स्पष्ट व्यवस्था भी करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों बड़े व विशेष आयोजन के लिए दो अलग-अलग कमेटियां बनाई जा रही हैं जो समितियों की समस्याओं का तुरंत समाधान करेंगी। इसमें एक समिति का चेयरमैन दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह को बनाया गया है। दूसरे की जल्द घोषणा की जाएगी। ये समिति आयोजकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करेगी, उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर सुनेगी और तत्काल निर्णय लेकर उन्हें राहत प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देना भी है। मुख्यमंत्री ने आयोजकों से आग्रह किया कि वे अपने आयोजन में सांस्कृतिक उत्सव के साथ-साथ विकसित दिल्ली के विज़न को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनाएं। मुख्यमंत्री ने उनसे यह भी आग्रह किया कि आयोजक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े से भी जोड़ें। वे अपने आयोजन में कम से कम एक दिन स्वास्थ्य शिविर लगाएं और सरकार द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी को अवश्य शामिल करें, ताकि जनता तक उपयोगी संदेश पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता को समृद्ध करने के लिए भी होना चाहिए। आयोजक इस अवसर को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी आदि के प्रचार का भी मंच बनाएं, साथ ही जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, वृक्षारोपण जैसे विषयों के प्रति लोगों को सजग व जागरुक करें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से दिल्ली को सांस्कृतिक ऊर्जा और नई प्रेरणा मिलती है। सरकार की प्राथमिकता है कि यह परंपरा और भी भव्य और प्रेरणादायी बने।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अमन शर्मा उर्फ विजय शर्मा, पुत्रः** नीरज, **पताः** मकान न.–ए–2/812, गुरू नानक गली, मौजपुर, दिल्ली, **और भीः** गांव भट्टा, पीओ और जिला बुलन्दशहर, यू.पी., ने **Case FIR No. 254/2020, U/s 392/411/34 IPC, थानाः** सनलाईट कॉलोनी, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन शर्मा उर्फ विजय शर्मा,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन शर्मा उर्फ विजय शर्मा,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case FIR No. 254/2020, U/s 392/411/34 IPC, थानाः** सनलाईट कॉलोनी, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **अमन शर्मा उर्फ विजय शर्मा,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अदिति राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
कमरा न.–508, दक्षिण–पूर्व जिला न्यायालय
साकेत न्यायालय परिसर, नई दिल्ली

DP/11945/SE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मकसूद उर्फ मुन्ना, पुत्रः** मो. कुद्दुश, **पताः** झुग्गी शुक्र बाज़ार, भवापुर, गाज़ियाबाद (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 19/2021 U/s 380/457/511/34 IPC, थानाः पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मकसूद उर्फ मुन्ना** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मकसूद उर्फ मुन्ना** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 19/2021 U/s 380/457/511/34 IPC, थानाः पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मकसूद उर्फ मुन्ना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05
कोर्ट नं. 03, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11682/ED/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा को मिलेंगी 450 नई बसें, अकेले गुरुग्राम को 100

एजेंसी

चंडीगढ़। गुरुग्राम में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा अब बेहतरीन होने वाली है। गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद शहर को नई बसें मिलने जा रही हैं, जो न केवल पुराने गुरुग्राम में बल्कि नए गुरुग्राम में लोगों को परिवहन की सेवाएं देंगी. सबसे खास बात है कि हरियाणा में इतनी बसें और किसी शहर को नहीं मिल रही हैं, जितनी की गुड़गांव को मिलेंगी. जल्द ही यहां 100 नई बसें चलेंगी. गुरुग्राम में मेट्रो के भूमि में शामिल हुए केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुग्राम को नए बसें देने की घोषणा की. उन्होंने बताया कि शहरी मंत्रालय की ओर से देश में 10 हजार बसें रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी इनमें से 450 बसें हरियाणा को मिलेंगी. जबकि अकेले गुरुग्राम को 100 बसें दी जाएंगी. ये बसें गुरुग्राम के शहरी क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए दी जाएंगी।

जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें अधिकारी : नायब

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ईमानदारी से नागरिकों की शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करें। हरियाणा सरकार अंत्योदय उत्थान के ध्येय के साथ धरातल पर कार्य कर रही है और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 18 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 14 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री ने डेढ़ दशक पुरानी शिकायत का किया समाधान, परिवादी ने जताया आभार बैठक के दौरान देवत कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार का मामला भी सामने आया। उन्होंने जुलाई माह में हुई पिछली बैठक में शिकायत रखी थी कि उनकी कॉलोनी की 24 फुट चौड़ी गली में ड़ोसी ने पिछले 16 वर्षों से 12 फुट रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है, जिसके कारण उनके घर की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। मुख्यमंत्री ने उस समय शिकायत पर नगर निगम आयुक्त गुरुग्राम तथा सदस्य, जिला शिकायत एवं कष्ट निवारण समिति प्रियव्रत कटारिया को मौके पर जाकर स्थिति की जांच करने और अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता ने बैठक में जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई के उपरांत संबंधित पड़ोसी ने अवैध कब्जा हटा लिया है। उन्होंने 16 साल पुरानी समस्या का समाधान करवाने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। बिजली से सम्बन्धित शिकायत का हुआ निवारण, रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने जताया आभारबैठक में सूर्य विहार रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आई शिकायत में बताया गया कि कॉलोनी में नए 11 खंभे लगाए गए हैं, जिन पर नई तारें डलवाना आवश्यक है।

अंतर्राष्ट्रीय गोल्ड मैडलिस्ट शाह हुसैन को बनाया खेलो मेवात कार्यक्रम का ब्रांड एम्बेस्डर

एजेंसी

तावडू। अंतर्राष्ट्रीय यूथ कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप की वेटलिफ्टिंग प्रतिस्पर्धा के 88 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर देश-प्रदेश का नाम रोशन करने वाले तावडू नगर के वार्ड नं 2 में स्थित विजय नगर निवासी खिलाड़ी शाह हुसैन का उपायुक्त अखिल पिलानी व अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने अपने कार्यालय में स्वागत किया और खेलो मेवात कार्यक्रम का ब्रांड एम्बेस्डर बनाने संबंधी पत्र सौंपा।उपायुक्त ने कहा कि अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित इस स्पर्धा में 40 देशों ने भाग लिया था, जिसमें खिलाड़ी शाह हुसैन ने कुल 267 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर अपने देश का नाम रोशन किया है, जोकि जिला के लिए भी गौरव की बात है। उन्होंने इस उपलब्धियों के लिए खिलाड़ी शाह हुसैन, उनके कोच आबिद हुसैन, उसके माता-पिता तथा उसके साथ आए सभी ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी और कहा कि खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं को जिला प्रशासन हर संभव प्रोत्साहन दे रहा है। उपायुक्त ने कहा कि शाह हुसैन ने अपने तावडू नगर का नाम भी देश के मानचित्र पर चमकाया है। उन्हें उम्मीद है कि यह खिलाड़ी भविष्य में भी अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल स्पर्धाओं में देश का नाम ऊंचा करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने खेलो मेवात स्पर्धाओं की शुरुआत इसी उद्देश्य से की थी कि यहां के युवाओं को खेल के लिए अच्छे अवसर प्रदान किए जाएं। इन खेलों में जिला नूंह के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। खिलाड़ी शाह हुसैन जिला के इन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि शाह हुसैन अब खेलो मेवात को प्रोजेक्ट करने का काम करेंगे।

बहादुरगढ़ में ओवरफ्लो मुंगेशपुर ड्रेन: छोटूराम व विवेकानंद नगर जलमग्न, एसडीआरएफ के साथ सेना ने संभाला मोर्चा

झज्जर/बहादुरगढ़। एक सप्ताह से बहादुरगढ़ में मुंगेशपुर ड्रेन ओवरफ्लो होने से कई कॉलोनियों में दो से तीन फीट पानी भरा हुआ है। लोगों का काम धंधा पूरी तरह चौपट हो गया है। लोगों को 800 मीटर गंदे पानी में चलकर अपने काम पर जाना पड़ रहा है। मोर्चा संभालने के लिए हिसार कैंट से सेना के 80 जवानों को बुलाया गया है। छोटूराम नगर में लोगों की दुकान में रखा सारा सामान खराब हो रहा है। बिक नहीं रहा है और ना ही बाहर से सामान ला पा रहे हैं। लोगों को गुजारा चलाना मुश्किल हो गया है। हर रोज दुकान तो खुलती है लेकिन कोई भी सामान खरीदने नहीं आ रहा है। गली में पानी भरा होने की वजह से कोई भी सामान लेने नहीं आ रहा है। नेता आते है और चले जाते हैं। पानी की निकासी नहीं हो रही है। अगर कुछ दिन और ही ऐसा रहा तो कैसे काम चलेगा। क्या खाएंगे। गीता देवी बहादुरगढ़ के छोटूराम नगर की गली नंबर 10 में रहती हैं। परिवार का पालन पोषण करने के लिए यहां दुकान चलाती हैं। क्षेत्र में बारिश होने और नगर के साथ से गुजरने वाली मुंगेशपुर ड्रेन के ओवरफ्लो होने से वार्ड 9 व 10 के अंतर्गत आने वाले छोटूराम नगर के करीब एक चौथाई हिस्से में पानी भर गया है। प्रशासन की ओर से यहां का पानी निकालने और ड्रेन के किनारों की बंधाई करने के लिए फिलहाल कोई प्रबंध नहीं किए हैं।

भारी बारिश के बीच जीवन और आजीविका की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही सरकार : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। वित्त आयुक्त, राजस्व, डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, नाले उफान पर हैं और निचले इलाकों में जलभराव हो गया है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के लिए बाढ़ की स्थिति की निरंतर समीक्षा कर रहे हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि हरियाणा में मानसून के मौसम में अब तक सामान्य से 48 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फतेहाबाद, झज्जर, कुरुक्षेत्र और महेंद्रगढ़ जिलों में सामान्य से काफी अधिक वर्षा हुई। उन्होंने कहा कि सभी उपायुक्तों और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों (डीडीएमए) को निर्देश दिया गया है कि वे हाई अलर्ट पर रहें और अपने-अपने क्षेत्राधिकार में जनता को

मौसम संबंधी चेतावनियां और सुरक्षा सलाह समय पर उपलब्ध कराएं।उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने 15 सितंबर, 2025 तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खुला रहेगा, जो कि प्रभावित किसानों के लिए व्यवस्थित फसल क्षति आकलन और मुआवजे की सुविधा के लिए 2,687 गांवों को कवर करेगा। उन्होंने बताया कि 1,46,823 किसान पहले ही पोर्टल पर पंजीकरण करा चुके हैं, जिससे कुल 8,66,927 एकड़ कृषि भूमि को नुकसान के आकलन के लिए कवर किया गया है। यह डिजिटल पहल अभूतपूर्व वर्षा और बाढ़ से प्रभावित कृषक समुदाय के लिए मुआवज़े के दावों की सुव्यवस्थित प्रक्रिया और सहायता उपायों को सुनिश्चित करती है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि बारिश से प्रभावित 2,247 लोगों को सकुशल राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। खासकर पलवल, फरीदाबाद, फतेहाबाद, भिवानी, कुरुक्षेत्र और अंबाला जिलों में। उन्होंने बताया कि ये अभियान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन की टीमों के समन्वित प्रयासों से चलाए जा रहे हैं।

जीएसटी स्लैब में बदलाव से खुश हरियाणा के मंत्री, कृष्ण लाल पंवार बोले- आम आदमी को मिलेगी राहत

एजेंसी

रोहतक । हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने रोहतक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों और कुछ वस्तुओं पर टैक्स माफ करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण होगा और आम जनता को राहत मिलेगी। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर टैक्स स्लैब में कमी या छूट दी गई है, जबकि लग्जरी सामान और तंबाकू जैसे उत्पादों पर ही टैक्स बढ़ाया गया है। उन्होंने इसे आम आदमी के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताया और कहा कि यह कदम भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम है। कैबिनेट मंत्री ने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के एक साल पूरे होने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने

जनहित में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है। इस बीच, रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने भी जीएसटी में किए गए बदलावों को लेकर खुशी जताई। सतीश पूनिया ने कहा कि राजनीति में अक्सर कथनी और करनी के भेद की चर्चा चौराहों और जमीन पर होती है, लेकिन भाजपा की यह पहचान रही है 'जो कहा, वो किया'। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जमीनी तौर पर और हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए जिन बातों का उल्लेख करते हैं, उन्हें पूरा भी करते हैं। लालकिले पर 15 अगस्त को घोषणा की गई, और 4 सितंबर को ही जीएसटी सुधार को अमल में ले आए। सतीश पूनिया रोहतक में भाजपा हरियाणा के मंगल कमल कार्यालय में सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक में शामिल हुए थे। इस क्रम में मंत्री कृष्ण लाल पंवार भी मौजूद थे।

हरियाणा के मंत्री विज का बयान: ममता बैनर्जी का हाल होगा हुड्डा जैसा, कहा- भूपेंद्र को खुड्डे लाइन लगाया हुआ है

अंबाला। कोलकाता में विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा के विधायकों को मार्शलों द्वारा घसीटकर बाहर निकाले जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने एक तीर से दो निशाने लगाए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी का हाल भी हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुडा की तरह होने वाला है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुडा ने भी मुझे अपने शासनकाल में विधानसभा से बाहर कई बार उठाकर फिंकवाया था, तो ऐसे ही अब ममता बनर्जी भाजपा के विधायकों को अपनी तानाशाही रवैये के कारण उठाकर कर बाहर फिंकवा रही है। जबकि ये प्रजातंत्र के खिलाफ है। विज ने कहा कि ऐसे तानाशाही रवैये के चलते आज भूपेंद्र सिंह हुड्डा खुड्डे लाइन लगे हुए हैं और यही हाल ममता बनर्जी का होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी की दरें घटाकर हिंदुस्तान के विकास को पहिए लगा दिए है। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव/कमी करने से चीजें सस्ती होंगी तो ज्यादा खरीदारी होगी, ज्यादा खरीदारी होगी तो ज्यादा मांग बढेगी और इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

कलिंगा गांव में मकान ढहने से तीन बेटियों की मौत, प्रशासन ने सौंपा 12 लाख का चेक

नई दिल्ली। भिवानी के गांव कलिंगा में 2 सितंबर की रात को मकान की छत ढहने से तीन नाबालिग बहनों की मौत के मामले में प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सहायता प्रदान की है। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देश पर एसडीएम महेश कुमार मृतकों के परिजनों के घर पहुंचे। इस दौरान बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के प्रतिनिधि के रूप में उनके भाई राजेश कुमार भी मौजूद रहे। एसडीएम ने परिवार को हरियाणा सरकार की ओर से 12 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा। हादसे में परिवार के मुखिया ओमपाल, उनकी पत्नी अनिता और पांच साल के बेटे ध्रुव गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि उनकी तीन बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

भाजपा सेवा भाव से सत्ता में आई, जबकि झूठ से सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस : डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भाजपा द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेवा पखवाड़ा की तैयारियां चल रही है। इसी कड़ी में रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल में कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई और एक-एक कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल ने की। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, सेवा पखवाड़ा के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और दोनों प्रदेश महामंत्री डा.अर्चना गुप्ता व सुरेंद्र पूनिया,पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, सेवा पखवाड़ा के प्रदेश संयोजक विधायक योगेंद्र राणा मौजूद रहे। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने सेवा

पखवाड़ा को सीधा कार्यकर्ताओं को जनता से जुड़ने और पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा भाजपा की नीतियों का दर्पण है। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यशाला में कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। भाजपा के कार्यक्रम भाजपा के जो विचार है, कार्यपद्धति है उसके प्रतिबिंब है। हमारे कार्यकर्ता जनता के संपर्क में रहते हुए कार्य करते हैं। वहीं सेवा पखवाड़ा के प्रदेश प्रभारी नरेश बंसल ने कार्यशाला में सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाली हर गतिविधि की जानकारी दी। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा की एक पहचान है जो कहा वह किया। उन्होंने कहा कि राजनीति में अक्सर कथनी और करनी में भेद की चर्चा होती है, लेकिन मोदी सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। जनसंघ से भाजपा तक की इस विराट यात्रा में भाजपा की यही साख है कि हमने कहा वह करके दिखाया। डा. पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी देश के तबके को ध्यान में रखकर जिन बातों का उल्लेख करते हैं उसे पूरा अवश्य करते हैं। डा. पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी ने देश के बुनियादी सुधार से लेकर बदलाव तक किए हैं। मोदी सरकार में महिलाओं का जीवन बदला, सुरक्षा, सम्मान और ताकत मिली। पहले प्रधानमंत्री के नाम पर आवास की घोषणा होती थी, लेकिन ना छत होती थी ना खिड़की और ना दरवाजे होते थे।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में प्रशासन की कब्जा कार्रवाई, पुलिस की मौजूदगी में अवैध कबाड़ और अतिक्रमण हटाया

तावडू। नगर के सोहना रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में प्रशासन और नगर पालिका की टीम ने कब्जा हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान कॉलोनी में वर्षों से पड़े अवैध कबाड़ और अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की मदद से हटाया गया। कार्रवाई के समय ड्यूटी मजिस्ट्रेट के तौर पर तावडू नगर पालिका सचिव सुमित कुमार मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

कॉलोनी में अवैध कबाड़ और अतिक्रमण को लेकर स्थानीय लोगों ने वार्ड पार्षद के नेतृत्व में हाल ही में आयोजित शिकायत समाधान शिविर में एसडीएम के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। इसी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने नगर पालिका को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और अवैध कब्जे को हटाया गया।

नगर पालिका सचिव सुमित कुमार ने बताया कि कॉलोनी के विभिन्न स्थानों पर लंबे समय से कूड़ा-कबाड़ जमा था और कुछ जगहों पर अवैध अतिक्रमण भी कर लिया गया था। इन सबको पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्वक तरीके से हटाया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर विशेष रूप से 11 हफ्ता का नगर से कूड़ा हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर को कूड़ा और अतिक्रमण मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति खुले में कूड़ा न फेंके। नगर पालिका प्रशासन की ओर से नियमित रूप से कूड़ा उठाने के लिए वाहन चलाए जाते हैं जो वार्ड, गलियों और मुख्य रास्तों तक पहुंचते हैं। यदि किसी भी जगह पर कूड़ा इकट्ठा किया जाता है या कोई व्यक्ति खुले में फेंकता है तो उस पर नियम अनुसार कार्रवाई होगी।

आर्थिक शक्ति का केंद्र बिंदु बन रहा गुरुग्राम: सैनी

● मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया भूमि पूजन

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। आखिरकार पुराने गुरुग्राम में मेट्रो निर्माण को लेकर हो रहा इंतजार खत्म हो गया। यहां सेक्टर-44 में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मेट्रो निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल का गुरुग्राम पहुंचने पर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को नई मेट्रो परियोजना की सौगात देने के लिए वे केंद्र सरकार के आभारी हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज गुरुग्राम के लिए बड़ा ऐतिहासिक दिन है। हम सब मिलकर उस सपने की शुरुआत कर रहे हैं, जिसका वर्षों से इंतजार था। इस मेट्रो सेवा के लाभ हर नागरिक की जिंदगी में महसूस होंगे। सडक़ पर जाम कम होगा, यात्रा का समय बचेगा, और प्रदूषण घटेगा व रोजगार के नए अवसर बनेंगे। उन्होंने बताया कि मेट्रो स्टेशन को सोच-समझकर वहां रखा गया है जहां सबसे ज्यादा जरूरत है। इनमें सुभाष चौक, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार,

पालम विहार, रेलवे स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अगले चार साल में यह परियोजना पूरी हो जाएगी और यह कॉरिडोर गुरुग्राम में नई पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि रेजांगला चौक से द्वारका सेक्टर-21 तक, सेक्टर-56 से पचगांव तक और साथ ही नमो मेट्रो कॉरिडोर दिल्ली से करनाल, दिल्ली से नीमराना और गुरुग्राम से फरीदाबाद के रास्ते नोएडा तक मेट्रो सेवा हमारी योजना में शामिल हैं। इन परियोजनाओं से गुरुग्राम दिल्ली और पूरे एन.सी.आर. से और गहराई से जुड़ेगा। यह मेट्रो सिर्फ एक परिवहन का साधन नहीं है बल्कि यह प्रगति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम भारत की आर्थिक शक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह प्रमुख कंपनियों- आई.टी., बी.पी.ओ., स्टार्टअप्स और ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का घर है। उन्होंने कहा कि आज गुरुग्राम 250 से अधिक फॉर्च्यून 500 कंपनियों का घर बन चुका है। यही नहीं, हरियाणा में स्थित 19 यूनिकॉर्न में से अधिकतर गुरुग्राम में स्थापित हैं। यहां देश और दुनिया भर से लाखों लोग रोजगार, व्यापार और अवसरों की तलाश में आते हैं। मुझे गर्व है कि जिस शहर की पहचान कभी छोटे से गांव के रूप में थी, वह आज मिलेनियम सिटी के नाम से पूरी दुनिया में जाना जाता है। उन्होंने गौरवान्वित होते हुए कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति आय में चंडीगढ़ और मुंबई के बाद गुरुग्राम नगर का तीसरा स्थान है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आगे बढ़ रहे हैं। जो कहा है, वो करेंगे। हमारी नीति, नीयत और नेतृत्व स्पष्ट हैं। मोदी के नेतृत्व में देश ने एक निर्णायक और पारदर्शी सरकार का अनुभव किया है। कार्य संस्कृति में अभूतपूर्व बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पूरे हरियाणा का संतुलित विकास हो। वे विश्वास दिलाते हैं कि हरियाणा सरकार गुरुग्राम के विकास में भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। गुरुग्राम को देश का सबसे विकसित नगर बनाएंगे।

हरियाणा में पांव पसार रहा डेंगू: 400 पार पहुंची मरीजों की संख्या, यह जिला है हॉट-स्पॉट

चंडीगढ़। पिछले कई दिनों से जारी बारिश से डेंगू-मलेरिया के केसों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हरियाणा में बीते दिनों डेंगू के 36 नए केस सामने आए हैं। नए केसों को मिलाकर राज्य में डेंगू के कुल 436 मरीज अब तक आ चुके हैं। जिन शहरों में सबसे ज्यादा मरीज आ रहे हैं, उनमें रेवाड़ी (124), गुरुग्राम, (49) और सोनीपत (33) शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि अब तक किसी शहर में डेंगू से मौत नहीं हुई है। 20 अगस्त तक कुल 2.6 करोड़ घरों का कई बार दौरा किया गया, जिनमें 1.23 लाख घरों में लार्वा पाए गए। 31 अगस्त तक 39 हजार 724 घरों को नोटिस जारी किया गया, जिनके घरों में मच्छरों का प्रजनन पाया गया है। हरियाणा में पिछले 27 जुलाई से लगातार बारिश की गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं।

सेवा पखवाड़ा के दौरान हर विधानसभा में होगी मोदी मैराथन, हर घर तक योजनाओं का होगा प्रसार : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रोहतक में सेवा पखवाड़ा कार्यशाला के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस को घेरा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में सीधे कहा कि राहुल गांधी अपने ही बयानों से मजाक के पात्र बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर की तरफ बढ़ रहा है। भाजपा के कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के दौरान लगभग दर्जनभर सेवा कार्यों में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान हर विधानसभा में मोदी मैराथन होगी और हर घर तक योजनाओं का प्रसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा मनाए जाने के बाद भी अनेक प्रकार के सेवा कार्य लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जाएंगे। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी शमशेर खरक और जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने जीएसटी पर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए एक सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी की विश्वसनीयता अब जनता में कभी नहीं रही। कांग्रेस सदा परिवार की

पार्टी बनकर रही है, जबकि भाजपा सेवा के माध्यम से पूरे देश के जन-जन की पार्टी बनी हुई है। प्रेसवार्ता से पहले मंगल कमल में आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यशाला में बड़ौली ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पखवाड़े के दौरान चलने वाले कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और हर व्यक्ति से जुड़ने का संकल्प लें। पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ौली ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य विकसित भारत बनाना है और इसमें जनता की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा अभियान शुरू होगा। इसकी शुरुआत 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर होगी और 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर इसका समापन होगा। इस अभियान के तहत 'वोकल फॉर लोकल' को देशव्यापी रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा के दौरान व्यापारियों, उद्योगपतियों के साथ संवाद किया जाएगा। किसान सम्मेलनों व प्रबुद्धजन सम्मेलन कर लोगों को स्वदेशी अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

हरियाणा पुलिस की साइबर यूनिट की बड़ी कार्यवाही: करोड़ों के लेन-देन में शामिल दो फर्जी कंपनियों का पर्दाफाश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस की साइबर यूनिट ने पानीपत जिले में साइबर ठगों को बड़ा झटका देते हुए म्यूल अकाउंट्स और फर्जी कंपनियों के माध्यम से किए जा रहे बड़े वित्तीय अपराध का भंडाफोड़ किया है। हालिया जांच में खुलासा हुआ कि दो फर्जी कंपनियों के जरिये करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन को अंजाम दिया जा रहा था । पुलिस की तेज़ और सघन कार्रवाई ने न सिर्फ इस घोटाले का पर्दाफाश किया बल्कि इसके पीछे सक्रिय साइबर अपराधियों के संगठित नेटवर्क को भी तोड़ा। जांच में 'ट्रू आर्टिफिशियल ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी पूरी तरह फर्जी निकली। इसने बैंक ऑफ इंडिया की पानीपत शाखा में खाता खोलकर केवल सात महीने में 51.82 करोड़ रुपये का लेन-देन किया।खास बात यह है कि खाते से 51.79 करोड़ रुपये पहले ही निकाले जा चुके थे और मात्र 3.13 लाख रुपये ही शेष मिले। कंपनी का पता और निदेशक मंडल की जानकारी भी फर्जी पाई गई तथा मौके पर कोई वास्तविक कंपनी मौजूद नहीं पाई गई । साफ है कि यह कंपनी महज़ धोखाधड़ी और अवैध धन को घुमाने का माध्यम थी।

दूसरी फर्जी फर्म इंडो कैरियर एजेंसी

इसी क्रम में एक और कंपनी इंडो कैरियर एजेंसी का भंडाफोड़ हुआ। इस कंपनी के खाते में 24 दिसम्बर 2024 से 27 अगस्त 2025 तक 32.92 लाख रुपये जमा हुए, जिनमें से 31.70 लाख रुपये पहले ही निकाल लिए गए थे और केवल 1.21 लाख रुपये खाते में बचे। इस कंपनी का पता भी फर्जी निकला और मौके पर कोई कंपनी नहीं पाई गई।

संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान

जांच के दौरान जिन संदिग्ध व्यक्तियों के नाम सामने आए, उनमें प्रमोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, निशांत और सनी कुमार शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि इन खातों और कंपनियों के पीछे एक सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र है, जिसका मकसद ठगी की रकम को तुरंत निकालकर कानून की पकड़ से बचना था। गौरतलब है कि हरियाणा पुलिस ने राज्यभर में व्यापक जांच कर 91 ऐसी बैंक शाखाओं की पहचान की है ।

जीएसटी कटौती से मुद्रास्फीति में कमी और नीति दर में कटौती की संभावना

नई दिल्ली ।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर में कटौती से कीमतों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह कटौती पूरी तरह उपभोक्ताओं तक पहुंचती है, तो खुदरा मुद्रास्फीति में अगले 12 महीनों में 60 से 80 आधार अंक तक कमी आ सकती है। खासकर उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं में इसका प्रभाव ज्यादा होगा, क्योंकि इनका मुद्रास्फीति पर बड़ा प्रभाव होता है। मुद्रास्फीति में कमी के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति के लिए नीतिगत दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ जाएगी। मौजूदा समय में आरबीआई ने फरवरी से रीपो दर में 100 आधार अंक की कटौती कर दी है और आगे भी कटौती की संभावना बनी हुई है। आरबीआई मुद्रास्फीति को नियंत्रित करते हुए आर्थिक विकास को भी ध्यान में रखेगा। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा कि जीएसटी कटौती से अगले एक साल में जीडीपी वृद्धि दर में लगभग 0.6 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। इससे आर्थिक विस्तार को मजबूती मिलेगी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

था, जो चालू तिमाही में बेहतर रहा है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो सकती है। इसके बावजूद जीएसटी कटौती के कारण मुद्रास्फीति पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है।

जिम में लगी चोट पर हेल्थ इंश्योरेंस क्लेमः जानिए कब होगा मंजूर और कब रिजेक्ट

मुंबई ।

फिटनेस को लेकर आजकल लोगों में बढ़ती जागरूकता के चलते जिम जाना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। लेकिन ट्रेनिंग के दौरान चोट लगने पर अक्सर सवाल उठता है कि क्या हेल्थ इंश्योरेंस इसका खर्च उठाएगा?

विशेषज्ञों के मुताबिक, आमतौर पर जिम चोटें हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर होती हैं, लेकिन कुछ शर्तें और एक्सक्लूज़न के कारण क्लेम रिजेक्ट भी हो सकता है। टीटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि इंडेम्निटी आधारित हेल्थ पॉलिसी में जिम चोटों के लिए कोई खास एक्सक्लूजन नहीं है। लेकिन अगर चोट खतरनाक खेल, ड्रग्स या नशे की स्थिति में लगी हो, तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसके अलावा, अगर चोट के वक्त असुरक्षित प्रैक्टिस की गई हो, प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल हुआ हो या कोई प्री-एक्जिस्टिंग कंडीशन मौजूद हो, तो भी क्लेम मना किया जा सकता है। ज्यूरिख कोटक जनरल इंश्योरेंस के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि अगर अस्पताल के नोट्स में स्टेरॉयड या शराब के इस्तेमाल का उल्लेख हो, तो क्लेम रिजेक्ट किया जा सकता है।

साथ ही अगर चोट हाई-रिस्क एक्टिविटी या प्रतियोगिता के दौरान लगी हो, तो पॉलिसी एक्सक्लूजन लागू होती है।

ज्यादातर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में जिम चोटों को कवर किया गया है।

लेकिन अगर वर्कआउट डॉक्टर की सलाह के खिलाफ किया गया हो, स्टेरॉयड का दुरुपयोग हुआ हो या हृदय रोग के साथ ओवरएक्सर्ट किया गया हो, तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है।

वेदांत ने जयप्रकाश एसोसिएट्स अधिग्रहण में अदाणी को पीछे छोड़ा

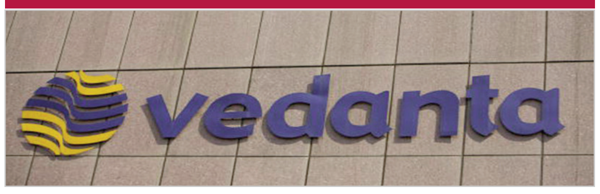

नीलामी में वेदांत समूह ने 17,000 करोड़ की बोली लगाई

मुंबई ।

अनिल अग्रवाल के नेतृत्व में वेदांत समूह ने दिवालिया कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण की दौड़ में सबसे अधिक बोली लगाकर अदाणी समूह को पीछे छोड़ दिया है। ऋणदाताओं की ओर से आयोजित नीलामी में वेदांत समूह ने 17,000 करोड़ रुपये की बोली दी, जो अब तक की सबसे बड़ी समाधान योजना मानी जा रही है। इस बोली का शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) लगभग 12,505 करोड़ रुपये है। जयप्रकाश एसोसिएट्स के कुल ऋण दावे 59,000 करोड़ रुपये से अधिक हैं, जिनमें वेदांत को लगभग 71 प्रतिशत की कटौती करनी होगी। नीलामी में वेदांत और अदाणी समूह सक्रिय रहे। डालमिया भारत ग्रुप, जिंदल पावर लिमिटेड और पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड जैसे अन्य दावेदारों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, लेकिन उन्होंने अंतिम दौर में बोली नहीं दी। बोली प्रक्रिया में शुरुआत 12,000 करोड़ रुपये से हुई और बाद की बोलियां ईमेल के जरिए प्राप्त हुईं। जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण से वेदांत समूह को सीमेंट और बुनियादी ढांचा जैसे नए क्षेत्रों में प्रवेश करने का अवसर मिलेगा, जहां उसकी फिलहाल उपस्थिति नहीं है। वेदांत समूह मुख्य रूप से धातु, इस्पात, खनन, तेल और गैस क्षेत्रों में सक्रिय है। अधिग्रहण के बाद वेदांत के पोर्टफोलियो में जेपी ग्रीन्स, विश टाउन, और जेवर हवाई अड्डे के पास इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी जैसी महत्वपूर्ण संपत्तियां जुड़ जाएंगी। वेदांत लिमिटेड को पांच अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में पुनर्गठित करने की योजना है, जिससे शेयरधारकों को बेहतर मूल्यांकन मिलेगा।

, इस प्रस्ताव को सरकार का विरोध भी झेलना पड़ रहा है। इसके साथ ही वेदांत को सीमेंट उद्योग में भी अपनी पकड़ मजबूत करने का मौका मिलेगा, जो वर्तमान में अल्ट्राटेक, अदाणी और श्री सीमेंट के तेजी से विस्तार के कारण प्रतिस्पर्धात्मक रूप से सशक्त हो रहा है।

छोटी कारें हुईं सस्ती, जीएसटी में कटौती से ग्राहकों को 1.55 लाख तक का फायदा

- सरकार ने हटाया मुआवजा उपकर, वाहन कंपनियां ग्राहकों को दे रहीं राहत

नई दिल्ली । सरकार द्वारा वाहनों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़ी राहत दी गई है। जीएसटी परिषद ने हाल ही में छोटी और बड़ी कारों सहित मोटरसाइकिलों पर टैक्स दरों में कटौती की घोषणा की है। इसके तहत छोटी कारों पर लगने वाला कुल टैक्स 29-31 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है। वहीं बड़ी कारों पर टैक्स 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा, 350 सीसी से कम इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर भी अब केवल 18 फीसदी टैक्स लगेगा। इस फैसले के बाद वाहन निर्माता कंपनियों ने ग्राहकों को इसका सीधा लाभ देना शुरू कर दिया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी इने कहा कि कंपनी यह राहत सीधे ग्राहकों तक पहुंचाएगी। उनके अनुसार, ऑल्टो की कीमत में 40,000-50,000 और वैगन आर की शुरुआती मॉडल की कीमत में 60,000-67,000 तक की कमी आ सकती है। टाटा मोटर्स ने भी घोषणा की कि वे जीएसटी कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को दे रहे हैं, जिससे कुछ मॉडलों की कीमतों में 1.55 लाख रुपए तक की गिरावट आई है। कंपनी के अे धिकारी ने कहा कि यह कदम पहली बार कार खरीदने वालों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से छोटी कारों की बिक्री में 10 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे पूरी यात्री वाहन बाजार में 6-8 फीसदी की ग्रोथ संभव है।

1,50,000 के पार जा सकता है 10 ग्राम सोने का भाव!

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। निवेशक अब इसे सुरक्षित विकल्प मानकर बड़ी मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं। शुक्रवार को सोने का भाव 1,07,740 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस तेजी के पीछे वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव को मुख्य कारण माना जा रहा है। अर्थव्यवस्था की अस्थिरता के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो डॉलर कमजोर होगा और सोने की मांग और अधिक बढ़ेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए एक वैश्विक निवेश बैंक ने पहले अनुमान को संशोधित करते हुए अब सोने का भाव 5,000 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1.55 लाख प्रति 10 ग्राम) तक पहुंचने की संभावना जताई है। इससे पहले यह अनुमान 4,000 डॉलर प्रति औंस था। बाजार के विशेषज्ञों के मुतो बिक डॉलर इंडेक्स में गिरावट और भारतीय रुपये में मजबूती के चलते घरेलू

बाजार में सोना और महंगा हो सकता है। निवेशक शेयर बाजार और क्रिप्टो जैसे अस्थिर विकल्पों से दूर हटकर अब सोने में भरोसा जता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है।

एफपीआई ने किया आईटी और वित्त सेक्टर से पलायन, ऑटो सेक्टर में बढ़ी रौनक

मुंबई । अगस्त 2025 के दूसरे पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 14,020 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की। इस बिकवाली का सबसे ज्यादा असर वित्तीय सेवाओं और आईटी सेक्टर पर देखने को मिला। प्राइम इन्फोबेस के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने अकेले वित्तीय सेवाओं से 9,817 करोड़ रुपए और आईटी सेक्टर से 4,905 करोड़ रुपए की निकासी की। इसके अलावा तेल और गैस (2,017 करोड़), बिजली (1,708 करोड़) और दूरसंचार (1,680 करोड़) जैसे क्षेत्रों में भी बिकवाली हुई। एफपीआई की बिकवाली की मुख्य वजह रही पहली तिमाही में कमजोर आय, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और आईटी सेक्टर के निर्यात परिदृश्य में गिरावट। विश्लेषकों के अनुसार इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला। वहीं दूसरी ओर ऑटोमोबाइल और ऑटो कलपुर्जा क्षेत्र एफपीआई के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा, जिसमें 2,617 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। इसके पीछे मुख्य कारण रहा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में हालिया तर्कसंगत बदलाव, जिससे मांग और राजस्व में बढ़ोतरी की उम्मीद बनी।

सेबी ने केवाईसी पंजीकरण वापसी के लिए नई नियमावली जारी की

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) द्वारा पंजीकरण छोड़ने की प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए एक नया परिपत्र जारी किया है। यह कदम उन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है जहां केआरए या तो स्वेच्छा से या वित्तीय या नियामकीय कारणों से संचालन बंद करना चाहते हैं। सेबी ने स्पष्ट किया है कि पंजीकरण छोड़ने वाली केआरए को अपने सभी केवाईसी रिकॉर्ड्स को किसी अन्य सेबी-पंजीकृत एजेंसी को ट्रांसफर करना होगा। इससे निवेशकों को दोबारा केवाईसी कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनकी सेवाएं सुचारु रूप से जारी रहेंगी। इसके अलावा, प्रत्येक केआरए के लिए अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाना अनिवार्य किया गया है। इस एसओपी में रिकॉर्ड और दस्तावेजों के ट्रांसफर, अनुबंधों के निपटान, और डाटा सुरक्षा के स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए।

कैट शुरू करेगा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने अभियान

नई दिल्ली । अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने इस महीने एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की उपस्थिति बढ़ाना है। यह कदम अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए जवाबी शुल्क और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया तथा वोकल फॉर लोकल अभियान के आह्वान के बाद उठाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षकों और छात्रों से स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। कैट ने कहा है कि व्यापारिक समुदाय यह संकल्प लेता है कि स्वदेशी उत्पाद हर दुकान, बाजार और ठेले पर उपलब्ध होंगे और विदेशी वस्तुओं का विकल्प केवल स्वदेशी उत्पाद ही होंगे। 15-16 सितंबर को नागपुर में 400 से अधिक व्यापारिक नेता, फेरीवाले, उपभोक्ता मंच और उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस सम्मेलन के बाद स्वदेशी अभियान की शुरुआत की जाएगी। कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अमेरिकी शुल्क युद्ध भारत के लिए चुनौती नहीं, बल्कि अवसर है।

यूरोप में भारत के डीजल निर्यात में अगस्त में दोगुना वृद्धि, रूस प्रतिबंधों का असर

नई दिल्ली । अगस्त महीने में भारत का डीजल निर्यात यूरोप के लिए दोगुने से अधिक बढ़ गया है। यह तेजी मुख्य रूप से यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा रूस से कच्चे तेल और प्रोसेस्ड ईंधन पर लगाए गए आगामी प्रतिबंधों के चलते हुई है। जनवरी 2026 से लागू होने वाले इस प्रतिबंध से पहले यूरोपीय खरीदारों ने भारत से डीजल खरीदारी में तेजी दिखाई है। अगस्त में भारत का डीजल निर्यात 2,42,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। इसके अलावा, पिछले 12 महीनों के औसत निर्यात में भी 124 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं, जिनमें नीदरलैंड की शेल पर्निस रिफाइनरी में अचानक रखरखाव के कारण यूरोप में डीजल आपूर्ति में कमी और सर्दियों के मौसम के लिए बढ़ती मांग प्रमुख हैं। साथ ही, रूस से प्रोसेस्ड ईंधन के आयात पर श्व के प्रतिबंध ने भारत को इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बना दिया है। यूरोपीय संघ ने रूस के कच्चे तेल के लिए मूल्य सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो अब बाजार मूल्य से 15 प्रतिशत कम रहेगी। इस कदम से रूस के ऊर्जा राजस्व पर दबाव बढ़ेगा। भारत की बड़ी रिफाइनरियां जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी, जो यूरोप को डीजल सप्लाई करती हैं, इस प्रतिबंध से प्रभावित होंगी।

आर्थिक वृद्धि और जीएसटी सुधारों से स्थानीय शेयर बाजार में रौनक रही

- जीएसटी सुधारों के चलते भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई ।

अप्रैल-जून तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की उम्मीद से बेहतर वृद्धि और वित्त मंत्री द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों के चलते भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह शानदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन सप्ताह के अंत तक घरेलू शेयर बाजार में उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूती देखी गई।

सप्ताह की शुरुआत सोमवार को देश की जीडीपी वृद्धि दर के आंकड़े सामने आए, जिसमें अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इस खबर से बाजार में तेजी का माहौल बन गया। सेंसेक्स 554 अंक की उछाल के साथ 80,364.49 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 198 अंक चढ़कर 24,625.05 पर पहुंच गया। मंगलवार को विदेशी निवेश की निकासी और वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों के चलते बाजार थोड़ा फिसला। सेंसेक्स 206 अंक टूटकर 80,157.88 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 45 अंक गिरकर 24,579.60 पर बंद हुआ। बुधवार को शेयर बाजार ने जोरदार वापसी की और सेंसेक्स 409 अंक उछलकर 80,567.71 पर और निफ्टी 135 अंक बढ़कर 24,715.05 पर बंद हुआ। 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी से जुड़े अहम सुधारों की घोषणा की,

जिससे निवेशकों में उत्साह देखा गया। गुरुवार को सेंसेक्स ने 888 अंकों की छलांग लगाई और निफ्टी भी 265 अंक तक चढ़ गया। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को बाजार में स्थिरता देखी गई। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 80,710.76 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,741.00 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि सप्ताह भर के उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने मजबूती दिखाई। आर्थिक विकास और नीतिगत सुधारों ने बाजार की धार को बनाए रखा, जिससे निवेशकों में भरोसा मजबूत हुआ है। आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा घरेलू आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर निर्भर करेगी।

उषा श्रीराम ने एक्वाएरो के साथ एफएमसीजी क्षेत्र में रखा कदम

कोलकाता । घरेलू उपकरण निर्माता उषा श्रीराम ने अपने प्रीमियम बोतलबंद पानी ब्रांड एक्वाएरो की लॉन्चिंग के साथ एफएमसीजी क्षेत्र में प्रवेश किया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बोतलबंद पानी उद्योग का आकार लगभग 50,000 करोड़ रुपए है, जिसमें 60-70 फीसदी हिस्सा असंगठित क्षेत्र का है। कंपनी का उद्देश्य इस बाजार में गुणवत्ता और ब्रांड वैल्यू के दम पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना है। फिलहाल कंपनी का सालाना राजस्व 480 करोड़ रुपए है, जिसे अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने की योजना है। यह लक्ष्य हासिल होने के बाद कंपनी आईपीओ लाने पर विचार करेगी। एफएमसीजी विस्तार की दिशा में कंपनी आटा, दालें और आवश्यक उपभोक्ता वस्तुएं पेश करने की भी योजना बना रही है।

टेस्ला ने एलन मस्क के लिए प्रस्तावित किया एक ट्रिलियन डॉलर का सैलरी पैकेज

- टेस्ला का मकसद मस्क के नेतृत्व में कंपनी को इतिहास की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाना

वाशिंगटन ।

अमेरिका की प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने अपने संस्थापक और सीईओ एलन मस्क के लिए एक ट्रिलियन डॉलर के बड़े सैलरी पैकेज का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का यह प्रस्ताव मस्क को प्रोत्साहित करने और उन्हें लंबे समय तक कंपनी के साथ जोड़े रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। टेस्ला का लक्ष्य मस्क की नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण बेंचमार्क हासिल करना है, ताकि वह भविष्य में रोबोटैक्सी व्यवसाय के बाजार मूल्य को 8.5 ट्रिलियन डॉलर तक ले जा सके। कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स को भेजे गए लेटर में कहा कि मस्क को बनाए रखना और प्रोत्साहित करना टेस्ला के दीर्घकालिक लक्ष्यों को हासिल करने की कुंजी है। इस योजना के तहत, अगर मस्क निर्धारित बेंचमार्क पूरे करते हैं तो उन्हें पूरा सैलरी पैकेज दिया जाएगा और साथ ही उनकी कंपनी में हिस्सेदारी 25 फीसदी तक बढ़ाई जाएगी। इससे पहले अगस्त 2024 में टेस्ला ने मस्क को लगभग 29 अरब डॉलर के 9.6 करोड़ सशर्त शेयर दिए थे। हालांकि, डेलावेयर की अदालत ने मस्क के उस भारी सैलरी पैकेज को रद्द कर दिया था, क्योंकि न्यायाधीश ने इसे शेयरधारकों के प्रति अन्यायपूर्ण बताया था। मस्क की अपील भी अदालत में खारिज हो गई थी। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार 5

सितंबर 2025 तक एलन मस्क की कुल संपत्ति 378 बिलियन डॉलर है, जिससे वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। टेस्ला का यह प्रस्ताव मस्क की नेतृत्व क्षमता को देखते हुए कंपनी को और ऊंचाइयों तक ले जाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

इस साल अब तक लगभग 3 फीसदी कमजोर हुआ रुपया

मुंबई । इस साल अब तक रुपया लगभग 3 फीसदी कमजोर हुआ है, जो कि एशिया की प्रमुख मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार रुपये पर यह दबाव मुख्यतः विदेशी निवेशकों की बिकवाली, अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 फीसदी तक के भारी शुल्क और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में अनिश्चितता के कारण आया है। साथ ही अमेरिका द्वारा आईटी सेवाओं और आउटसोर्सिंग पर संभावित रोक की खबरों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। एक सरकारी बैंक के डीलर ने बताया कि अमेरिका में व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण विदेशी पूंजी की निकासी तेज हुई, जिससे रुपया दबाव में आया। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर की बिकवाली कर हस्तक्षेप किया जिससे गिरावट पर आंशिक नियंत्रण संभव हुआ। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 88.37 पर पहुंच गया। दिन के अंत में यह 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 88.26 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि गुरुवार को यह 88.15 पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक के अनुसार सकारात्मक घरेलू संकेतों के बावजूद डॉलर की मजबूती और वैश्विक व्यापार तनाव ने रुपये को कमजोर किया है। वहीं आईएफए ग्लोबल के विश्लेषक ने कहा कि दिनभर रुपये में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया।

एलएंडटी सेमीकंडक्टर ने फुजित्सु से पावर मॉड्यूल परिसंपत्तियां खरीदीं

नई दिल्ली। एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज (एलटीएससीटी) ने जापान की फुजित्सु जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स (एफजीईएल) की पावर मॉड्यूल डिजाइन से जुड़ी परिसंपत्तियाँ अधिग्रहित कर ली हैं। इस सौदे के तहत एलटीएससीटी ने अनुसंधान एवं विकास उपकरण, डिजाइन पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदाएँ अपने अधिकार में ली हैं। यह अधिग्रहण भारत की सेमीकंडक्टर क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एलटीएससीटी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा और भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक रहेगा। यह कदम विशेष रूप से पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तकनीकी आत्मनिर्भरता को बल देगा।

चीन से निकटता : नफा-नुकसान कितना!

उमाकांत लखेड़ा

निःसंदेह प्रधानमंत्री की यात्रा से चीन के साथ रिश्तों की बर्फ पिघली है। दोनों देशों के बीच इस निकटता से कुछ क्षेत्रों में सहयोग के संकेत जरूर मिले। चीन ने कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों के क्षेत्र में भारत के साथ नये सिरे से काम करेगा। सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीजा नियम आसान करने और कुछ निर्यात पाबंदियां हटाने का वादा किया। अमेरिका के भारी टैक्सों के दबाव में फंसे भारत के लिए ये कदम थोड़ी राहत लेकर आए।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया चीन यात्रा को दोस्ती की शुरूआत के तौर पर प्रचारित किया गया। लेकिन असली हालात इतने आसान नहीं हैं, जैसे बताए जा रहे हैं। भारत और चीन की नजदीकी असल में अस्थायी रु कावट जैसी है, न कि भरोसेमंद रिश्ते की नई शुरूआत।

कूटनीतिक जानकार इस नई दोस्ती पर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं क्योंकि चीन के साथ भारत के आयात-निर्यात में भारी असमानता है। इसलिए जल्दबाजी में जोखिम की अधिक आशंकाएं जताई जा रही हैं।

निःसंदेह प्रधानमंत्री की यात्रा से चीन के साथ रिश्तों की बर्फ पिघली है। दोनों देशों के बीच इस निकटता से कुछ क्षेत्रों में सहयोग के संकेत जरूर मिले। चीन ने कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियों के क्षेत्र में भारत के साथ नये सिरे से काम करेगा। सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने, वीजा नियम आसान करने और कुछ निर्यात पाबंदियां हटाने का वादा किया। अमेरिका के भारी टैक्सों के दबाव में फंसे भारत के लिए ये कदम थोड़ी राहत लेकर आए।

मोदी और शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन 'साझेदार हैं, दुश्मन नहीं।' इससे दोस्ती का माहौल बना, लेकिन असली समस्या वहीं की वहीं खड़ी दिखती है। चीन लगातार पाकिस्तान का समर्थन करता है। पाकिस्तान में अरबों डॉलर लगाता है, सैन्य और परमाणु मदद देता है और उसकी ढाल बनता है। इससे भारत के लिए दो तरफ से सुरक्षा का खतरा हमेशा बना रहता है, जिसे कोई भी मुलाकात नहीं बदल सकती।

चीन की बेल्ट एंड रोड योजना भी भारत के लिए चिंता का कारण है। श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार तक चीन अपने प्रोजेक्ट्स फैला रहा है। ये सिर्फ विकास के काम नहीं हैं, बल्कि एक तरह का घेरा हैं, जिससे भारत का प्रभाव अपने ही पड़ोस में कम हो रहा है। आर्थिक स्थिति भी भारत के अनुकूल नहीं है।

चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 90 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुका है। भारत चीन से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन चीन भारत से बहुत कम खरीदता है। इससे भारत चीन पर निर्भर हो जाता है, लेकिन उसे उतना

फायदा नहीं मिलता। उड़ानों या वीजा में ढील जैसी चीजें इस बड़े घाटे और अमेरिकी टैक्स से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकतीं। भारत-चीन-रूस धुरी की चर्चा ज्यादा नाटकीय कथा जैसी लगती है, इस नई जुगलबंदी में दूरगामी और व्यावहारिक कूटनीतिक संतुलन जैसी नहीं बात नहीं लगती। भारत और चीन एशिया में फिर से अपना प्रभाव बढ़ाने के मामले में अतीत से ही प्रतिद्वंद्वी हैं। जाहिर है इनकी बुनियादी दृष्टि परस्पर विरोधी है। चीन वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, पाकिस्तान को समर्थन देता है और भारत के पड़ोस में प्रभाव बनाना चाहता है। वहीं भारत इसका जवाब अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे बहुपक्षीय गठबंधनों से देता है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के बाद चीन पर और अधिक निर्भर हो गया है, इस धुरी में और भी असंतुलन पैदा करता है। ऐसी स्थिति में भारत के एक 'छोटे खिलाड़ी' की तरह सिमट जाने का खतरा है। इस स्थिति को भारत कभी गवारा नहीं करता।

देश के भीतर कई विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि भारत ने यह जो नया रास्ता पकड़ा है, वह वास्तव में गुटनिरपेक्ष और मुद्दा-आधारित परंपरा से भटकाव है। यह विरोधाभास प्रधानमंत्री की हालिया चीन यात्रा में साफ दिखाई दिया। सात साल बाद मोदी की चीन यात्रा एक अहम पड़ाव रही। मोदी और शी ने सहमति जताई कि मतभेदों को विवादों में नहीं बदलने दिया जाएगा और आपसी भरोसा, सम्मान और संवेदनशीलता भविष्य के रिश्तों की नींव होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति को द्विपक्षीय रिश्तों की 'बीमा पॉलिसी' बताया। दोनों पक्षों ने हालिया डिसइंगेजमेंट और स्थिर माहौल को सकारात्मक कदम के रूप में रेखांकित किया। रिश्तों में आई नरमी से जो ठोस कदम उठते दिखे उनमें शामिल रहेः लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला दरे से सीमा व्यापार का पुनःआरंभ। दोनों नेताओं ने कहा कि उनकी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार में स्थिरता की भूमिका निभाती हैं।

व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए रणनीतिक दृष्टि से सहयोग बढ़ाने का वादा किया गया। मोदी ने शी को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा-पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया और सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। यह भी दोहराया कि भारत-चीन संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत की। विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया तीखी रही। जयराम रमेश ने मोदी पर 'ड्रैगन के आगे झुकने' और आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। अमेरिका में व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा 'वे दो सबसे बड़े अधिनायकवादी नेताओं' के साथ निकटता बना रहे हैं।

कई विश्लेषकों ने एससीओ की सैन्य परेड में मोदी की उपस्थिति को कूटनीतिक सफलता नहीं, बल्कि छवि की समस्या माना-जैसे भारत पश्चिमी लोकतांत्रिक खेमे से दूर हो रहा हो। यात्रा में सद्भावना दिखी, लेकिन कोई ठोस बाध्यकारी समझौते नहीं हुए। मोदी, शी और पुतिन की साझा तस्वीरों को कई लोगों ने वास्तविक उपलब्धि की बजाय केवल संदेश देने वाला प्रतीकवाद माना।

एक ओर चीन से एससीओ और व्यापार के जरिए जुड़ना और दूसरी ओर अमेरिका-झुकाव वाले क्वाड और ब्रिक्स में सक्रिय रहना-आलोचकों को असंगत लगता है। चीन के साथ गहरी प्रतिद्वंद्विता भारत की इस रणनीति पर हमेशा सवाल उठाती है। इस चीन यात्रा का स्वागत करने वालों का मानना है कि मोदी की चीन यात्रा ने एक बार फिर दिखा दिया कि भारत अपने पड़ोसी के साथ संबंधों में शांति और स्थिरता चाहता है, खासकर सीमा और व्यापार के मोर्चे पर। यात्रा से कुछ व्यावहारिक लाभ मिले लेकिन ठोस समझौतों की कमी और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आलोचना ने कूटनीतिक सफलता को सीमित कर दिया। असली सवाल है कि क्या भारत इस बहुस्तरीय कूटनीति को ठोस रणनीति में बदल पाएगा या यह अमेरिकी टैरिफ दबाव से मुक्त होने की प्रतीकात्मक बयानबाजी और पैंतरेबाजी तक सिमट कर रह जाएगी!

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संपादकीय

तेरी, मेरी, सबकी गलती

देश के चार उत्तरी राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से तबाही को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने लगता है उस मर्म पर हाथ रख दिया है जिसकी ओर पर्यावरणविद, भूगर्भशास्त्री और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अर्से से ध्यान दिलाने का काम कर रहे हैं। लेकिन सरकार और नीति-निर्धारकों, राजनीतिक नेताओं और प्रशासनिक अमले के कानों पर कोई जूं नहीं रेंगती। स्थानीय सरकारों, मंत्रियों और अफसरों से मिल कर भू माफिया ने इन राज्यों का जो हाल कर दिया है, वह तो अब कभी सुधर नहीं सकता। अदालत ने बाढ़.और

भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताते हुए इसके लिए पेड़ों की अवैध कटाई को प्रमुख कारण माना है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड़ और जम्मू-कश्मीर सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा गया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े. पैमाने पर अवैध पेड़. कटाई की गई है, और यही हालिया आपदा का बड़ा कारण हो सकता है। अदालत ने मीड़िया रिपोर्टों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के कुंदे के कुंदे बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़. कटाई का संकेत है। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता क्या कहते, उन्हें स्वीकार करना पड़ा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़.की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे। लेकिन क्या ये बातें कहने से पहले मेहता को सोचना नहीं चाहिए था कि जब-जब पर्यावरणविद, भूगर्भ शास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता सवाल उठाते हैं, या स्थानीय लोग आंदोलन करते हैं, तब सरकारों की गलत नीतियों की पैरवी करने राज्य ओर केंद्र के अटॉर्नी और सालिसिटर जनरल जैसे बड़े. अधिकारी क्यों आ जाते हैं। उस समय क्या उन्हें दुष्परिणामों का भान नहीं होता। केदारनाथ त्रासदी, जोशीमठ की दरारें, हिमाचल और उत्तराखंड़ के भूस्खलन और बाढ़, वैष्णो देवी तथा अमरनाथ यात्रा मार्गों पर हुए हादसों और पंजाब की बबार्दी से हम कभी सबक भी लेंगे या नोटिसों का सिलसिला यूं ही बदस्तूर जारी रहेगा।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

आओ भारतीय भाषाओं को विलुप्त होने से बचाएं

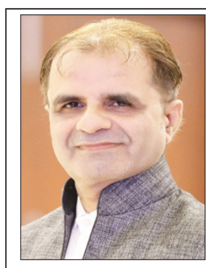

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत देश संस्कृति, भाषाओं, उपनिषद साहित्य से पिरोई ऐसी खूबसूरत माला है जो वैश्विक रूप से अनमोल है इस भारतीय विरासत को देखने हजारों की संख्या में सैलानी भारत आते हैं और यह भारतीय खूबसूरती विश्व प्रसिद्ध हैं। साथियों इस भारत रूपी माला में पिरोए मोतियों में से भाषा एक अनमोल मोती है।

साथियों बात अगर हम भाषा की करें तो, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि भाषा, मुख से उच्चारित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है,जिनके द्वारा मन की बात बताई जाती है।किसी भाषा की सभी ध्वनियों के प्रतिनिधि स्वर एक व्यवस्था में मिलकर एक सम्पूर्ण भाषा की अवधारणा बनाते हैं।सामान्यतः भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची की करें तो,इसमें 22 भाषाएँ तो आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त हैं ही पर यदि सब गिनी जाएँ तो हमारे देश में 30 से अधिक भाषाओं के साथ 100 से अधिक क्षेत्रीय भाषाएँ भी हैं।अनुसूचित भाषाएं 1) असमिया, (2) बंगला, (3) बोड़ो, (4) डोगरी, (5) गुजराती, (6) हिंदी, (7) कन्नड़, (8) कश्मीरी, (9) कोंकणी, (10) मैथिली, (11) मलयालम, (12) मणिपुरी, (13) मराठी, (14) नेपाली, (15) उड़िया, (16) पंजाबी, (17) संस्कृत, (18) संथाली, (19) सिंधी, (20) तमिल, (21) तेलुगू और (22) उर्दू।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा की करें तो,यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता औरआधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ कीराजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है।संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एकविशेष स्थान है।

साथियों बात अगर हम सभी अनुसूचित और गैर-अनुसूचित भाषाओं की करें तो यह भारतीयता की खूबसूरती है कि,इतनी भाषाओं के बीच भारत अपनी खूबसूरती बिखेर रहा है।यह भारतवर्ष के लिए आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। क्योंकि मुख से उच्चारित भाषा के आदान-प्रदान से ही ज्ञान की ज्योत प्रजवलित होती हैं।हमें इन सभी भाषाओं, जो अनुसूचित नहीं भी हैं,उसका संरक्षण करना जरूरी है

साथियों बात अगर हम अंग्रेजी भाषा की करें तो आज के आधुनिक डिजिटलाइजेशन युग में अंग्रेजी बोलचाल का फैशन सा हो गया है,जो मातृभाषा में बात करता है उसे हम पुराने जमाने की सोच का दर्जा देते हैं।हम अपने सामाजिक भाषाओं की विलुप्तता को प्रोत्साहन देने का काम करते हैं जिसे रोकना होगा।क्योंकि हमारे भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश सहित अनेक प्रशानिक व्यक्तित्व की प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हुई है। इसलिए भारतीय भाषाएं भारत रूपी माला में पिरोए वह मोती हैं जिसके प्रकाश से ही आज भारत विश्व में जगमगा रहा है। इसलिए भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण जरूरी है।

साथियों बात अगर हम भारतीय भाषाओं के संरक्षण में माननीय उपराष्ट्रपति के एक भारतीय भाषादिवस के अवसर पर वर्चुअल संबोधन की करें तो पीआईबी की प्रेसविज्ञप्ति के अनुसार,उपराष्ट्रपति ने इसका उल्लेख किया कि भाषा न केवल हमारी पहचान का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।इसके लिए, उन्होंने प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में होने की जरूरत को रेखांकित किया,जिसकी परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति में की गई है और आखिरकार उच्चतर व तकनीकी शिक्षा तक इसे विस्तारित किया जाना है।उन्होंने व्यापक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में भी सुधार का सुझाव दिया। और कहा,यह आत्मविश्वास आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा और धीरे-धीरे आत्मानिर्भर भारत की राह बनाएगा।भारतीय भाषाओंके इस्तेमाल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों की सूची बनाते हुए,उपराष्ट्रपति ने प्रशासन में स्थानीय भाषाओं के उपयोग, बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और शहरों व गांवों में पुस्तकालयों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओंके साहित्यिक कार्यों का अनुवाद करने के लिए और अधिक पहल करने का भी आह्वाहन किया। उन्होंने इस बात की इच्छा व्यक्त की कि बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए सरल तरीके से भाषा की बारीकियां सिखाया जाएं।भाषा की जीवंत संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक जन आंदोलन की जरूरत है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।भाषा और संस्कृति के बीच गहरे संबंध को देखते हुए,उन्होंने युवाओं को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने के लिए भाषा का इस्तेमाल करने की सलाह दी। और कहा,भाषा संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक है,यह अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत,वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है।मातृभाषा को महत्व देने का मतलब अन्य भाषाओं की उपेक्षा नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि कोई व्यक्ति अंग्रेजी में अध्ययन करने पर ही जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।इसके लिए उन्होंने अपना और राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य

न्यायाधीश का उदाहरण दिया कि,इन चारों ने अपनी-अपनी मातृभाषा में विद्यालय की शिक्षा प्राप्त की और इसके बावजूद बहुत उच्च संवैधानिक पदों पर आसीन हुए।उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को अधिक से अधिक भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करें, इसकी शुरूआत अपनी मातृभाषा में एक मजबूत नींव के साथ करें।लोगों से अपनी मातृभाषा को बोलने में गर्व महसूस करने का आग्रह करते हुए श्री नायडु ने कहा कि दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए।आज भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बदलते समय के अनुकूल बनाने के लिए अभिनव तरीकों के साथ आगे आने का आह्वान किया,यह देखते हुए कि भाषा एक स्थिरअवधारणा नहीं है,उन्होंने भाषाओं को समृद्ध करने के लिए एक गतिशील और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण करना जरूरी है। क्योंकि भाषा यह संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है और भारतीय भाषाएं भारत की माला में पिरोए मोती हैं जिसके प्रकाश से भारत आज विश्व में जगमग आ रहा है

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

मुद्दा : मुस्लिम सियासी दल और मुसलमान

डॉ. असद रजा

लोकतंत्र में हर नागरिक को वोट देने तथा चुनाव लड़ने और अपनी पार्टी बनाने का अधिकार है। विभिन्न समुदायों, जातियों, जनजातियों, प्रदेशों और धर्मावलंबियों ने अपने-अपने दल बना रखे हैं, जो चुनाव लड़ते हैं।

मुस्लिम यद्यपि भारत में अल्पसंख्यक हैं परंतु उनके भी बहुत से राजनीतिक दल हैं-इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तहादुल मुस्लमीन, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, मुस्लिम मजलिस, पीस पार्टी और उल्मा कौंसिल तथा धर्मनिरपेक्ष मोर्चा आदि आदि।

इन मुस्लिम दलों और सेक्युलर पार्टियों के कारण मुस्लिम वोट लोक सभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों आदि के इलेक्शन में दलितों और पिछड़ों के वोटों की भांति विभाजित होकर निष्प्रभावी भी हो जाता है। मुस्लिम दलों के कारण ही संघ परिवार को बहुसंख्यकों को हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर एकजुट करने का अवसर मिल जाता है। तथ्य है कि केरल, असम और बिहार के अपवाद के साथ अधिकांश मुस्लिम मतदाता मुस्लिम राजनीतिक दलों को नहीं, बल्कि सेक्युलर दलों यथा समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और टीएमसी आदि को ही वोट देते हैं।

यह भी कटु सत्य है कि उत्तर प्रदेश, असम और बिहार में एनडीए की सरकारें हैं, तो उसका प्रमुख कारण मुस्लिम दल भी हैं। इत्तहादुल मुस्लमीन के अकबरुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं के उत्तेजक नारों से भी भारतीय मुसलमानों का अहित होता है क्योंकि अकबर के तो नारे ही रहते हैं परंतु संघ परिवार के नारे अमली रूप धारण कर निरीह मुसलमानों को हानि पहुंचाते हैं। यही कारण है कि अधिकांश मुस्लिम मतदाता मुस्लिम दलों को कम वोट देते हैं, और सेक्युलर पार्टियों को ही पसंद करते हैं परंतु सत्य यह भी है कि कुछ अत्यधिक धर्मभीरु और भावुक मुस्लिम उत्तर प्रदेश और बिहार में बैरिस्टर ओवैसी की पार्टी को वोट देते हैं।

परिणामतः उत्तर प्रदेश में अनेक विधानसभा सीटों पर ओवैसी के उम्मीदवार को मिलते तो दो चार हजार वोट ही हैं परंतु वे हिन्दू भाइयों को विशेष रूप से सवर्ण जातियों को भाजपा के पक्ष में लामबंद कर देते हैं, और सपा के उम्मीदवार अनेक सीटों पर भजपा के उम्मीदवार से हजार दो हजार मतों से हार जाते हैं, और योगी जी फिर से मुख्यमंत्री बन जाते हैं। फिर कोई ओवैसी प्रताड़ित मुसलमानों को बचाने नहीं आता, बस मौखिक निंदा करके बैठ जाते हैं।

इस स्थिति के लिए सपा और कांग्रेस जैसी सेक्युलर पार्टियों के नेता भी कुछ हद तक जिम्मेदार होते हैं क्योंकि वे ओवैसी को कम करके आंकते हैं। यदि 'इंडिया' गठबंधन कुछ सीटें बिहार और उत्तर प्रदेश में मजलिस को दे देते तो कदाचित आज इन दोनों बड़े प्रदेशों में एनडीए की सरकारें नहीं होतीं। 'इंडिया' गठबंधन को आशंका है कि ओवैसी को साथ लेने से हिन्दू वोट खिसक सकता है परंतु यदि कांग्रेस केरल में मुस्लिम लीग और असम में मौलाना बदरु द्दीन अजमल के साथ चुनावी गठजोड़ कर सकती है, तो ओवैसी तो मौलाना के मुकाबले अच्छे वक्ता हैं। अतः उनके साथ भी चुनावी गठबंधन किया जा सकता है। यद्यपि मैं भी मुस्लिम दलों द्वारा डेढ़ ईट की मस्जिद बनाने के विरुद्ध हूं परंतु यदि बिहार विधानसभा से पूर्व कुछ सीटें महागठबंधन मजलिस को दे दे तो निश्चय ही 'इंडिया' को लाभ होगा तथा बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। इसके अतिरिक्त मैं ओवैसी को यह सलाह देना चाहूंगा कि वह आज भारत में बढ़ती सांप्रदायिकता और हिन्दू मुस्लिम वोटों के चुनाव के दौरान ध्रुवी करण को रोकने के लिए अपनी पार्टी के नाम में से मुस्लमीन शब्द हटा कर मुहिब्बान वतन (वतन प्रेमी) लगा दें तो बेहतर होगा और मुस्लिम दुश्मन सरकारों से देश को मुक्ति मिल जाएगी। तब महागठबंधन को भी मजलिस को अपने साथ रखने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

यहां यह जिक्र करना भी उचित होगा कि बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान मधुबनी में मजलिस के कार्यकताओं ने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य के निकट पहुंच कर पोस्टर-बैनर के साथ नारेबाजी की और मांग की कि ह्यमजलिस को महागठबंधन में शामिल किया जाए अन्यथा हम 'इंडिया' गठबंधन के विरुद्ध अपने उम्मीदवार खड़े करके उसे हरा देंगे। स्पष्ट है कि महागठबंधन धमकियों में तो नहीं आएगा परंतु इसके नेताओं को

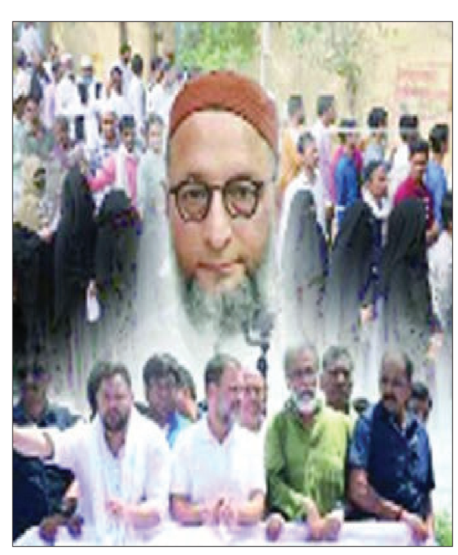

ऊंच-नीच देख कर निर्णय करना चाहिए।

यहां यह जिक्र करना भी उचित होगा कि बिहार के 2020 में विधानसभा चुनाव में मजलिस ने 20 उम्मीदवार खड़े किए थे जिनमें से पांच जीत गए थे और मजलिस को 1.24 प्रतिशत वोट मिले थे तथा 'इंडिया' गठबंधन की बिहार में सरकार न बनने का प्रमुख कारण मजलिस के उम्मीदवार थे। अतः भाजपा भी कोशिश करेगी कि मजलिस अकेले चुनाव लड़ कर मुस्लिम वोट को विभाजित कर भाजपा सरकार बनने में अप्रत्यक्ष रूप से मदद करे। इसलिए बिहार के मुस्लिम मतदाताओं, मजलिस और महागठबंधन के नेताओं को गंभीरतापूर्वक इस बारे में निर्णय लेना होगा।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को : नारीवादी कार्यकर्ता को ईशनिंदा में ढाई साल जेल

रबात , एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने प्रख्यात नारीवादी और एलजीबीटीक्यू अधिकार कार्यकर्ता इब्तिस्साम लश्गार को ईशनिंदा का दोषी ठहराते हुए ढाई साल की कैद और 5,000 डॉलर का जुर्माना सुनाया है। फैसले ने मोरक्को में बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इसे सही मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा बता रहे हैं। लश्गार पर आरोप था कि उन्होंने ऐसी टी–शर्ट पहनकर सेल्फी साझा की, जिस पर लिखे संदेश को इस्लाम व राजशाही का अपमान माना गया।

ट्रंप की अमेरिकी कांग्रेस पर और मजबूत हुई पकड़

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अंतिम दिनों में रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति के मुख्यालय में सभी स्टाफ सदस्यों की बैठक हुई। यह सिर्फ सामान्य सियासी रणनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कांग्रेस पर गहरी पकड़ का प्रदर्शन था। ट्रंप की राजनीतिक टीम ने रिपब्लिकन स्टाफ को सुबह वन ब्यूटीफुल बिल एक्ट व आगामी मध्यावधि चुनाव के मुद्दे पर बैठक में बुलाया। इस बैठक में रिपब्लिकन बहुमत (सांसद) एक शक्तिशाली कार्यपालिका के इशारों पर चलता दिखाई दिया। बैठक में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, पोलस्टर टोनी फैब्रीजियो और राजनीतिक निदेशक जेम्स ब्लेयर जैसे नेता भी शामिल रहे। इस दौरान लोगों ने ट्रंप की नीतियों के विरोध में बैठक स्थल के बाहर प्रदर्शन किया।

मानवता अपराध में शामिल व्यक्ति बांग्लादेश में चुनाव से बाहर

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अंतरराष्ट्रीय अपराध (ट्रिब्यूनल) कानून 1973 में संशोधन किया है। नए प्रावधान के तहत मानवता के खिलाफ अपराधों में अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ चार्जशीट दायर होती है, तो उसे चुनाव लड़ने, सांसद बने रहने या सरकारी नौकरी करने से अयोग्य कर दिया जाएगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बताया कि यह कदम इसीलिए उठाया गया, ताकि ऐसे लोग न तो संसद का चुनाव लड़ सकें और न ही सरकारी पद पर बने रह सकें।

खैबर पख्तूनख्वा में इस साल आतंकी हमलों में 138 की मौत

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में इस साल सैकड़ों आतंकी हमले हुए हैं। केवल जून में 78 आतंकी हमले हुए, जिनमें 100 लोग मारे गए। 189 घायल हुए। एक दूसरी रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल अब तक 605 आतंकी हमले हुए हैं। इनमें 138 नागरिक मारे गए। 352 घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस विभाग की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलों में 79 पुलिसकर्मी मारे गए। 130 घायल हुए। अगस्त में 129 आतंकी हमलों में 17 नागरिकों और 13 पुलिसकर्मियों की जान गई।

ब्राजील में मुठभेड़, पुलिस ने मार गिराए आठ गैंग सदस्य

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पुलिस ने एक ड्रग तस्करी गिरोह पर छापेमारी के दौरान हुई मुठभेड़ में आठ गैंग सदस्यों को मार गिराया। एनकाउंटर के बाद एक पादरी व एक बच्चे को बंधक से मुक्त करा लिया गया। कार्रवाई का लक्ष्य प्योर थर्ड कमांड गिरोह और उसका सरगना कोरोनेल था, जिस पर एक महिला की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि कुछ अपराधियों ने बस को बैरिकेड बनाने की कोशिश की, जिनमें से दो को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में चार राइफलें बरामद हुईं। गोलीबारी से स्कूल बंद हो गए, यातायात बाधित हुआ और शहर में दहशत का माहौल बन गया।

सीएम स्टालिन ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में समाज सुधारक ई.वी रामासामी पेरियार के चित्र का अनावरण किया। आत्म सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम स्टालिन ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान स्टालिन ने कहा कि पेरियार के चित्र का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, जो ज्ञान, मानवाधिकार और गरिमा का पर्याय है, अनावरण करना सबसे यादगार क्षण है और बड़े ही सम्मान की बात है। अब पेरियार का तर्कवाद तमिलनाडु के पार जाकर पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहा है। स्टालिन ने बताया कि करीब 40 साल पहले भी डीएमके ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के जन्म शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया था। स्टालिन ने कहा कि पेरियार के दर्शन का मतलब आत्मसम्मान, तर्कवाद, सामाजिक न्याय, लिंग समानता, वैज्ञानिक सोच और धर्मनिरपेक्ष राजानीति होता है।

ट्रम्प की डिनर पार्टी में शामिल हुए दिग्गज टेक बिजनेसमैनः मस्क को न्योता नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- ये हाई आईक्यू ग्रुप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में टेक बिजनेसमैन के लिए डिनर रखा। इसमें गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग, ओपन एआई सीईओ सेम ऑल्टमैन, समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए। हालांकि, टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क को न्योता नहीं दिया गया। ट्रम्प ने कहा- ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, जब इतने सारे बुद्धिजीवी एकसाथ मिले हों। उन्होंने इस टीम को हाई आईक्यू ग्रुप कहकर संबोधित किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक यह डिनर प्रेसिडेंट हाउस के रोज गार्डन में होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह स्टेट डाइनिंग रूम में किया गया।

मस्क को नहीं मिला न्योता : मस्क कुछ महीने पहले तक ट्रम्प के सलाहकार थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इस डिनर में जेरेड इसाकमैन भी रहे। इसाकमैन ही वह शख्स हैं जिनकी वजह से मस्क और ट्रम्प के बीच दूरियां आनी शुरू हुई। इसाकमैन मस्क के करीबी सहयोगी रहे हैं। उन्हें ट्रम्प ने स्पेस एजेंसी नासा की लीडरशिप के लिए चुना था। जब ट्रम्प और मस्क के बीच दूरी आ गई, तो इसाकमैन का नॉमिनेशन रद्द कर दिया गया।

मेलानिया ट्रम्प ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की : डिनर का आयोजन व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा पर बनी नई टास्क फोर्स की बैठक के बाद हुई। टास्क फोर्स का मकसद अमेरिकी युवाओं के लिए द्ब शिक्षा का विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेलानिया ट्रम्प ने की।

मेलानिया ने कहा कि एआई अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसके साथ वैसा ही व्यवहार करना होगा जैसा बच्चों के साथ किया जाता है। इसे सतर्कता के साथ जिम्मेदार बनाना होगा। मेलानिया ने कहा कि हम एक खास समय में जी रहे हैं। बच्चों को इस भविष्य के लिए तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है।

पिछले महीने, मेलानिया ने के-12 ग्रेड के छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें एआई का उपयोग करके चुनौतियों का समाधान करने को कहा गया। हालांकि, उन्होंने एआई के नुकसान पर भी ध्यान दिया।

मेलानिया ने इस साल एआई-जनरेटेड डीपफेक इमेज का इस्तेमाल कर ऑनलाइन यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कानून बनाने की मांग की थी। मौसम के कारण रोज गार्डन में डिनर का प्लान बदला खराब मौसम के कारण इस डिनर का प्लान अचानक बदला था। पहले जहां ये डिनर होने वाला था, व्हाइट हाउस ने उस जगह को 'रोज गार्डन क्लब' नाम दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता डेविस इंगले ने इसे सिर्फ राजधानी वॉशिंगटन ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे आकर्षक जगह बताया। इंगले ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते थे कि रोज गार्डन का भव्य उद्घाटन किसी खूबसूरत दिन हो। इसके लिए गार्डन में बड़े बदलाव किए गए हैं। घास हटाकर उसकी जगह पत्थर बिछा दिए गए हैं, जिससे यह जगह फ्लोरिडा के मार-ए-लागो रिसॉर्ट के आंगन जैसी लगती है।

इस काम की खुद राष्ट्रपति ने कई बार जांच की और मजदूरों से मुलाकात की। एक बार तो उन्होंने मजदूरों को ओवल ऑफिस में बुलाकर फोटो भी खिंचवाई। ट्रम्प ने कहा कि रोज गार्डन बनाने में दुनिया का सबसे खूबसूरत संगमरमर और पत्थर का इस्तेमाल किया गया है।

राष्ट्रपति माइली के एजेंडे को बड़ा झटका, सीनेट में विकलांगता से लाभ पर वीटो 63-7 से खारिज

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की सीनेट ने राष्ट्रपति जेवियर माइली के विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले कानून पर लगाया गया वीटो खारिज कर दिया है। यह माइली के राष्ट्रपति पद के दौरान पहली बार कांग्रेस द्वारा उनके वीटो को उलटने वाला मामला है। उच्च सदन ने 63-7 के बहुमत से इस फैसले को मंजूरी दी, जो जरूरी दो-तिहाई से कहीं अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले इस नए कानून से देश के खर्च में बढ़ोतरी होगी, लेकिन इसके समर्थक इसे विकलांग परिवारों के जीवन के लिए जरूरी मानते हैं। सीनेटर अलेजांद्रा विगो ने कहा कि यह खर्च परिवारों के लिए जीवन और निराशा के बीच का फर्क तय करेगा। देखा जाए तो यह हार माइली के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि उनकी सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के एक मामले और कमजोर होती अर्जेंटीना की मुद्रा पेसो से जूझ रही है। खासकर, उनके करीबी लोगों पर विकलांगता एजेंसी में रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए ब्याज दरें बढ़ानी पड़ी हैं। पिछले महीने किए थे ये प्रस्ताव पास बता दें कि पिछले महीने भी सीनेट ने स्वास्थ्य सेवा और विश्वविद्यालयों पर खर्च बढ़ाने वाले दो अन्य बिल पास किए थे, जो माइली के बजट संतुलन की योजना के लिए चुनौती हैं। कई सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता 40 प्रतिशत से नीचे गिर गई है, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अर्जेंटिना में प्रांतीय चुनाव से बाजार में हलचल अर्जेंटीना में आर्थिक अनिश्चितता के बीच, रविवार को ब्यूनस आयर्स में प्रांतीय चुनाव होने जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय राजनीति पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे, लेकिन बाजारों में हलचल बढ़ा सकते हैं। कारण है कि राष्ट्रपति माइली की पार्टी 'ला लिबर्टाड अवांजा' के पास संसद में बहुत कम सीटें हैं, इसलिए उन्हें अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए और समर्थन जुटाना होगा।

92 वर्षीय मशहूर शिक्षिका रूथ पेन का अमेरिका में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर अमेरिकी शिक्षिका रूथ पेन का 92 साल की आयु में निधन हो गया है। उनका नाम 1963 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या से जुड़ा हुआ है। पेन की बेटी तामारिन लॉरेल-पेन ने गुरुवार (अमेरिकी समयानुसार) को बताया कि गत रविवार को कैलिफोर्निया के सांता रोजा में उनकी मृत्यु हो गई। 22 नवंबर 1963 को जब केनेडी का काफिला परेड मार्ग से गुजर रहा था, उसी समय तत्कालीन राष्ट्रपति की हत्या कर दी गई थी। टेक्सास स्कूल बुक डिपोजिटरी भवन से गोलियां चली थीं। पेन का नाम इसलिए चर्चा में आया क्योंकि उन्होंने ली हार्वे ओसवाल्ड और उनकी पत्नी के प्रति करुणा दिखाई थी। जिस समय केनेडी की हत्या हुई थी ओसवाल्ड अपनी पत्नी और बच्चे के साथ डलास में थे। ओसवाल्ड ने हत्या से एक रात पहले गैराज से अपनी राइफल निकाली थी। वे टेक्सास स्कूल बुक डिपोजिटरी में नौकरी करते थे। हत्या से एक रात पहले वे रूथ पेन के घर पर रुके थे। यहीं से शिक्षिका पेन का नाम चर्चा में आया।

सूडानी सरकार ने दारफुर भूस्खलन के सैकड़ों पीड़ितों को दफनाया त्र खार्तूम, एजेंसी। सूडानी अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में हाल ही में आए भूस्खलन में मारे गए सैकड़ों लोगों के शव बरामद कर उन्हें दफना दिया है। नागरिक प्राधिकरण के प्रमुख मुजीब अल-रहमान अल-जुबैर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि स्थानीय सहायताकर्मियों की मदद से सरकार 375 शवों को बरामद करने में सफल रही, लेकिन शेष अभी भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। बीती 31 अगस्त को मर्राह पर्वतों के तरासीन में कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

जेल के डर से थाईलैंड छोड़कर भागे पूर्व पीएम थाकसिन? दुबई जाने की आशंका; पांच दिन बाद होनी है सुनवाई

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां जेल जाने की आशंकाओं के बीच थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा गुरुवार को अचानक सिंगापुर जाने की बात बोलकर किसी अन्य देश के लिए रवाना हो गए। ऐसे में इस बात को लेकर चर्चा इसलिए तेज हो रही है क्योंकि पांच दिन बाद अदालत का एक अहम फैसला आना है, जिसमें अदालत थाकसिन को जेल की सजा सुना सकती है। हालांकि उनकी यह यात्रा ऐसे समय हुई जब एक हफ्ता पहले ही थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने उनकी बेटी और तत्कालीन प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया था। कोर्ट ने उन्हें कम्बोडिया के एक नेता से विवादास्पद फोन कॉल को लेकर आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया।

सिंगापुर बोलकर कहां निकल गए थाकसिन? अपनी यात्रा से पहले थाकसिन ने बैंकॉक के डॉन मुएंग एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों को बताया कि वह सिंगापुर जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ कोई गिरफ्तारी वारंट या कोर्ट ऑर्डर नहीं था, इसलिए उन्हें जाने दिया गया। हालांकि, फ्लाइट डेटा से पता चला कि उनका निजी विमान पहले सिंगापुर की ओर गया लेकिन फिर दिशा बदलकर भारत की ओर मुड़ गया। इसके बाद विमान दुबई की दिशा में उड़ता दिखा। सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिर से दुबई लौट गए हैं, जहां वह 2008 से स्वनिर्वासन में रह चुके हैं।

क्या आरोप और किस मामले में होगी जेल, समझिए थाकसिन 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री रहे। 2006 में जब वह विदेश दौरे पर थे, तब सेना ने उन्हें सत्ता से हटा दिया। 2008 में वह थाईलैंड लौटे, लेकिन भ्रष्टाचार के एक मामले में फैसले से पहले ही देश छोड़ दिया और वापस नहीं आए। इसके बाद 2023 में वह फिर थाईलैंड लौटे और आठ साल की सजा काटने पहुंचे। लेकिन उन्हें जेल के बजाय बैंकॉक के पुलिस जनरल हॉस्पिटल में रखा गया, जिससे विशेष इलाज और सुविधा मिलने के आरोप लगे। बाद में राजा ने उनकी सजा घटाकर एक साल कर दी और छह महीने बाद उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया। अब अदालत यह तय करेगी कि उन्हें मिली विशेष सुविधाएं नियमों के तहत थीं या नहीं। अगर थाकसिन को इन फैसलों में मिली छूट में उनकी मिलीभगत पाई गई, तो उन पर नए आरोप लग सकते हैं और वे फिर से जेल जा सकते हैं। राजनीतिक युग का अंत? गौरतलब है कि थाईलैंड की संसद अब नई सरकार के लिए प्रधानमंत्री चुनने वाली है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह थाकसिन और उनके राजनीतिक नेटवर्क के 20 साल लंबे प्रभाव के अंत की शुरुआत हो सकती है। थाकसिन पर पहले भी कई मामलों में मुकदमे चल चुके हैं, जिनमें वह खुद को हमेशा राजनीति का शिकार बताते रहे हैं। पिछले महीने अदालत ने उन्हें राजद्रोह के एक बड़े मामले में बरी कर दिया था, जिससे उन्हें 15 साल की सजा हो सकती थी।

कांटे की टक्कर में तीसरी बार चुने गए जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस, मुख्य विपक्षी उम्मीदवार ने हार मानी

किंग्सटन (जमैका), एजेंसी। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने संसदीय चुनाव में एक कड़े मुकाबले में गुरुवार को तीसरी बार जीत हासिल की। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ, जब देश भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने 34 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी नेता मार्क गोल्डिंग की पीपुल्स नेशनल पार्टी को 29 सीटों पर जीत हासिल हुई। गोल्डिन एक संक्षिप्त भाषण में अपनी हार स्वीकार की और कहा कि उन्हें नतीजों से निराशा हुई है, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की जीत को स्वीकार किया और उसे उनकी सफलता माना।

आम चुनाव में केवल 38.8 फीसदी रहा मतदान : जमैका में बुधवार को आम चुनाव हुए, जिनमें जमैका प्रोग्रेसिव पार्टी, यूनाइटेड इंडिपेंडेंट्स कांग्रेस और नौ निर्दलीय उम्मदीवारों ने भी हिस्सा लिया। इन उम्मीदवारों ने अलग-अलग क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मतदान प्रतिशत केवल 38.8प्रतिशत रहा, जो 2020 में महामारी के दौरान हुए चुनाव के मुकाबले थोड़ा ही ज्यादा है।

वोट डालने के पात्र हैं कुल 20 लाख पंजीकृत मतदाता : जमैका की कुल आबादी 28 लाख है, जिसमें से केवल 20 लाख पंजीकृत मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। जमैका की संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा की कुल 63 सीटों पर चुनाव हुआ। जिस पार्टी को बहुमत मिलता है, उसका नेता देश का अगला प्रधानमंत्री बनता है। इसके बाद नया प्रधानमंत्री संसद के ऊपरी सदन यानी सीनेट में 21 में से 13 सदस्यों को नियुक्त करता है, जबकि विपक्ष आठ सदस्यों का चयन करता है।

मौजूदा सरकार में अपराध में आई कमी : होलनेस के नेतृत्व में इस साल अब तक जमैका में हत्या के मामलों में 43 प्रतिशत की कमी आई है, जो पिछले कई दशकों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। जमैका में अपराध इसलिए कम हुए हैं क्योंकि सरकार ने गैरकानूनी हथियारों को पकड़ना शुरू किया और देशभर में पुलिस व सुरक्षा बलों की सख्त तैनाती की। जमैका लेबर पार्टी ने इसी उपलब्धि के आधार पर प्रचार किया और खुद को ऐसी सरकार के रूप में पेश किया जिसने देश को बड़े पैमाने पर हिंसा की ओर बढ़ने से रोका। हालांकि अपराध के आंकड़ों में सुधार हुआ है, फिर भी जमैका के हिंसक इतिहास की छाया अभी भी महसूस होती है। मौजूदा सरकार ने कुछ क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने जैसे कदम उठाए, जिसको लेकर जनता में मिली-जुली प्रतिक्रिया थी। कुछ ने इसका समर्थन किया और कुछ ने आलोचना की। निजी क्षेत्र और कई आम जमैका वासियों ने इन कदमों की सराहना की है, खासकर उन इलाकों में जहां हत्याओं की संख्या में 70 फीसदी तक की कमी आई है।

नेपाल में बड़ा डिजिटल स्ट्राइक, फेसबुक-यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सरकार ने फेसबुक, ट्विटर (एक्स), यूट्यूब समेत कुल 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद करने का फैसला किया है। यह निर्णय मंत्रि परिषद की बैठक तथा सुप्रीम कोर्ट के परमादेश के कार्यान्वयन स्वरूप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को लिया। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय में हुई बैठक में नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिए पत्राचार किया गया है।

यदि ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नेपाल में आधिकारिक रूप से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करते हैं तो उन्हें क्रमशः पुनः संचालन की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बिना अनुमति संचालित सोशल मीडिया, ओवर द टॉप एप्स और इंटरनेट ब्राउजर के माध्यम से विज्ञापन सहित प्रसारित सामग्री पर रोक लगाने तथा इनके नियमन हेतु आवश्यक कानून बनाने का आदेश सरकार को दिया था। जस्टिस टेकप्रसाद ढुंगाना और जस्टिस शांति सिंह थापा की पीठ ने बुधवार को यह परमादेश जारी करते हुए कहा था कि विदेशी प्रसारण संस्थाओं को नेपाल में प्रसारण के लिए अनुमति लेनी होगी तथा सरकार को इसके लिए कानून निर्माण करना अनिवार्य है।

सीनेट समिति की केनेडी से पूछताछ, कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का किया बचाव किया; ट्रंप बोले- उसकी नीयत अच्छी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर को गरुवार को सीनेट की समिति के सामने तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। तीन घंटे तक चले सवाल-जवाब में केनेडी ने कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का बचाव किया। उन्होंने उन आरोपों पर भी सफाई दी, जिनमें कहा जा रहा था कि उनके फैसलों से संघीय स्वास्थ्य एजेंसियों में अशांति फैल गई है। केनेडी ने समिति को बताया कि उन्हें रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की पूर्व निदेशक पर भरोसा नहीं था। उन्होंने वैक्सीन के खिलाफ अपने पुराने बयानों को जायज ठहराया और उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा जा रहा था कि कोरोना वैक्सीन लेने से लोगों को परेशानी हो रही है। केनेडी लंबे समय से वैक्सीन विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य नीतियों और वैज्ञानिक शोध के लिए जिम्मेदार एजेंसियों में बड़े बदलाव किए हैं। इनमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी, वैज्ञानिक सलाहकारों को हटाना और वैक्सीन से जुड़े दिशानिर्देशों में बदलाव करना भी शामिल है। उनके इन कदमों से कई डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों की स्वास्थ्य संस्थाओं की चिंता बढ़ गई है। कई चिकित्सा संगठनों और कांग्रेस (संसद) के डेमोक्रेट सांसदों ने केनेडी को पद से हटाने की मांग की है। समिति के सामने पूछताछ के दौरान डेमोक्रेट सांसदों और केनेडी के बीच तीखी बहस हुई। हालांकि, कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने भी कोविड नीति में बदलाव पर चिंता जताई। रिपब्लिकन सांसदों ने याद दिलाया कि केनेडी ने एक ओर तो ट्रंप को ऑपरेशन वार्प स्पीड (कोविड वैक्सीन को तेजी से विकसित करने और उसे लोगों तक पहुंचाने का सरकारी कार्यक्रम) के लिए नोबेल पुरस्कार का हकदार बताया था। वहीं, दूसरी ओर एमआरएनए वैक्सीन की सुरक्षा और इस्तेमाल पर सवाल उठाए थे। यानी केनेडी एक तरफ ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं और दूसरी दरफ उसी वैक्सीन पर सवाल उठा रहे हैं, जो ट्रंप की सरकार में बनाई गई थी। नॉर्थ कैरोलिना से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद थॉम टिलिस ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि आप ऑपरेशन वार्प स्पीड का समर्थन करते हैं या विरोध। टिलिस और अन्य सांसदों ने केनेडी से पूछा कि हाल ही में सीडीसी की नई निदेशक को क्यों हटाया गया, जबकि वह केवल एक महीने पहले पद पर आई थीं। केनेडी ने जवाब दिया कि निदेशक ईमानदार नहीं थीं और उनके समर्थन में इस्तीफा देने वाले सीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी पद छोड़ने लायक थे। इन सांसदों ने सीडीसी की लॉकडाउन और मास्क लगाने जैसी नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि ये कदम बीमारी को रोकने में विफल रहे। केनेडी ने कहा, जिन अधिकारियों ने केवल बच्चों को मास्क पहनाए, स्कूल बंद किए, उन्हें अब एजेंसी बाहर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन अधिकारियों ने क्रोनिक बीमारियों को रोकने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा बाद में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें केनेडी पर पूरा भरोसा है, तो राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने यह पूछताछ नहीं देखी, लेकिन उनका मानना है कि केनेडी की नीयत अच्छी है। ट्रंप ने कहा, उनका अलग दृष्टिकोण है, लेकिन हमें हर दृष्टिकोण को देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह पारंपरिक बातें नहीं हैं औ यह स्वास्थ्य से जुड़ी हुई हैं।

कांगो में इबोला का संक्रमण फैला, 15 की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि वहां इबोला का संक्रमण फैल गया है और इसकी चपेट में आए 28 लोगों में से 15 लोगों की मौत हो गई है। कांगो में 16वीं बार है, जब इबोला का संक्रमण फैला है। इस बीमारी में मृत्यु दर करीब 53 प्रतिशत है, जो हालात की गंभीरता दर्शाती है। कांगो के बौलापे में इबोला से 14 और म्वेका में एक मरीज की मौत हुई है। मरने वालों में चार स्वास्थ्यकर्मी हैं। इबोला के लक्षणों में बुखार, उल्टी, दस्त और भारी रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दिए। इबोला वायरस बेहद संक्रामक है और उल्टी, रक्त या वीर्य जैसे शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैल सकता है। इससे संक्रमित मरीज की जान जाने का खतरा रहता है।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, ची, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2579

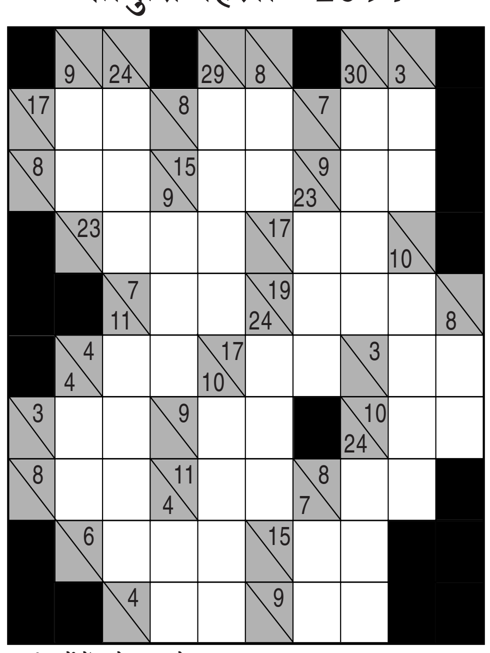

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

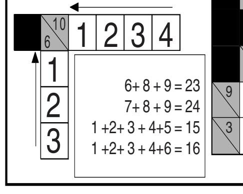

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -2578 का हल

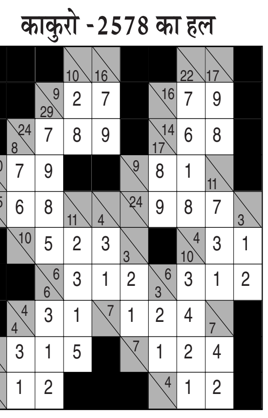

लॉफिंग ज़ोन

सुरेश महिला संघ में भाषण दे रहा था . विषय था-बढ़ती हुई आबादी! सुरेश ने कहा-'आज हालत यह है कि दुनिया में हर मिनट पर कोई न कोई महिला एक बच्चे को पैदा कर रही है,आप ही बताइए कि ऐसी हालत में क्या किया जाये?'

तुरन्त एक सदस्य खड़ी हुई और बोली-'मेरे हिसाब से सबसे पहले ऐसी महिला का पता लगाया जाय और फिर उसे ऐसा करने से रोका जाए.'

☺ ☺ ☺

मां ने अपने सब बच्चों को इकट्ठा करके कहा कि जो सप्ताह भर में सबसे ज्यादा आज्ञाकारी साबित होगा, उसे हर सप्ताह के अन्त में मेरी ओर से एक अच्छा पुरस्कार दिया जायेगा.

सब बच्चों ने एक साथ इस प्रस्ताव का विरोध किया. उनका कहना था कि हर बार वह अच्छा पुरस्कार पिताजी के सिवा और किसी को नहीं मिलेगा.

☺ ☺ ☺

एक हीरोइन ने जब चौथी बार शादी की तो पार्टी के बाद दोस्तों के बीच घिरी हुई वह बताने लगी-'अपने नए पति को मैंने सब कुछ बता दिया है. सारे दोस्तों और प्रेमियों के नाम गिना दिये हैं.'

एक ने कहा-'क्या हिम्मत है!'

दूसरा बोला-'क्या ईमानदारी है!'

तीसरे ने फब्ती कसी-'और क्या याददाश्त है ?'

फिल्म वर्ग पहेली- 2579

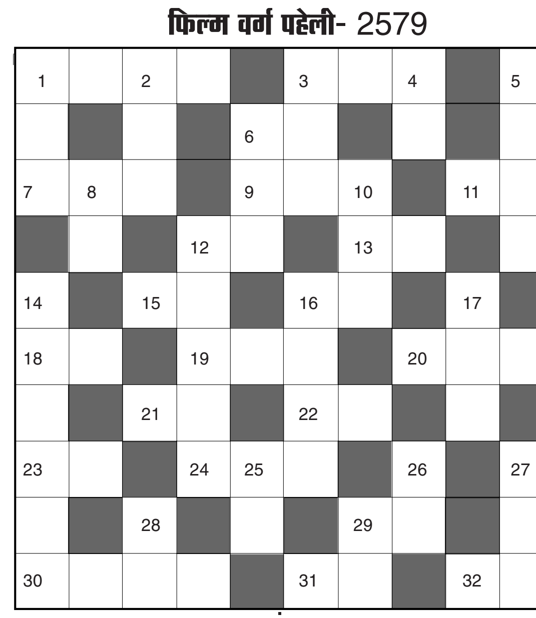

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2578

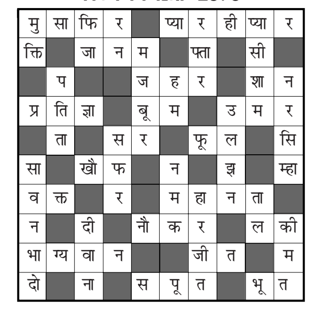

सूडोकु -2579

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2578 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 2579

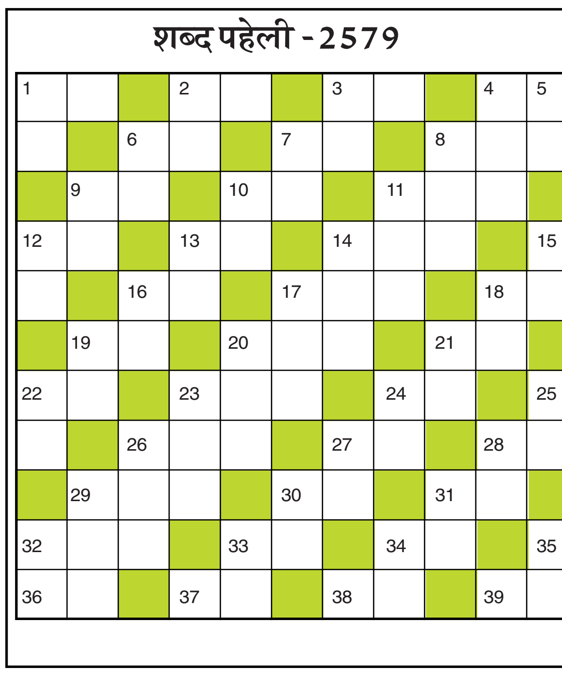

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2578 का हल

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के सीमावर्ती इलाके में मुठभेड़ में एक महिला नक्सली ढेर, शव बरामद

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिले के सीमावर्ती अबूझमाड़ इलाके में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया। मारे गये नक्सली का शव बरामद कर लिया गया है। कई और नक्सलियों के मारे जाने और घायल होने की आशंका व्यक्त की गई है। इलाके का सर्चिंग अभियान अभी भी जारी है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि जिला नारायणपुर, दंतेवाड़ा के सीमावर्ती के पूर्व में बस्तर डिवीजन क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर सुरक्षाबलों की दंतेवाड़ा और नारायणपुर की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की टीम संयुक्त अभियान पर निकली थी। इसी दौरान आज दोपहर नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें एक महिला नक्सली को मार गिराया गया। उन्होंने बताया कि अब तक की सर्चिंग कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से एक महिला नक्सली के शव के साथ 303 रायफल, 2 बीजीएल लांचर हथियार सहित अन्य दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया गया है। चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए अभियान में शामिल जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। अभियान पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया जाएगा।

मप्र के इंदौर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के विमान की आपात लैंडिंग, इंजन में आई थी खराबी

इंदौर/भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित देवी अहिल्या बाई होल्कर अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया की दिल्ली-इंदौर फ्लाइट की आपात लैंडिंग हुई। यह आपातकालीन लैंडिंग इंजन में तकनीकी खराबी के चलते कराई गई। इस विमान में 161 यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित उतार लिया गया है। फिलहाल, विमान एयरपोर्ट पर खड़ा है और तकनीकी टीम सुधार कार्य में जुटी हुई है। एयरपोर्ट के अधिकारियों के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-1104) सुबह 6:40 बजे दिल्ली से उड़ान भरती है और यह सामान्य रूप से 8:15 बजे इंदौर पहुंचती है। हालांकि सुबह यह फ्लाइट अपने निर्धारित समय से देर से 8ः28 बजे दिल्ली से रवाना हुई। इस विमान में कुल 161 यात्री सवार थे। जब यह विमान इंदौर एयरपोर्ट की ओर बढ़ रहा था, तभी इसके बाएं इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। इस स्थिति की जानकारी पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद एटीसी ने एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग की घोषणा करते हुए अलर्ट जारी कर दिया। एहतियात के तौर पर रनवे के आसपास फायर ब्रिगेड, रेस्क्यू टीम और एम्बुलेंस सहित सभी आवश्यक टीमें तैनात कर दी गई।

जदयू ने 'तेजस्वी' को किया 'डीकोड', बताया 'अयोग्य' और 'अहंकारी'

पटना। बिहार में इस साल होने वाले चुनाव को लेकर अभी रणभेरी नहीं बजी है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुरू बयानबाजियों से प्रदेश का सियासी पारा गर्म है। कोई भी पक्ष एक-दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहता। इस बीच, जदयू ने बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के अंग्रेजी नाम को डिकोड कर जोरदार निशाना साधा है। दरअसल, तेजस्वी यादव बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बीमार, कमजोर और असक्षम बताते रहे हैं। इसके जवाब में जदयू के मुखर प्रवक्ता नीरज कुमार ने शनिवार को एक वीडियो बयान जारी कर जोरदार पलटवार किया है। जदयू के प्रवक्ता और बिहार के पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट डालकर तेजस्वी यादव के नाम के एक-एक लेटर को डिकोड किया है। इस पोस्ट के जरिए नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष को उपद्रवी, भगोड़ा, जलनखोर, घमंडी, ढोंगी, स्वार्थी, बेकार और अयोग्य जैसी उपमा से उनके नाम को जोड़ा है। उन्होंने तेजस्वी को अहंकारी बताया। जदयू प्रवक्ता ने तेजस्वी यादव पर कर्पूरी ठाकुर को अपमानित करने की भी बात कही है।

लैंडस्लाइड से एनएच और भरमौर की सड़कें बंद, यातायात प्रभावित

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भूस्खलन ने एक बार फिर जनजीवन को प्रभावित किया है। बत्ती के हट्टी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है, जिससे यातायात ठप्प पड़ गया है। आम लोगों को इस वजह से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मौके पर पहुंचे विधायक जनकराज ने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को तुरंत सड़क खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित विभाग दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द राहत मिल सके इसके अलावा, भरमौर क्षेत्र में भी कई जगहों पर भूस्खलन की वजह से सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। लोग अपनी सुरक्षा को खतरे में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी और पत्थर गिर रहे हैं, जिससे सड़कें खतरनाक हो गई हैं। उनका कहना है कि यह स्थिति उनके दैनिक जीवन को मुश्किल बना रही है। विधायक जनकराज ने लोगों से धैर्य रखने की अपील की और बताया कि प्रशासन पूरी ताकत के साथ सड़कों को बहाल करने में जुटा है। उन्होंने कहा कि मशीनरी और कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह में जितेंद्र सिंह ने की आपदा प्रबंधन और हिमालयी अध्ययन पर शोध बढ़ाने की अपील

एजेंसी

रुड़की। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईआईटी रुड़की को एशिया का पहला इंजीनियरिंग कॉलेज और अनुसंधान, नवाचार व सामाजिक सहभागिता का आदर्श बताते हुए आपदा प्रबंधन, एरोमैटिक इकॉनमी और हिमालयी अध्ययन जैसे नए क्षेत्रों में शोध बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगली औद्योगिक क्रांति जैव प्रौद्योगिकी से प्रेरित होगी। डॉ. सिंह ने साल 1847 में स्थापित इस संस्थान के दीक्षांत समारोह में कहा कि हाल ही में जारी राष्ट्रीय नवाचार ढांचा (एनआईएफ) रेटिंग में आईआईटी रुड़की देश में छठे स्थान पर रहा है, जो सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आईआईटी रुड़की के 240 स्टार्टअप्स की तारीफ की, जो देश के 1.7 लाख स्टार्टअप्स का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि 50 फीसदी स्टार्टअप छोटे शहरों से उभर रहे हैं, जो अवसरों के लोकतंत्रीकरण को दर्शाता है। उन्होंने संस्थान के 9 उत्कृष्टता केंद्रों और आपदा जोखिम व स्थिरता पर काम की सराहना करते हुए कहा कि हिमालय में इसकी स्थिति इसे आपदा प्रबंधन और विकास में अहम बनाती है। उन्होंने आईआईटी रुड़की को लगातार चौथे साल भारतीय उद्योग परिसंघ का सर्वाधिक नवोन्मेषी संस्थान पुरस्कार और एसटीईएम में महिलाओं की उत्कृष्टता के लिए गतिशक्ति अचीवर पुरस्कार मिलने पर बधाई भी दी। मंत्री ने निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत और उप निदेशक प्रो. यूपी सिंह के नेतृत्व की तारीफ की, जो संस्थान को शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों से उद्योगों के साथ जल्दी जुड़ने और स्टार्टअप मानसिकता अपनाने पर जोर देते हुए कहा जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत में अवसरों का सबसे अच्छा समय है। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. बीवीआर मोहन रेड्डी और छात्र मौजूद थे।

गैरतेलुगु हिडमा मडावी को नक्सल आंदोलन में बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी

गडचिरोली। नक्सल आंदोलन में नेतृत्व के स्तर पर बड़े फेरबदल की चर्चा हो रही है। कुख्यात नक्सली कमांडर हिडमा मडावी को दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है। यदि यह नियुक्ति तय हो जाती है, तो हिडमा इस पद पर विराजमान होने वाला पहला गैरतेलुगु नक्सली नेता होगा। पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आमी के बटालियन कमांडर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले हिडमा की यह पदोन्नति नक्सली संगठन में महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव का संकेत मानी जा रही है। हालांकि इस पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गुप्त रूप से इसकी पुष्टि की है। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना की सीमाओं से सटे दंडकारण्य क्षेत्र में नक्सल आंदोलन का प्रभाव आज भी बरकरार है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई और

अभियानों के कारण नक्सली संगठनों की ताकत में कमी आई है। अप्रैल 2025 में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान करेगुट्टा क्षेत्र में 31 नक्सली मारे गए थे। इसके बाद मई 2025 में अबुज़माड़ में हुई मुठभेड़ में नक्सल आंदोलन के वरिष्ठ नेता बसवराज उर्फ नंबाला केशव राव की मौत हो गई। इन घटनाओं ने नक्सल नेतृत्व में अस्थिरता पैदा कर दी थी, और इसी पृष्ठभूमि में हिडमा की नियुक्ति की चर्चा तेज हुई है।

न्यायाधीश चंद्रशेखर ने बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने राजभवन में मुंबई उच्च न्यायालय के प्रभारी मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, राज्य प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल, लोकायुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विद्यासागर कानडे के साथ-साथ राजस्थान, झारखंड, दिल्ली, इलाहाबाद, कर्नाटक और बॉम्बे उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और सेवानिवृत्त न्यायाधीश उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के बाद, राज्यपाल और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर का जन्म 25 मई 1965 को हुआ था। उन्होंने 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और 9 दिसंबर 1993 को दिल्ली राज्य बार काउंसिल में वकील के रूप में नामांकन कराया। उन्होंने दिल्ली में आपराधिक और दीवानी दोनों मामलों में अपनी वकालत शुरू

की। अपने 19 साल के कानूनी करियर में, उन्होंने विभिन्न अदालतों में लगभग 3500 मामलों में बहस की, जिनमें से अधिकांश सर्वोच्च न्यायालय में थे। सर्वोच्च न्यायालय के 140 ऐसे फैसले प्रकाशित हुए हैं जिनमें वे एक वकील के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और झारखंड राज्य के लिए स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। उन्होंने बिहार राज्य आवास बोर्ड, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कई अन्य निगमों और संस्थानों का भी प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा, वे कुछ निजी कंपनियों के लिए स्थायी वकील भी रहे। उन्हें 17 जनवरी 2013 को झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में और 27 जून 2014 को झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के स्थाई न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

पश्चिम बंगाल के सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो रही द बंगाल फाइल्स, निर्देशक ने जताया आक्रोश

एजेंसी

कोलकाता। विवेक अग्निहोत्री की नई फिल्म च्द बंगाल फाइल्स' रिलीज के दिन ही पश्चिम बंगाल के सिनेमाघरों में दर्शकों तक नहीं पहुंच सकी। निर्देशक ने इसे राजनीतिक दबाव और धमकियों का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म पर एक तरह का च्गैर-सरकारी प्रतिबंध'' लगाया गया है। अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि च्यह फिल्म अब लोगों की हो चुकी है, लेकिन पश्चिम बंगाल और पाकिस्तान को छोड़कर हर जगह प्रदर्शित की जा रही है।'' उन्होंने कहा, च्एक समय था जब गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने भयमुक्त बंगाल का सपना देखा था, लेकिन आज का बंगाल इस फिल्म को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। सरकार ने च्द बंगाल फाइल्स' पर रोक लगाकर उसे दबाने की कोशिश की है।''

फिल्म की निर्माता एवं अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को संबोधित एक खुला पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सिनेमाघर मालिकों को धमकाया जा रहा है। उनके अनुसार, च्हॉल मालिक कह रहे हैं कि अगर फिल्म दिखाई तो सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं से हिंसा का

खतरा है।'' च्द बंगाल फाइल्स' अग्निहोत्री की फाइल्स ट्रायोलॉजी की अंतिम कड़ी है। इसमें 1946 के कोलकाता दंगे, मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन डे, उसके बाद नोआखाली की त्रासदी और विभाजन के दर्द को दिखाया गया है। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, सास्वत चटर्जी, दर्शन कुमार और सौरव दास ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि, पूर्वी भारत मोशन पिक्चर एसोसिएशन ने कहा कि हॉल मालिक अपनी सुविधा के अनुसार फिल्में चुनते हैं। कोलकाता के नविना सिनेमा के मालिक नवीन चोकानी ने बताया कि उनके हॉल में पहले से च्बागी 4' और बंगाली फिल्म च्धूमकेतु' लगी हुई है, इसलिए नई फिल्म को जगह देना संभव नहीं है। मेनोका सिनेमा में च्द कंज्यूरिंगः लास्ट राइट्स' और च्बहुरूपी' दिखाई जा रही है। प्रिय सिनेमा के मालिक अरिजित दत्ता ने भी कहा कि च्हमारे पास च्बागी 4' और दो बंगाली फिल्में पहले से चल रही हैं। इसलिए च्द बंगाल फाइल्स' के लिए कोई स्लॉट नहीं है।''

इससे पहले 17 अगस्त को कोलकाता के एक होटल में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च रोक दिया गया था। उस वक्त तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरोप लगाया था कि अग्निहोत्री च्भाजपा के राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए समाज में विभाजन की कोशिश कर रहे हैं।'

सीएम योगी का ऐलानः प्रदेश के नौ लाख शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस इलाज सुविधा

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों शिक्षकों को बड़ी सौगात दी है। प्रदेश के सभी शिक्षक अब कैशलेस इलाज सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा न सिर्फ प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए होगी, बल्कि शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों तक को कवर करेगी। मुख्यमंत्री योगी राजधानी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान, टैबलेट वितरण और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसी भी बीमारी या आपातकालीन स्थिति में शिक्षकों और

उनके परिजनों को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस ऐतिहासिक फैसले से लगभग नौ लाख शिक्षक परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कैशलेस इलाज व्यवस्था को शिक्षकों के योगदान के प्रति सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर के शिक्षकों से यही कहूंगा कि आप लोग अच्छा करिए हम आपके साथ में है। शिक्षक दिवस पर आप सबके मन में होगा कि और क्या हो सकता है। हम आज घोषणा करना चाहते हैं और वह यह कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को हम कैशलेस उपचार की व्यवस्था का लाभ देंगे। इसके साथ ही शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोईया को भी हम इसके साथ जोड़ेंगे। यानी इस सुविधा का लाभ उत्तर प्रदेश के लगभग 9 लाख शिक्षकों यानी 9 लाख परिवारों को मिलेगा। बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग जल्द से जल्द सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करके एक समय सीमा के अंदर कैशलेस उपचार की सुविधा देने के लिए कार्य करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय को बढ़ाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार जल्द ही इस पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

लोकप्रिय अभिनेता आशीष वारंग का निधन

एजेंसी

मुंबई। मनोरंजन जगत से जुड़ी एक बेहद दुखद खबर ने सभी को गमगीन कर दिया। हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय और बहुमुखी कलाकार आशीष वारंग का आज निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे और मुंबई के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आते ही पूरे फिल्म जगत और प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर लोग उनके योगदान को याद करते हुए भावुक श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। आशीष वारंग ने अपने अभिनय सफर में कई बड़ी फिल्मों में अपनी खास छाप छोड़ी थी। उन्होंने अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म 'दृश्यम' में काम किया था। इस फिल्म में उनके अभिनय को आलोचकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की। इसके अलावा, वह रोहित शेट्टी निर्देशित 'सूर्यवंशी' का भी हिस्सा रहे, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में थे। उनकी अभिनय यात्रा यहीं खत्म नहीं होती। आशीष ने जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर की थ्रिलर फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में भी अहम किरदार निभाया। वहीं, रानी मुखर्जी की चर्चित फिल्म 'मर्दानी' में उनका रोल दर्शकों को लंबे समय तक याद रहा। आशीष उन अभिनेताओं में से थे जो चाहे सशक्त सहायक भूमिका हो या छोटी-सी झलक, अपने दमदार अभिनय से हर किरदार को जीवंत बना देते थे। आशीष वारंग का यूं अचानक दुनिया से विदा हो जाना न सिर्फ उनके परिवार और चाहने वालों के लिए बल्कि पूरे बॉलीवुड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। फिल्म इंडस्ट्री ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है।

मप्र के विदिशा में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने की बाढ़ वाले भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना

एजेंसी

विदिशा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के प्रवास के दौरान सपत्नीक प्रसिद्ध बाढ़ वाले श्री गणेश मंदिर में पहुंचकर गणेशोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की और आरती में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री चौहान ने अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान के साथ भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना की एवं भजन कार्यक्रम में भी शामिल होकर भजन गाए। वे यहां आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम में भी शामिल हुए और आहुतियां डालीं। इस दौरान उन्होंने गणेशोत्सव के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में ही आयोजित अखंड रामायण पाठ में शामिल होकर जगत के मंगल और कल्याण की प्रार्थना की। केंद्रीय मंत्री चौहान रंगई स्थित भगवान श्री गणेश के मंदिर में आयोजित विशाल भंडारे में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने भंडारे में कन्याओं को भोजन प्रसादी भी परोसी। भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के उपरांत केंद्रीय मंत्री चौहान

ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए सभी मित्रों, बहनों-भाइयों और भांजे-भांजियों से कहा कि हमारे जितने भी धर्म केंद्र हैं, उन्हें समाज सेवा और समाज सुधार का माध्यम भी बनना चाहिए। सेवा के बिना धर्म अधूरा है। लोगों की सहायता करना, सहयोग करना, मदद करना ही असली भगवान की पूजा है। उन्होंने नशा मुक्त समाज बनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। आज हमें नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना है, नशा नाश की जड़ है। इस दौरान उन्होंने स्वदेशी चीज अपनाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश में बनी वस्तुएं ही खरीदना चाहिए, ताकि हम देश-दुनिया का मुकाबला कर सकें, देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो और हमारे देश के गरीब लोगों को भी रोजगार मिल सके।

अयोध्या की रामलीला में मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका विश्वकर्मा बनेंगी सीता

अयोध्या। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करा चुकी मनिका विश्वकर्मा के हाथ एक और बड़ी उपलब्धि लगी है। मनिका अयोध्या में होने वाली सितारों की रामलीला में सीता की भूमिका निभाएंगी। मनोज तिवारी, रवि किशन, पुनीत इस्सर और रजा मुराद जैसे कई जाने-माने अभिनेता इस रामलीला का हिस्सा बनेंगे। 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राम कथा पार्क में आयोजित होने वाली इस रामलीला में देश-विदेश के दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलने वाला है। रामलीला के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और संस्थापक महासचिव शुभम मलिक ने जानकारी दी कि इस बार विश्व की सबसे बड़ी रामलीला में दर्शकों को और भी शानदार प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। पिछले वर्ष इस रामलीला को रिकॉर्ड तोड़ 45 करोड़ लोगों ने देखा था, जो अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है।दुनिया के कोने-कोने से इसे देखने वाले दर्शक इसे खास और अद्वितीय बनाते हैं।

भगवान महावीर के विचार आज भी देश-दुनिया में यथार्थ : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

एजेंसी

अशोक नगर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान महावीर के विचार आज भी देश-दुनिया में यथार्थ(उचित)हैं। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व का विशेष महत्व है। जैन समाज ही नहीं बल्कि सृष्टि पर रहने वाले हर व्यक्ति को पर्युषण पर्व के महत्व को समझना चाहिए। हमारे जीवन के अंदर हम नैतिकता, क्षमा, करूणा लाएं और अपने जीवन के अंदर हमेशा सत्य, अहिंसा और करुणा का भाव रखें। पर्युषण पर्व के दस लक्षण हैं। उन्होंने कहा कि सबके साथ एक जैसा भाव, हमेशा कल्याण का भाव होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में दिगम्बर मुनि सुधा सागर महाराज के 32वें श्रावक संस्कार शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनी आत्मा के कल्याण के लिए आत्मविशेषण हो, आत्मचिंतन-आत्मशुद्धि हो। इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उसके बाद क्षमा क्रोध, लोभ, मोह सब त्याग करना। कितना भी क्रोध हो, उसका त्याग करना चाहिए। भगवान महावीर के विचार आज भी देश-दुनिया में यथार्थ हैं। तीर्थंकर भगवान महावीर ने कहा था

कि सत्य, अहिंसा और शांति ही दुनिया का संदेश है। आज अंहिसा और शांति ही दुनिया के लिए संदेश है। उसी संदेश को हम देश-दुनिया में पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। जैन दर्शन आज दुनिया का दर्शन बन चुका है। लोकसभा अध्यक्ष ने इससे पहले शिविर में शामिल होकर यहां निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागर महाराज से श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि आचार्य परम्परा के गौरव राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्रीश्री 108 सुधासागर महाराज के चरणों में नमस्तु नमस्तु। आचार्यश्री जहां भी जाते हैं, जिस नगर से गुजरते हैं, जिस शहर-गांव से निकलते हैं, वह सारा क्षेत्र धर्ममय हो जाता है। गुरू के इन चरणों की इस माटी से ही उस क्षेत्र की जनता में आध्यातमिक, धर्म, संस्कृति की नैतिकता का प्रभाव हो जाता है। उन्होंने कहा कि देशभर से आए 32वें श्रावक संस्कार शिविर में सभी भक्तों में प्रणाम करता हूं। हम सबको आचार्य जी के चरणों में नमन करने का सौभाग्य मिला है। आचार्य जी की कृपा है कि समय समय पर आशीर्वाद देते हैं, हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद, मार्गदर्शन, उनका ज्ञान मुझे हमेशा नई दिशा एवं प्रेरणा देता है। अभी भी गुरूदेव ने मुझे ज्ञान दिया, जो दायित्व आपका है, वह कैसा होना चाहिए। निष्पक्ष, निर्बाध एवं संभव होना चाहिए। हम सब जब गुरु के चरणों में जाते हैं तो गुरू की तप-तपस्या उनके जीवन ही हमारे लिए जीवंत पाठशाला है। उनका दर्शन ही हमारे जीवन का पाठशाला है। उनका दर्शन मिल जाए, उनके मुख से हमें वाणी मिल जाए। उन्होंने कहा कि निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागर महाराज का आशीर्वाद सदा बना रहे।

मिथुन चक्रवर्ती ने तृणमूल नेता कुणाल घोष पर किया 100 करोड़ का मुकदमा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2026 में आसन्न विधान सभा चुनाव को लेकर दो प्रमुख दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) लगातार एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला अभिनेता से नेता बने बालीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती और तृणमूल के पूर्व राज्यसभा सांसद कुणाल घोष के बीच देखने को मिला। भाजपा नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष पर 100 करोड़ रुपये का मानहानि मामला दायर किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कुणाल ने साफ कर दिया है कि वे इस मामले से घबराने वाले नहीं हैं, बल्कि इसे उसी तरह लड़ेंगे जैसे उन्होंने सारदा चिटफंड जांच के दौरान किया था। उन्होंने इसे च्राजीव कुमार मॉडल' नाम दिया है।

साल 2019 में सारदा घोटाले की जांच के दौरान कुणाल घोष ने सीबीआई से आग्रह किया था कि उन्हें तत्कालीन पुलिस आयुक्त राजीव कुमार के आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाए। सीबीआई ने उनकी मांग मान ली और शिलॉन्ग में दोनों की आमने-सामने पूछताछ हुई। अब वही तरीका अपनाने की बात कुणाल मिथुन मामले में भी कह रहे हैं। कुणाल का कहना है, मैं अदालत से कहूंगा कि मुझे मिथुन दा के आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाए। वहां सीबीआई के एसपी भी मौजूद रहें। मेरे पास ऐसे गवाह हैं जो कोर्ट में पेश होकर मिथुन दा की स्थिति कमजोर कर देंगे। मिथुन चक्रवर्ती का आरोप है कि कुणाल घोष ने राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से उनके और उनके परिवार के खिलाफ झूठे और आपत्तिजनक बयान दिए। मिथुन ने कहा है कि कुणाल ने उन्हें चिटफंड कांड से जोड़ते हुए बदनाम किया, यह भी कहा कि उन्होंने तृणमूल छोड़कर भाजपा का दामन केवल खुद को बचाने के लिए थामा। मिथुन का यह भी आरोप है कि कुणाल ने उनके बेटे को बलात्कार मामले से जोड़कर झूठ फैलाया और उनकी पत्नी पर भी गलत वित्तीय लेन-देन का आरोप लगाया, जबकि ये सभी बातें पूरी तरह झूठी हैं। मानहानि का नोटिस अभी तक कुणाल को नहीं मिला है, लेकिन वे दस्तावेज तैयार करने में जुट गए हैं।

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले बीसीसीआई सचिव, हमें केंद्र सरकार की बात का पालन करना होगा

गुवाहाटी (असम)(एजेंसी)। दुबई में 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर चल रही आलोचनाओं के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में जारी नीति का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसी भी ऐसे देश के साथ बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता।

टूर्नामेंट में भारत के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने पर नाराजगी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ गुस्से से उपजी है, जिसमें इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मुकाबले को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और मैच का बहिष्कार करने का सुझाव भी दिया है। अगस्त में केंद्र सरकार ने खेल आयोजनों में भारतीय एथलीटों के पाकिस्तानी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से निपटने के लिए एक नीति में संशोधन किया था। नीति के अनुसार भारत को बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन वह द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से परहेज करेगा।

सैकिया ने बताया, 'जहां तक BCCI का सवाल है, हमें केंद्र सरकार द्वारा औपचारिक रूप से तय की गई हर बात का पालन करना होगा। हाल ही में, किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी के संबंध में हमारी जो नीति लागू हुई है, उसके अनुसार केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, चाहे हम उन देशों के साथ खेलें जिनके भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'चूंकि ICC कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें खेलना होगा। और साथ ही किसी भी ICC टूर्नामेंट के लिए जब कोई देश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता है, तो हमें अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलना होगा। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों का सवाल है, हम अपने किसी भी विरोधी देश के साथ नहीं खेलने जा रहे हैं।'

मिशेल स्टार्क ने टी20आई क्रिकेट से संन्यास की वजह बताई, मैं इसको लेकर असमंजस में था...

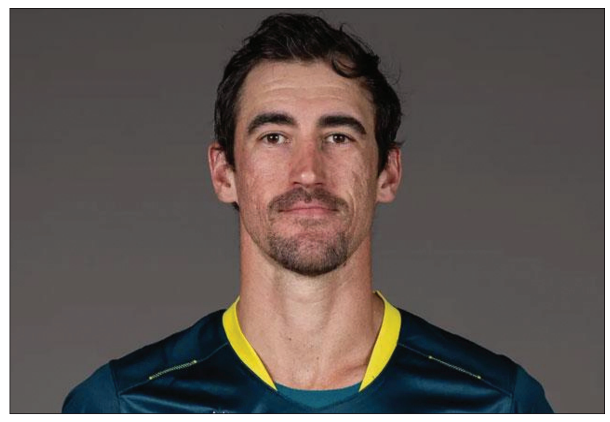

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के 35 वर्षीय तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट खेलने के लिए उनमें अभी भी बहुत कुछ बचा है तथा वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए अपने शरीर का भरपूर इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। स्टार्क ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की ताकि वह खुद को एशेज, आईपीएल, भारत में टेस्ट श्रृंखला और दो साल में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयार रख सकें। इसका मतलब है कि यह स्टार तेज गेंदबाज अगले साल की शुरुआत में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप में भी नहीं खेलेगा।

स्टार्क ने कहा, 'मैं जितना संभव हो सके उतना टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपने शरीर का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि मुझे दूसरे प्रारूपों में से एक को छोड़ना होगा। मुझे लगता है कि मेरे पास वनडे टीम को देने के लिए बहुत कुछ है और मेरा लक्ष्य 2027 तक अपनी फिटनेस बनाए रखना है। साथ ही 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के लिए भी काफी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।'

स्टार्क ने संयुक्त अरब अमीरात में 2021 में टी20 विश्व कप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रारूप में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। उन्होंने कहा, 'मैं इसको लेकर असमंजस में था कि कौन सा प्रारूप रखना सही रहेगा। मैंने 2027 में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वनडे को चुना। मुझे अब भी लगता है कि मेरे पास वनडे टीम को देने के लिए बहुत कुछ है। मैंने इस बारे में काफी सोचा था। मुझे लगता है कि शायद यह सही समय था। मैं 35 साल का हो गया हूं। टेस्ट क्रिकेट हमेशा मेरे लिए पहली प्राथमिकता रहा है और आगे भी रहेगा।'

श्रेयस अय्यर को मिली भारत ए टीम की कप्तानी, इस देश के खिलाफ करेंगे टीम की अगुवाई

मुम्बई (एजेंसी)। आगामी एशिया कप से बाहर रहने के बाद श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 सितंबर से लखनऊ में खेले जाने वाले दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। मुंबई का यह बल्लेबाज उस टीम की कप्तानी करेगा जिसमें साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे कुछ अन्य नए टेस्ट खिलाड़ी भी शामिल हैं।

इस बीच, केएल राहुल और मोहम्मद सिराज, जो एशिया कप के लिए टीम में नहीं हैं, को 23 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए दो अन्य खिलाड़ियों की जगह ए टीम में शामिल किया जाएगा। यह 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज़ से पहले अभ्यास के तौर पर होगा। दो बहु-दिवसीय मैचों के बाद, भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में तीन एकदिवसीय मैच खेलेंगे।

भारत ए टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बदोनी, नितीश रेड्डी, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर राज

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप के लिए दुबई पहुंची भारतीय टीम ने जमकर अभ्यास किया

दुबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए यहां पहुंची भारतीय टीम ने अभ्यास शुरु कर दिया है। एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को मेजबान यूएई से होना है। भारतीय टीम आईसीसी अकादमी में अभ्यास के लिए उतरी।

भारतीय टीम 14 सितंबर पाकिस्तान और 19 सितंबर को ओमान से खेलेगी। वहीं प्लेऑफ मुकाबले 20 सितंबर से प्रारंभ होंगे। अभ्यास सत्र में कप्तान सूर्यकुमार यादव, उप-कप्तान शुभमन गिल, संजू सैमसन, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा सभी ने नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी की। भारतीय

टीम यहां बिना अभ्यास के ही पहुंची है। टीम प्रबंधन का मानना था कि दुबई की आबोहवा में स्वयं को ढालने के लिए दुबई में ही अभ्यास करना बेहतर रहेगा। इस टूर्नामेंट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टी20 में वापसी पर भी सबकी नजर रहेंगी। इसके अलावा ये देखना होगा कि इंग्लैंड में टेस्ट टीम की कप्तानी करते हुए 700 से अधिक रन बनाने वाले शुभमन गिल यहां कितने रन बना पाते हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी लंबे समय के बाद इस टूर्नामेंट से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम ने मुख्य कोच गंभीर, बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु किया। ग्रुप ए में भारतीय टीम, पाकिस्तान, यूएई और ओमान शामिल के साथ हैं जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग की टीमें हैं।

एशिया कप में भारतीय टीम की जर्सी पर नहीं होगा किसी कंपनी का नाम या 'लोगो'

मुम्बई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में यूएई में होने जा रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट टीम बिना किसी लोगो के ही उतरेगी क्योंकि इस बार टीम का कोई प्रयोजक नहीं है। ऐसे में 9 सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप में भारत की जर्सी पर किसी कंपनी का नाम और लोगो नहीं बल्कि केवल 'इंडिया' लिखा होगा। इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास अभी कोई प्रयोजक नहीं है। हाल में केन्द्र सरकार के ऑन लाइन गेमिंग ऐप पर प्रतिबंध के बाद से ही उसकी प्रयोजक कंपनी ड्रीम 11 को करार बीच में ही समाप्त करना पड़ा था। इसके बाद से ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) नये प्रयोजक की तलाश में है पर उसे वह अभी तक मिला नहीं है। भारतीय बोर्ड ने प्रायोजकों के लिए निविदाएं बुलायी हैं और बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। वहीं एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। इसलिए टीम को कोई भी प्रायोजक नहीं मिला है। भारतीय टीम को आपना पहला मैच 10 तारीख को यूएई से जबकि 14 तारीख को पाकिस्तान से खिलाफ है। ऐसे में इन दोनो ही मुकाबलों के दौरान भारतीय टीम की जर्सी पर किसी ब्रांड का नाम और लोगो नहीं रहेगा।

एशिया कप में तीसरे नंबर पर उतरें सैमसन : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर का मानना ?है कि एशिया कप में विकेट बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि सैमसन को छठे क्रम पर फिनिशर के रूप में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजना चाहिये। गावस्कर ने कहा, किसी भी चयन समिति के लिए यह कठिनाई है कि उनके पास जितेश शर्मा और संजू सैमसन जैसे दो बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज हों। जितेश ने हाल ही में हुए आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद भी गावस्कर को लगता है कि सैमसन को मौका मिल जाएगा। जितेज आईपीएल में वह काफी सफल रहे है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनमें टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। गौर है कि सैमसन का 2024 साल शानदार रहा। जहां उन्होंने 43.60 की औसत और 180.16 के स्ट्राइक रेट से 436 रन बनाए। जिसमें तीन शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उन्होंने ज्यादातर रन सलामी बल्लेबाज के तौर पर बनाए। केरल क्रिकेट लीग में हाल में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वहीं जितेश अनुभव के मामले में उनसे कहीं पीछे हैं।

रोहित, विराट कब संन्यास ले, कहने का अधिकार किसी को नहीं : दीपदास गुप्ता

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद संन्यास लेने की लगायी जा रही हैं। ये भी कहा जा रहा है कि ये दौरा इन दोनो का अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौरा हो सकता है। वहीं पूर्व क्रिकेटर दीपदास गुप्ता ने कहा है कि किसी को भी ये कहने का अधिकार नहीं है कि इन्हें कब संन्यास लेना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा, हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। इसमे अगर आप प्रदर्शन करते हैं तो टीम में बने रहेंगे। मैंने हाल ही में रोहित तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं। दासगुप्ता ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, इन्हें संन्यास ले लेना चाहिए। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले? अगले एक साल में कम एकदिवसीय होने हैं ऐसे में दीप का मानना है कि इन दोनो को ही फिटनेस बनाये रखने के लिए आईपीएल अन्य जगहों पर भी खेलना होगा। दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए।

मेसी और रोनाल्डो की तरह दिग्गज खिलाड़ी ने कर्मचारी पर थूका, लगा प्रतिबंध

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। इंटर मियामी के फॉरवर्ड लुइस सुआरेज पर लीग्स कप फ़ाइनल के बाद सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के लिए छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया गया है, आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह घटना पिछले रविवार को सिएटल में साउंडर्स की फ्लोरिडा टीम पर 3-0 से खिताब जीतने वाली जीत के बाद हुई झड़प के दौरान हुई। लीग्स कप आयोजन समिति ने एक बयान में कहा कि उसने इंटर मियामी के सर्जियो बुस्केट्स और टॉमस एविलेस पर भी हाथापाई के दौरान हिंसक व्यवहार के लिए क्रमशः दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया है। साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को भी इस झड़प में उनकी भूमिका के लिए पाँच मैचों का निलंबन दिया गया है।

सुआरेज की सजा का मतलब है कि वह अगले साल होने वाले लीग्स कप में पूरी तरह से हिस्सा नहीं ले पाएंगे, और चूंकि

ग्रुप चरण में प्रति सीजन केवल तीन मैच खेलने की गारंटी होती है, इसलिए यह प्रतिबंध 2027 के संस्करण तक जारी रह सकता है। हालांकि इस प्रतिबंध का मेजर लीग सॉकर में उनकी उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन लीग्स कप समिति ने कहा कि एमएलएस 'संबंधित खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर आगे की अनुशासनात्मक कार्वाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।'

यह विवादों की एक लंबी सूची में नवीनतम है जो सुआरेज के 20 साल के पेशेवर करियर के दौरान उनके साथ रहे हैं, जिसमें लिवरपूल, बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड सहित अन्य क्लबों में उनके कार्यकाल शामिल हैं। उन्हें विरोधियों को काटने के लिए तीन बार निलंबन का सामना करना पड़ा है, जिसमें 2014 की एक घटना भी शामिल है जब उन्होंने ब्राज़ील में एक विश्व कप मैच के दौरान इटली के जियोर्जियो चिएलिनी के कंधे को पकड़ लिया था।

सुआरेज ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी इस हालिया लापरवाही के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत तनाव और निराशा का क्षण था, जहां खेल खत्म होने के तुरंत बाद ऐसी चीज़ें हुईं जो नहीं होनी चाहिए थीं, लेकिन यह मेरी प्रतिक्रिया को उचित नहीं ठहराती।' 'मैंने गलती की और इसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं। यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार के सामने देना चाहता हूं, जो मेरी गलतियों के कारण पीड़ित हैं, मेरे क्लब के सामने, जो खुद को इस तरह की किसी चीज से प्रभावित होते हुए देखने के लायक भी नहीं हैं।'

एशिया कप में श्रीलंकाई टीम के सभी खिलाड़ियों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन : अर्नोल्ड

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड को उम्मीद है कि चरित असलांका की कप्तानी में श्रीलंकाई टीम एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करेगी। अर्नोल्ड ने कहा, मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट रोमांचक रहेगा। श्रीलंकाई टीम में अगल-अलग स्थानों के लिए बेहतर खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। टीम का संतुलन अच्छा लग रहा है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह टीम के लिए देखने का एक बेहतरीन मौका है कि वे कहां हैं। वहीं अगर वे सही दिशा में काम करते हैं तो मुझे लगता है कि उनके पास आगे बढ़ने का अच्छा अवसर है। श्रीलंकाई टीम ग्रुप बी में है जिसे काफी कठिन माना जाता है। अर्नोल्ड ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही कठिन ग्रुप है। यह एक ऐसा ग्रुप है जिसे आप आसानी से नहीं हरा सकते। इसमें अफगानिस्तान भी शामिल है जिसका प्रदर्शन लगातार निखर रहा है। उनकी गेंदबाजी हमेशा अलग रही है। उनके पास राशिद खान सहित कई अच्छे स्पिनर हैं। इसके साथ ही अब उनके पास बेहतर बल्लेबाजों भी हो गये हैं। वहीं बांग्लादेश से मिलने वाली टक्कर को कम नहीं मान सकते। श्रीलंका का हाल ही में घरेलू सीरीज में उनसे 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए मुझे लगता है कि श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए बेहतर क्रिकेट खेलना होगा। हर किसी को अपनी भूमिका और जिस दिशा में वे टीम को ले जाना चाहते हैं, उसे सामने रखना होगा। वहीं ग्रुप ए में भारतीय टीम काफी मजबूत हैं और निरंतर बेहतर प्रदर्शन के कारण खिताब की प्रबल दावेदार है। पिछले दो सालों में मुझे लगता है कि उन्होंने केवल 10 मैच हारे हैं। उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि वे टूर्नामेंट के पसंदीदा हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, आगे बढ़ने वाली दूसरी टीम होगी। अगर वे एक मैच हार जाते हैं और सुपर फोर में जगह नहीं बना पाते हैं, तो मुझे बहुत हैरानी होगी।

योगराज ने फिर धोनी पर निशाना साधा, खिलाड़ियों के साथ खराब व्यवहार के आरोप लगाये

चंडीगढ़। अपनी विवादास्पद बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहने वाले पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने एक बार फिर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी पर निशाना साधा है। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज ने धोनी के अलावा पूर्व कप्तान कपिल देव और बिशन सिंह बेदी का भी नाम लिया और कहा कि इन लोगों ने कई खिलाड़ियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। योगराज ने इस बार पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के पुराने साक्षात्कार का हवाला देते हुए धोनी पर हमला बोला। अपने साक्षात्कार में इरफान पठान ने भारतीय टीम से अचानक बाहर होने के कारणों की बात करते हुए धोनी पर तंज कसा था। योगराज ने कहा कि केवल पठान ही नहीं बल्कि गौतम गंभीर, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह के साथ भी धोनी ने अच्छा व्यवहार नहीं किया। योगराज ने कहा, यह केवल इरफान पठान की बात नहीं है। आप गंभीर को इस बारे में बोलते हुए देख सकते हैं। सहवाग ने भी इस बारे में कहा है। वहीं धोनी जवाब नहीं देना चाहते जिससे पता चलता है कि उन्हें भी अब इन बातों का अहसास हो रहा है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं बेदी और कपिल के बारे में बात करता हूं। मैं उन लोगों के बारे में बात कर सकता हूं जिनके साथ मैं रहा हूं। उन्होंने लोगों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है। जो गलत है इन लोगों ने टीम को नुकसान पहुंचाया है।

अभी संन्यास नहीं लेंगे, अगले सत्र में 25 वां ग्रैंड स्लैम जीतने का प्रयास करेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क। सर्बियाइ टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को अमेरिकी ओपन टेनिस के पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के कार्लोस अल्काराज के खिलाफ 6-4, 7-6(4), 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह संन्यास ले सकते हैं पर जोकोविच ने इस सभी बातों पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि ये सब अफवाहें हैं। जोकोविच ने अपने बयान में कहा है कि वह अगले साल होने वाले ग्रैंड स्लैम सत्र में खेलेंगे। जोकोविच ने कहा है कि अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद भी वह निराश नहीं है और अगले सत्र में 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का प्रयास करेंगे। अल्काराज के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच को अंत में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं अभी पीछे नहीं हटने जा रहा हूं। मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने के अपने प्रयास जारी रखूंगा। मैं फाइनल में पहुंचने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करूंगा। मैं कम से कम एक और ट्रॉफी जीतने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। जोकोविच ने इस सत्र में चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में जगह बनाई पर एक बार भी उससे आगे नहीं बढ़ पाये। उन्हें तीन बार अल्काराज और एक बार इटली के यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल के बाद जोकोविच ने कहा, 'दूसरे सेट के बाद मेरी ताकत समाप्त हो गई थी। वहीं अल्काराज बेहतर होते गये जिससे ये मुकाबला मेरे हाथ से निकल गया।

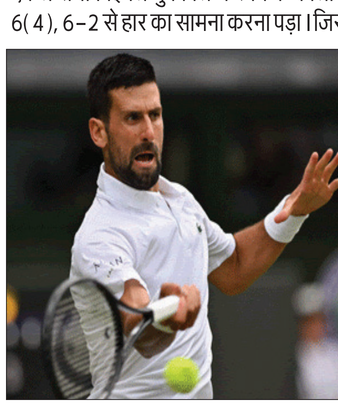

भारत को रोहित-विराट की कमी खलेगी, बुचर ने कहा- इस समय वह टीम में एकमात्र मैच जिताऊ खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर रोलैंड बुचर का मानना है कि मई में शानदार प्रदर्शन करने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट मैचों से संन्यास लेने के बाद भारत को उनकी कमी खलेगी। उनके अनुसार, भारत के पास इस समय बल्ले से एकमात्र मैच विनर ऋषभ पंत हैं।

विराट और रोहित के लाल गेंद के प्रारूप में अंतिम प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट में एक नया सवेरा शुरू हुआ। भारतीय प्रबंधन ने शुभमन गिल पर भरोसा जताया और उन्हें रोहित का असली उत्तराधिकारी माना। भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान को इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों की कड़ी श्रृंखला के लिए टीम का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था। लीड्स से लेकर लंदन तक भारत के कई यादगार पल आए और यह दौरा ओवल में भारत की छह रनों की नाटकीय जीत के साथ समाप्त हुआ।

पूरी श्रृंखला के दौरान प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने अक्सर कुछ ऐसे पलों की ओर इशारा किया जब भारत मैदान पर रोहित और विराट के लिए तरस रहा था। बुचर के अनुसार, भारत ने जिन खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, वे 'अच्छे खिलाड़ी' हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के पास पंत जैसे आक्रामक खिलाड़ी के अलावा कोई 'मैच-विनर' खिलाड़ी नहीं है।

ऋषभ पंत एकमात्र मैच जिताऊ खिलाड़ी

बुचर ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम को इन दोनों खिलाड़ियों की कमी खलेगी क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली मैच विनर थे। आप जानते ही हैं कि वे अकेले ही मैच का रुख बदल सकते हैं। मुझे लगता है कि इस समय भारत की टीम बहुत अच्छी है, लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों के बिना टीम उतनी अच्छी नहीं होगी। उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। वे खूब रन बना सकते हैं, लेकिन वे लंबे समय तक रन बनाते हैं, जिसका मतलब है कि वे इतनी जल्दी जीत की स्थिति में नहीं पहुंच पाते।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए, मुझे लगता है कि अगले कुछ साल भारत के लिए बदलाव के दौर से गुजरेंगे। उन्हें कुछ मैच जिताऊ बल्लेबाज ढूंढने होंगे। इस समय टीम में एकमात्र मैच जिताऊ खिलाड़ी ऋषभ पंत हैं। इसलिए, शर्मा और कोहली का टीम से बाहर होना टीम के लिए बहुत बड़ा नुकसान होगा। मुझे नहीं लगता कि इस समय उनकी जगह कोई भी खिलाड़ी इन दोनों से बेहतर है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उनके ट्रैक रिकॉर्ड ने साबित कर दिया है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से दो रहे हैं।'

गिल को कप्तानी करना सीखना होगा

गिल का पहला टेस्ट 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ था और उनके नेतृत्व में भारत ने जिस जोशपूर्ण प्रदर्शन का प्रदर्शन किया, उसकी उन्होंने खूब सराहना की। 'कभी हार न मानने' की मानसिकता 5 टेस्ट मैचों में भारत के रवैये का प्रतीक बन गई। लेकिन बुचर की राय अलग है। भारतीय कप्तान के रूप में गिल के पहले कार्यकाल का विश्लेषण करते हुए बुचर ने दावा किया कि इंग्लैंड की पिचों की अनुकूल प्रकृति के कारण गिल के लिए यह आसान था।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शुभमन गिल कप्तानी के लिहाज से युवा हैं। इसलिए उन्हें खेल की कप्तानी करना सीखना होगा। वह एक नई टीम के कप्तान हैं, क्योंकि वह अचानक टीम में शामिल हो गए हैं और दो सबसे सीनियर खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। इसलिए, उन्हें खुद को एक कप्तान के रूप में पहचानना होगा। उन्हें नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना होगा और अपनी पहचान बनानी होगी। यह आसान नहीं होगा।'

बुचर ने आगे कहा, 'इंग्लैंड में उनके लिए शायद काफी आसान था क्योंकि पिचें बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी थीं। दोनों टीमें विपक्षी टीम को आउट करने के लिए संघर्ष कर रही थीं। इसलिए, वह काफी रन बनाने में सफल रहे। आगे चलकर उनके सामने और भी कठिन चुनौतियां होंगी। वह इससे कैसे निपटते हैं, यह हमें देखना होगा। लेकिन मुझे लगता है कि अब भारत के लिए जरूरी है कि वह नए खिलाड़ियों को खोजे, उन्हें रोहित और कोहली जैसी क्षमता दिखानी होगी, ताकि कप्तान के रूप में उनका काम आसान हो सके।'

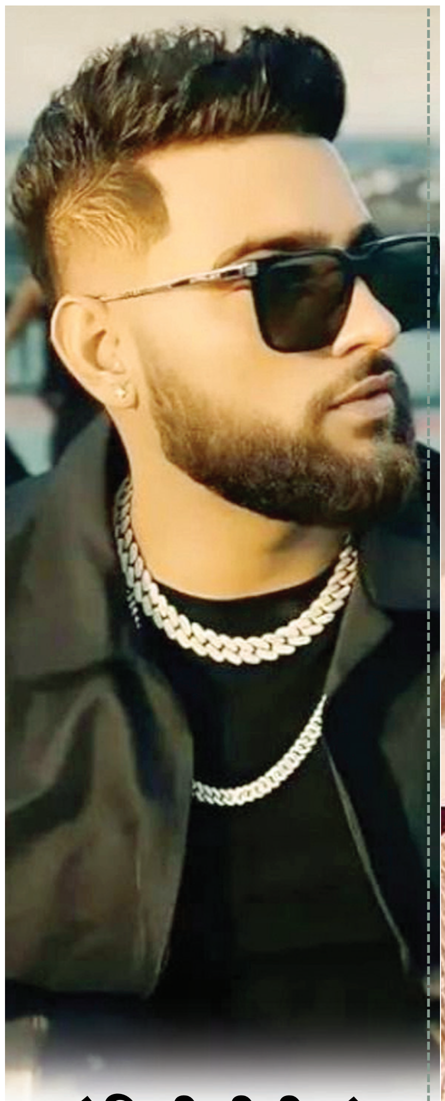

अमेरिकी टीवी शो में डेब्यू करने को तैयार पंजाबी सिंगर करण औजला

पंजाबी गायक-गीतकार करण औजला इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। वह मंगलवार को अमेरिकी टीवी शो द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फॉलन का हिस्सा होंगे। किसी भी भारतीय कलाकार के लिए यह बड़ी अपलब्धि है। करण औजला अपने हालिया एल्बम पी-पॉप कल्चर को लेकर सुर्खियों में हैं। यह प्रोजेक्ट भारत और पाकिस्तान में कई म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर नंबर एक पर है। कनाडा में भी इस एल्बम की धूम है।

करण औजला के एल्बम को पसंद कर रहे लोग

उनके एल्बम पी-पॉप कल्चर के सभी 11 गाने भारत, पाकिस्तान और कनाडा में छाए हुए हैं। इससे करण औजला का प्रभाव और भी गहरा हुआ है। उनका गाना फॉर अ रीजन को 4 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। यह गाना दुनिया भर में प्रशंसकों का पसंदीदा बन गया है।

करण औजला के फैंस उत्साहित

करण औजला के फैंस को औजलाइट्स के नाम से जाना जाता है। इन फैंस के लिए औजला का अमेरिकी टीवी शो में डेब्यू सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं है बल्कि इससे बढ़ कर है। दुनिया के सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाले शो में पंजाबी सिंगर को देखना एक अहम क्षण होगा। जैसे-जैसे शो की तारीख नजदीक आ रही है लोगों का उत्साह बढ़ रहा है। औजला के लिए फॉलन के मंच पर कदम रखना सिर्फ उनकी कामयाबी नहीं है बल्कि एक ऐसा मौका है जो पंजाबी संगीत को वैश्विक धारा में लाएगा।

गायक करण औजला सुरक्षित माहौल की तलाश में 2023 में कनाडा छोड़कर दुबई में बस गए। हाल ही में एक बातचीत में गायक ने खुलासा किया कि उनका दिल अब भी पंजाब में है और वह कनाडा या दुबई को अपना असली घर नहीं मानते। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में, करण औजला ने भारत लौटने के सवाल पर कहा मुझे अच्छा लगेगा, खासकर अपने गांव में। हालांकि अभी हालात वैसे नहीं हैं जैसे मैं चाहता हूं। उम्मीद है कि भविष्य में मैं ऐसा कर पाऊंगा।

बिपाशा के बाद अब मृणाल का अनुष्का शर्मा पर तंज?

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। कभी उनकी फिल्मों को लेकर चर्चा होती है तो कभी उनके बयानों की वजह से। हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो सामने आया था जिसमें उन्होंने बिपाशा बसु को लेकर बॉडी शेमिंग वाली बात की थी। अब एक नया वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने सुल्तान फिल्म को ठुकराने और अनुष्का शर्मा को लेकर तंज कसने की बात कही है। इसी के चलते वह एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर आ गई हैं।

'सुल्तान' को ठुकराने का दावा

मृणाल ठाकुर ने हाल ही में बातचीत के दौरान खुलासा किया कि वह सलमान खान की सुपरहिट फिल्म सुल्तान से डेब्यू करने वाली थीं। लेकिन उन्होंने खुद ही इस प्रोजेक्ट से पीछे हटने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि वह तैयार नहीं थीं। उनका कहना था कि अगर वह उस समय यह फिल्म करतीं तो शायद अपनी पहचान खो देतीं। हालांकि, उसी फिल्म में जिस अभिनेत्री ने काम किया, आज वह फिल्मों में सक्रिय नहीं हैं, जबकि मृणाल लगातार काम कर रही हैं। हालांकि पॉडकास्ट का ये वीडियो कितना पुराना है, फिलहाल इसके बारे में कुछ पता नहीं चला है।

अनुष्का का नाम क्यों आया चर्चा में

भले ही मृणाल ने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि उनका इशारा अनुष्का शर्मा की ओर था। सुल्तान में अनुष्का ने सलमान खान की पत्नी का किरदार निभाया था और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। मगर बीते कुछ वर्षों से अनुष्का बड़े पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं, इसी कारण लोग मृणाल के बयान को उन्हीं से जोड़ रहे हैं।

फिर ट्रोल होने लगीं मृणाल ठाकुर

वीडियो सामने आने के बाद नेटिजन्स ने मृणाल को घेरना शुरू कर दिया। कई लोगों ने उन्हें मतलबी तक कह डाला और यह भी लिखा कि खुद को ऊपर दिखाने के लिए किसी और महिला को नीचा दिखाना गलत है। कुछ यूजर्स ने तंज कसा कि अगर मृणाल उस फिल्म में होतीं तो शायद उतना जादू नहीं चल पाता जितना सलमान और अनुष्का की जोड़ी ने दिखाया।

पहले भी आ चुकीं विवादों में

यह पहली बार नहीं है जब मृणाल ठाकुर को उनके बयानों की वजह से आलोचना झेलनी पड़ी हो। इससे पहले बिपाशा बसु को लेकर उनका एक इंटरव्यू वायरल हुआ था जिसमें वह उनकी बॉडी पर मजाक कर रही थीं। उस वक्त भी लोगों ने उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई थी। इसके बाद मृणाल को सफाई देते हुए कहना पड़ा था कि वह उनके करियर के शुरुआती दिन थे और उन्होंने अनजाने में यह गलती की।

करियर की ओर बढ़ते कदम

बावजूद इसके, मृणाल ठाकुर का करियर लगातार ऊंचाइयों पर है। टीवी से फिल्मों तक का सफर तय करने के बाद उन्होंने कई बड़े प्रोजेक्ट हासिल किए और उनकी एक्टिंग की भी खूब तारीफ हुई। हाल ही में उन्होंने सन ऑफ सरदार 2 जैसी फिल्म में काम किया और अब उनके पास कई नए प्रोजेक्ट्स हैं।

'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' में जैन दुर्रानी को देख भड़की सलोनी चोपड़ा

सलोनी चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'जब मैं बेबस बैठी थी, तब उसने मेरा गला घोंट दिया। मुझे घर से घसीटकर बाहर निकाल दिया।' इस बात के जरिए सलोनी ने साल 2018 में हुआ वो किस्सा याद दिलाया जिसमें उन्होंने जैन खान दुर्रानी पर फिजिकल, इमोशनल अब्यूज के आरोप लगाए थे। वह इस बात से दुखी हैं कि ऐसे आदमी के साथ 'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' की नामी स्टार कास्ट काम रही हैं, जिसमें चर्चित वुमन एक्ट्रेस भी शामिल हैं।

सलोनी चोपड़ा ने अपना दर्द किया बयां

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में सलोनी ने पहले तो बताया कि कैसे जैन खान दुर्रानी ने उन्हें धोखा दिया। जब उन्होंने उसका धोखा पकड़ लिया तो दुर्रानी ने मार-पीट की। आगे वह अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'खुद को फेमिनिस्ट कहने वाले लोग उसके (जैन खान दुर्रानी) साथ में खड़े हैं। उसके साथ काम कर रहे हैं।' वह पोस्ट में आगे लिखती हैं, 'जो महिलाएं आवाज उठाती हैं, उन्हें सजा दी जाती है। मेरी जैसी आवाज उठाने वाली महिलाएं काम पाने के लिए संघर्ष करती हैं। जबकि महिलाओं को पीटने वाले आदमी को प्राइम टाइम स्लॉट में काम मिलता है।' वह सवाल पूछती हैं, 'बॉलीवुड ऐसे आदमियों के साथ काम क्यों करता रहता है?'

क्या है पूरा मामला?

बताते चलें कि सलोनी चोपड़ा और जैन खान दुर्रानी 2010 में रिलेशनशिप में थे। लेकिन जैन खान दुर्रानी के हिंसक व्यवहार के कारण सलोनी ने अपना रिश्ता तोड़ लिया। जब सलोनी ने इस मुद्दे को पब्लिक में उठाया तो जैन दुर्रानी ने माफी मांगी। वैसे उस समय कई महिलाओं ने जैन खान दुर्रानी पर सलोनी जैसे ही आरोप लगाए थे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है। इसमें सोनी राजदान, शीबा चड्ढा, सबा आजाद जैसी एक्ट्रेस नजर आई है। फिल्म का का निर्देशन दानिश रेंजू ने किया है और प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और शफत काजी हैं।

अक्षय के बाद अब आलिया ने की 'लोका' की तारीफ

हालिया मलयालम फिल्म 'लोका- चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की ओर से सराहा जा रहा है। यही नहीं धीरे-धीरे अब सेलेब्स भी इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। इसी क्रम में अब अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी 'लोका' की तारीफ की है। आलिया ने 'लोका' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में आलिया ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'पौराणिक लोककथाओं और रहस्य का शानदार ताजा मिश्रण है 'लोका'। फिल्म को मिल रहे प्यार को देखकर काफी खुश हूं। मैं हमेशा से ऐसी फिल्मों और सिनेमा की तारीफ करने और उनका समर्थन करने को बेकरार रहती हूं।' आलिया ने फिल्म की कास्ट और क्रू को मेंशन करते हुए फिल्म के अब हिंदी में भी उपलब्ध होने पर खुशी जताई है।

सुपर नेचुरल एक्शन-थ्रिलर है 'लोका'

'लोका- चैप्टर 1' एक सुपर नेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित 'लोका' में कल्याणी प्रियदर्शन प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। 'लोका' महिला केंद्रित सुपरहीरो वाली पहली मलयालम फिल्म है। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की जमकर तारीफ हो रही है और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म शानदार कमाई कर रही है। फिल्म को लगातार मिल रही प्रशंसा के बाद ही मेकर्स ने इसे मलयालम में रिलीज के एक हफ्ते बाद हिंदी में भी रिलीज किया है।

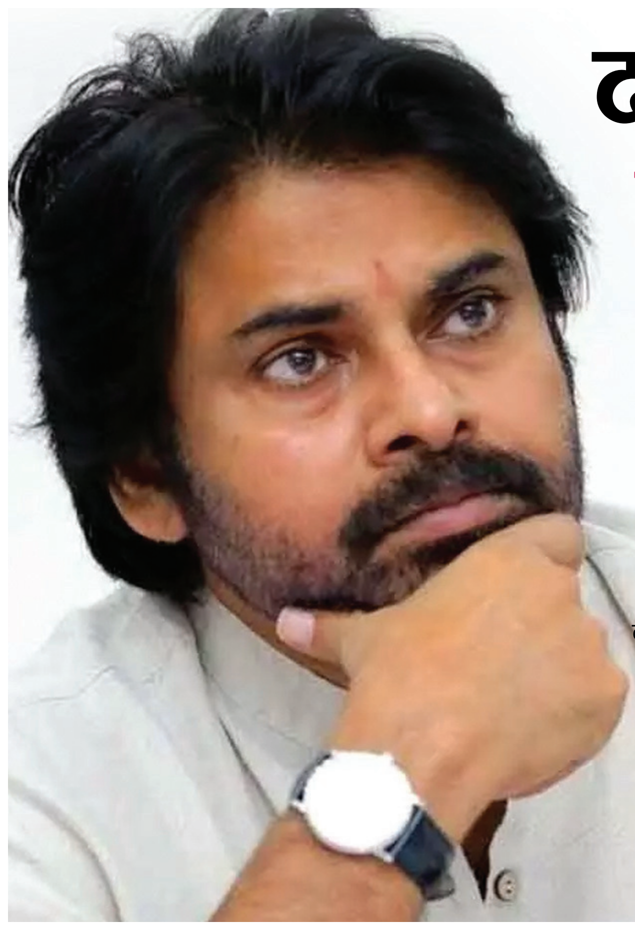

दबंग-पिंक से लेकर लव आज कल तक

इन बॉलीवुड फिल्मों के रीमेक बना पवन कल्याण ने दिखाया दम

पवन कल्याण ने अपनी फिल्मों के जरिए देशभर में एक अलग पहचान बनाई। अभिनेता को सिर्फ एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि राजनीति के लिए भी पहचाना जाता है। साथ ही आपको बताते चलें कि पवन कल्याण ने ऐसी कई साउथ फिल्में की हैं, जो बॉलीवुड फिल्मों की रीमेक रही हैं।

कयामत से कयामत तक

साल 1988 में रिलीज आमिर खान और जूही चावला की बॉलीवुड फिल्म 'कयामत से कयामत' की तेलुगु रीमेक 'अक्कड़ा अम्मई इक्कड़ा अब्बाई' थी, जिसे 1996 में रिलीज किया गया था। इस रीमेक में पवन कल्याण मुख्य अभिनेता के रूप में थे। अभिनेता की डेब्यू फिल्म थी।

जो जीता वही सिकंदर

साल 1999 में पवन कल्याण की फिल्म थम्मुडू रिलीज हुई थी। ये फिल्म आमिर खान अभिनीत बॉलीवुड फिल्म जो जीता वही सिकंदर की रीमेक थी, जो 1992 में रिलीज हुई थी।

लव आज कल

2009 में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव आज कल' रिलीज हुई थी। इस फिल्म की तेलुगु रीमेक 'तीन मारी' बनी थी, जिसमें पवन कल्याण मुख्य भूमिका में नजर आए थे, यह 2011 में रिलीज हुई थी। इस साउथ रीमेक को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

दबंग

2012 में आई पवन कल्याण की 'गब्बर सिंह', सलमान खान की फिल्म 'दबंग' का रीमेक है, जो 2010 में आई थी। 'दबंग' फिल्म की तरह ही पवन कल्याण की गब्बर सिंह भी ब्लॉकबस्टर रही थी। साउथ अभिनेता की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन किया था।

ओह मॉय गॉड

अक्षय कुमार और परेश रावल की चर्चित फिल्म ओह मॉय गॉड की तेलुगु रीमेक 'गोपाला गोपाला' बनी थी। गोपाला गोपाला में पवन कल्याण ने भगवान का किरदार निभाया था। जहां एक और बॉलीवुड की ओएमजी 2012 में रिलीज हुई थी, तो गोपाला गोपाला 2015 में आई थी।

दबंग 2

बॉलीवुड की फिल्म दबंग ही नहीं, बल्कि दबंग 2 का भी तेलुगु में रीमेक बना था, जिसे सरदार गब्बर सिंह नाम से बनाया गया था। दबंग 2 साल 2012 में रिलीज हुई थी, वहीं सरदार गब्बर सिंह 2016 में आई थी।

पिंक

अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू की फिल्म पिंक, साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का तेलुगु रीमेक वकील साब नाम से बना थी, जो 2021 में रिलीज हुई थी।

इस फिल्म में पवन कल्याण ने अमिताभ बच्चन वाला किरदार निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

काजोल के साथ काम करने को लेकर नर्वस थी

ओटीटी पर द नाइट मैनेजर, द ट्रायल, कॉल मी बे, गुटरगूं सीजन 3 और बड़े पर्दे पर काजोल संग मां में आपने सूरजासिखा दास को देखा है। इसके अलावा हमने उन्हें ओटीटी पर द नाइट मैनेजर, द ट्रायल, कॉल मी बे, और गुटरगूं सीजन 3 में भी देखा और पसंद किया है। काजोल के साथ हॉरर ड्रामा मां में काम करने के अनुभव पर सूरजासिखा ने बताया कि उनकी मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और सीनियरिटी के कारण शुरुआत में वह उनके पास जाने से झिझकती थीं, लेकिन वक्त के साथ सेट पर दोनों के बीच सहज रिश्ता बन गया। वह कहती हैं, शुरुआत में मैं थोड़ी नर्वस थी। मुझे आज भी याद है, मैंने मां की गोद में बैठकर जो पहली फिल्म सिनेमाघर में देखी थी, वो काजोल मैम की थी। तब फिल्मों का मतलब समझ नहीं आता था, लेकिन उनसे प्यार हो गया था। वह हमेशा से मेरी पसंदीदा अभिनेत्रियों में रही हैं। इसलिए उनके सामने अभिनय करना, डायलॉग क्यूज लेना और सीन करना मेरे लिए बिल्कुल सपने जैसा था।'

कीलों व मुंहासों से कैसे पाई जाए नजात

- हरी व रेशेदार सब्जियां भोजन में शामिल करें और अपना पेट भी साफ रखें.
- कीलमुंहासे होने पर आयोडीन का प्रयोग कम करें क्योंकि इस से इन में पस पड़ने का भय रहता है.
- जिंकयुक्त मल्टी विटामिन लें.
- तनावमुक्त रहें.
- केशों में स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कम करें. उन के प्रकार के अनुरूप शैंपू से ही उन्हें साफ करें.
- त्वचा पर आयल फ्री सौंदर्य प्रसाधनों का ही प्रयोग करें और मेकअप भी लाइट ही करें.मुंहासों को हटाने के लिए किए जाने वाले उपचार को केवल मुंहासों पर ही न कर पूरे चेहरे पर प्रयोग करें.उन आदतों को छोड़ दें, जो मुंहासों को और बढ़ाएं जैसे ठोड़ी को फोन से लगाना, अपने गंदे हाथों को चेहरे पर लगाना, बारबार चेहरे को छूना.
- मुंहासों को दबाएं या फोड़ें नहीं वरना वे और बढ़ जाएंगे और उन के सूख जाने पर चेहरे पर निशान भी पड़ जाएंगे.अपनी त्वचा के अनुरूप क्लींजर का प्रयोग करें. उस से चेहरे को प्रतिदिन 2-3 बार धोएं.चेहरे को न तो बारबार धोएं और न ही जोर से रगड़ें.

एक्ने सौंदर्य पर दाग

यदि चेहरे पर मुंहासों जैसे ढेर सारे दाने पास-पास और गुच्छे की शक्ल में हों और बहुत दिनों तक बने रहे तो सावधान हो जाइए। यह एक्ने हो सकता है। अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससेबचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए।

एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते है, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलताहै। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते है। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते है और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते है। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका सिक्रीशन ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले हर बार मुंहासे निकल आते है जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते है। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते है। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते है। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते है, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सीन भी है कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिक तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते है। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिक तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं आदि के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें

खान-पान

भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे भोजन से बचें।

1. रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी कॉमीडोनिक एक्ने

इनफ्लैमेटरी एक्ने

नॉनड्डुलोसिस्टिक एक्ने

पहले प्रकार के एक्ने में ब्लैकहैड्स और व्हाइटहैड्स आते है। इसके उपचार के लिए रेशियोनिक एसिड क्रीम लगाने की सलाह दी जाती है छह से आठ हफ्ते में इस तरह का एक्ने ठीक हो जाता है। दूसरी तरह के एक्ने में कीलों के साथ लाल दाने हो जाते है। इसके लिए एंटीबायटिक दवाएं दी जाती है। तीसरी तरह के एक्ने में त्वचा पर सिस्ट हो जाते है। इसके लिए आईसोट्रीट्वाइन नामक कैप्सूल दिए जाते है। इस तरह के एक्ने का इलाज लगभग 8 महीने चलता है और एक महीना पूरा होने पर लगभग दस प्रतिशत अंतर नजर आने लगता है। अंतिम प्रकार के एक्ने के ठीक हो जाने के बाद चेहरे पर गड्ढेनुमा दाग पड़ जाते है, जिन्हें हटाने के लिए लेजर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है।

जब बालों में रूसी हो जाए

चेहरे के सौंदर्य में बालों का महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन महिलाएं उस समय चिंतित हो उठती हैं जब उनके बालों में रूसी हो जाती है. रूसी सिर की मृत त्वचा का ही एक रूप होता है जो खुश्की के कारण बालों में जम कर सिर खुजलाने तथा सिर की त्वचा को जख्मी बनाने का काम करता है. बालों को स्वस्थ, निरोग तथा सुरक्षित रखने के लिए निम्न उपायों को करिए:-

* बालों की नियमित धुलाई के लिए आंवला तथा शिकाकाई पाऊडर बना कर रख लीजिए. सिर धोने से एक घंटा पहले गर्म पानी में इस मिश्रण का घोल बना लें और उससे सिर धोएं. इससे बाल चिकने तथा स्वच्छ होते हैं.
* सिर धोने के कुछ देर बाद बालों में कुछ देर तक ब्रश करके रूसी से छुटकारा पा सकते हैं. शैम्पू करने के बाद गीले बालों में सिरके वाले पानी को डालिए और उंगली के पोरों से धीरे-धीरे मलिए. फिर शुद्ध पानी से धो डालिए. रूसी गायब हो जाएगी.
* बथुए को पानी में उबाल कर उसके पानी से सिर धोकर रूसी को भगाइए.
* एक कटोरी बेसन लेकर उसमें दो चम्मच दही डालकर थोड़े पानी के साथ घोल तैयार कर लें. इस घोल से सिर धोइए. नियमित प्रयोग से रूसी गायब होती है.
* बालों को गर्म पानी से कभी मत धोइए. इससे उनकी जड़ें कमजोर होती हैं. गीले बालों में कंघी करने से बाल कमजोर होकर टूटते हैं. बाल धोते समय पानी में एक नींबू का रस निचोड़ दीजिए. इससे सिर का मैल दूर होकर बालों की चमक को बनाए रखता है.

रंगों में फैशन

आपके साथ भी ऐसा कभी हुआ होगा कि किसी ने दूर से ही देखकर आपके परिधान की रंग की तारीफ कर दी हो। वे रंग ही हैं, जिन पर सबसे पहले लोगों की नज़र पड़ती है और जिसका असर लोगों पर लम्बे समय तक बना रहता है।

कौन-सा रंग कब पहना जाना है, अवसर क्या है, जहां जा रहे हैं, वहां का वातावरण कैसा होगा, अगर पार्टी है तो किस समय है आदि बातों का भी रंगों के चयन पर असर पड़ता है। दिन-रात और शाम का ध्यान भी रखना ज़रूरी है।

ज़रा अपने वॉर्डरोब पर एक नज़र डालिए। किस तरह के रंगों की प्रधानता दिखाई देती है ? क्या आपकी अल्मारी तरह-तरह के रंगीन कपड़ों से भरी है ? या सिर्फ एक-दो रंग, जिन्हें आप अक्सर पहनती हैं ? ध्यान से देखें तो आप पाएंगी कि गिने-चुने रंग ऐसे हैं जिन्हें बाज़ार से आप अक्सर ले आती हैं। इसके पीछे आपकी मानसिक भावनाएं काम करती हैं। हम महसूस करें न करें लेकिन प्रतिदिन रंगों का असर हम पर होता है। नाखुश होने पर हम चुनाव करते हैं ग्रे, भूरे या फिर काले जैसे रंगों का। जानते हैं क्यों ? क्योंकि उस समय यह रंग हमारी भावनाओं से मेल खाते हैं। ठीक इनके विपरीत रंगों यानी खुशरंगों का चुनाव हम हल्के मूड के दौरान करते हैं।

वैज्ञानिक रूप से यह भी पता चलता है कि आपके कपड़ों के हर रंग का एक कलर मैसेज होता है यानी एक संदेश जो सिर्फ रंग व्यक्त करते हैं और देखने वाला ग्रहण करता है। जैसे ही आप किसी समारोह या सामाजिक स्थल पर पहुंचते हैं, रंग अपना मैसेज लोगों तक पहुंचा देते हैं।

शोध ने साबित किया है कि पहना हुआ रंग, व्यक्ति की भावनाओं पर तो असर करता ही है, देखने वाले के हार्मोंस, रक्तचाप और शरीर के तापमान पर भी असर डालता है। इसीलिए सलाह दी जाती है कि अवसर देखकर रंग चुनें। जैसे किसी बिज़नेस मीटिंग के लिए चुनी गई सफेद शर्ट के साथ लाल जैकेट आपमें आत्मविश्वास और ऊर्जा दर्शाती है। लेकिन बिजनेस मीटिंग के लिए लेस लगे कुर्ते या टॉप का चुनाव सही नहीं होगा। किसी जॉब इंटरव्यू पर जाने के लिए भी सही रंग का चुनाव करना बहुत ज़रूरी होता है। यहां चटख रंग वाले कपड़े जहां साक्षात्कार लेने वाले का ध्यान भटकाएंगे, वहीं आपके व्यक्तित्व के बारे में गलत संदेश भी दे सकते हैं।

आइए, समझते हैं रंगों में निहित मुखर संदेशों को

पीला रंग- यह रंग लोगों का ध्यान आकर्षित करता है और नई शुरूआत प्रारंभ करना दर्शाता है।

लाल-पीला रंग- यह रंग ऊर्जा देता है और संवाद जारी रखने की प्रेरणा देता है।

लाल- आत्मविश्वास दिखाता है, परंतु इसका इस्तेमाल संभाल कर करना चाहिए।

मैरून- शिष्टता दर्शाता है।

मध्यम नीला- यह रंग दूसरों को सहज बनाता है और संवाद की प्रक्रिया आराम से जारी रखने में मदद करता है।

आसमानी नीला- शांति और स्थिरता का रंग।

नेवी ब्लू- यह रंग इस बात का संदेश देता है कि लोग आपको गंभीरता से लें। यह श्रोताओं को सुनने और आप पर भरोसा करने की प्रेरणा देता है।

नीला-लाल- यह बुद्धिमत्ता और नारीत्व दर्शाता है।

लाल-नारंगी- यह शक्ति, सृजनात्मकता और ऊर्जा का रंग है।

सावधानियां- रंग के चुनाव के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि वह आपकी शारीरिक बनावट और त्वचा के रंग के अनुरूप हो।

कपड़े खरीदने जाते समय खुश मूड में जाएं। अगर मन उदास होगा, तो रंगों के चयन पर उसका असर पड़ेगा।

सौंदर्य समस्याएं- उपयोगी टिप्स

सलोनी रंगत के लिए

आपकी त्वचा की रंगत यदि सलोनी है तो रात को सोने से पूर्व जैतून के तेल में जाफरान और थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर चेहरे की त्वचा के साथ गर्दन व हाथ-पैरों पर भी लगाएं, इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में आश्चर्यजनक निखार आता है।

आंखों के काले घेरों के लिए

आंखों के काले घेरे अच्छे-भले सौंदर्य को नष्ट कर देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए आप पुदीने के रस में खीरे को पीस कर भली-भांति पेस्ट बना लें और आंखों के काले घेरों पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। इसके प्रयोग से आंखों के काले घेरों की समस्या का समाधान शीघ्र हो जाएगा।

बालों की रूसी के लिए

बालों में यदि रूसी की समस्या उत्पन्न हो गई हो तो बालों को धोने से पूर्व अंडे की जर्दी बालों की जड़ों में भली-भांति लगाएं या फिर थोड़े गुनगुने पानी में सुहागा मिला लें और शैंपू करने के उपरांत इस पानी से बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके प्रयोग से बालों में रूसी की समस्या का समाधान होता है।

शुष्क त्वचा के लिए

यदि चेहरे की त्वचा शुष्क और खुरदरी है तो आप चेहरे पर दही का प्रयोग करें। वहीं त्वचा की मसाज के लिए जैतून या फिर बादाम के तेल का प्रयोग करें। इसके प्रयोग से त्वचा का खुरदरापन दूर ही नहीं होगा। बल्कि त्वचा की रंगत में भी निखार आ जाएगा।

बालों को कंडीशन करने के लिए

बालों को कंडीशन करने के लिए वैसे तो बाजार में असंख्य कंडीशनर मिल जाते हैं लेकिन घरेलू कंडीशनर के रूप में दही का प्रयोग अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है।

चेहरे की झुर्रियों के लिए

चेहरे की त्वचा पर यदि झुर्रियां पड़ गईं हों तो शहद को मास्क की भांति चेहरे पर सूखने तक लगाएं।